डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति लोकवर रू. निर्धारित, पंजीयन 27/06/2022 से 01/07/2022 वर्ष-39 अंक-26 मूल्य 40.00

आठवां विश्व योग दिवस

योग ऊर्जा विश्व स्वास्थ्य को देगी दिशा - प्रधानमंत्री

स्वस्थ शरीर, प्रखर बुद्धि, सकारात्मकता और ऊर्जा प्रदान करता है योग – मुख्यमंत्री

भोपाल, योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रदेश की शालाओं में योग प्रशिक्षण प्रारंभ किया जाएगा। इसके लिए योग शिक्षकों की भर्ती भी की जाएगी। लोग घर पर सरल योग का अभ्यास निरंतर कर सकें इसके लिए भी आवश्यक व्यवस्था स्थापित की जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान, पतंजलि योग संस्थान, ईशा योग फाउंडेशन, आर्ट ऑफ लिविंग जैसी संस्थाओं से योग साधकों का सहयोग लिया जाएगा। मध्यप्रदेश में योग को बढ़ावा देने के लिये योग आयोग का गठन किया जायेगा। यह बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास में राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मानवता के लिए योग' की थीम पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम को कर्नाटक के मैसूर पैलेस से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि योग ऊर्जा विश्व स्वास्थ्य को दिशा देगी। भारतीय संस्कृति और अध्यात्म की परंपरा से निकला योग, आज वैश्विक सहयोग का आधार बन रहा है। यह मानव मात्र को निरोग बनाए रखने का साधन सिद्ध होगा। संपूर्ण विश्व द्वारा इतनी बड़ी कोरोना महामारी का सामना करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन मानव की जीवटता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि योग हम सब के लिए शांति का स्रोत है। यह व्यक्तिगत शांति, समाज के लिए शांति, देशों के लिए शांति और ब्रह्मांड के लिए शांति का माध्यम है। योग समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त करता है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में योग करते हुये।

हमारी कार्य क्षमता बढ़ाता है योग

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि योग से हमारी कार्य क्षमता बढ़ती है। यह आवश्यक है कि हम योग को अतिरिक्त कार्य के रूप में नहीं लें। इसे जीवन के अभिन्न रूप में अपनाएं, इससे योग स्वास्थ्य, सुख और शांति का उत्सव मनाने का माध्यम बन जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवा, योग के क्षेत्र में नए विचारों के साथ जुड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने केंद्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा आरंभ किए गए स्टार्टअप चैलेंज, इनोवेटिव डिजिटल एग्जीबिशन तथा अन्य नवाचारों की जानकारी भी दी।

प्रतिदिन करना चाहिये योग

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमें अपनी शारीरिक परिस्थिति और आवश्यकता के अनुरूप योग आसनों की सूची बनाकर प्रतिदिन 40 से 45 मिनिट योग अवश्य करना चाहिए। निरंतर योग और प्राणायाम के परिणामस्वरूप ही कोरोना उन्हें अधिक प्रभावित नहीं कर पाया। वे प्रतिदिन योग, प्राणायाम, ध्यान, गाय को रोटी देने के साथ तीन पेड़ अवश्य लगाते हैं। यह क्रम उन्हें ऊर्जा, आनंद और सकारात्मकता प्रदान करता है। श्री चौहान ने सभी को पौध-रोपण के लिए प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। आजादी के 75वें वर्ष में देश के 75 ऐतिहासिक स्थानों पर एक साथ योग के आयोजन से सांस्कृतिक ऊर्जा और चेतना का प्रस्फुटन होगा। दुनिया के अलग-अलग देशों में सूर्योदय और सूर्य की गति के साथ लोग योग से जुड़ रहे हैं। विभिन्न देशों में सूर्य की पहली किरण के साथ बड़ी संख्या में लोग योग कर रहे हैं। इस प्रकार संपूर्ण पृथ्वी के चारों ओर योग की रिंग बन रही है। यह 'कार्डिनल रिंग ऑफ योगा' है। यह प्रयास संपूर्ण विश्व को स्वास्थ्य संतुलन की अद्भुत प्रेरणा दे रहे हैं। योग अब 'वे ऑफ लाइफ' बन रहा है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि योग स्वस्थ रहने का सबसे सशक्त माध्यम है। जिसमें शारीरिक क्षमता नहीं है, वह आत्मा-परमात्मा कुछ प्राप्त नहीं कर सकता। योग से कार्य-क्षमता और कर्मठता की प्रवृत्ति में वृद्धि होती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी, बाबा रामदेव और सद्गुरु जग्गी वासुदेव इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। वे प्रतिदिन योग करते हैं और मानव कल्याण के लिए निरंतर सक्रिय रहते हैं। श्री चौहान ने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 1998 में हुई दुर्घटना में उन्हें आठ फ्रेक्चर हो गए थे। योग और प्राणायाम के अभ्यास से स्वास्थ्य लाभ हुआ और अभी भी वे निरंतर 18 घंटे बिना किसी समस्या और थकान के कार्य करने में सक्षम हैं। यह प्रतिदिन योग का ही परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने योग के आठ नियमों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से नियमित दिनचर्या, स्वास्थ्यवर्धक आहार और अच्छा आचरण तथा व्यवहार रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जंक फूड स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। हमें संतुलित आहार, भूख से थोड़ा कम भोजन लेने, ऋतु के अनुसार भोजन ग्रहण करने और शरीर के लिए हितकारी संतुलित तथा सात्विक आहार लेने की आदत को अपनाना होगा। यह सुखी और स्वस्थ जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों के लिए सक्षम बनें और लक्ष्य अर्जित करने में सफल हों, यह क्षमता प्राप्त करने के उद्देश्य से ही हम भोजन ग्रहण करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग शरीर, मन, बुद्धि और आस्था का समुच्चय है। योग आत्मा से परमात्मा को जोड़ता है। प्राणायाम श्वास-प्रश्वास की प्रक्रिया है, जिससे हम सांस पर नियंत्रण कर सांस को शरीर के लिए अधिक उपयोगी बना सकते हैं। कोरोना की दूसरी लहर में शुरू किया गया योग से निरोग कार्यक्रम कोरोना प्रभावितों के उपचार में सहायक सिद्ध हुआ है। श्री चौहान ने कहा कि प्रतिदिन योग करने के लिए अनुशासन और दृढ़-निश्चय आवश्यक है। प्रायः मन आलसी होता है और हम योग की निरंतरता को बनाए नहीं रख पाते। हमें इस ओर सजग रहकर अपने योग के क्रम को जारी रखना होगा।

खास खबर

पोल-डे कम्युनिकेशन के माध्यम से मतदान की जानकारी

भोपाल, सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नगरीय निकाय एवं पंचायत निर्वाचन-2022 के आईईएमएस के अतंर्गत 'पोल-डे कम्युनिकेशन' के माध्यम से हर दो घण्टे में मतदान की जानकारी दें। श्री सिंह ने कहा है कि मतदान दलों के रवाना होने, मतदान केंद्रों में मतदान दलों के पहुँचने, मॉकपोल (नगरीय निकायों में), मतदान प्रारम्भ, मतदान की समाप्ति और मतदान सामग्री जमा होने की जानकारी भी समय पर दें।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

सिंगल सिटीजन डेटाबेस

विद्यार्थियों को जाति और मूल निवासी प्रमाण-पत्र विद्यालय में ही प्राप्त हों

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंगल सिटीजन डेटाबेस पर निवास कार्यालय में समीक्षा करते हुये प्रदेश में ऐसी व्यवस्था स्थापित करने को कहा है, जिसमें मूल निवासी और जाति प्रमाण-पत्र एवं भूमि संबंधी अभिलेखों के लिए लोगों को शासकीय कार्यालयों के चक्कर न लगाना पड़ें। मुख्यमंत्री ने पात्र विद्यार्थियों को जाति और मूल निवासी प्रमाण-पत्र विद्यालय में ही दिये जाने को भी सुनिश्चित करने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी लोगों के आवश्यक दस्तावेजों को अपलोड करने के लिए ग्राम स्तर पर अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन प्रदेशवासियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त हुआ है और जो शेष रहे हैं, उनकी जानकारी एक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जाए। साथ ही अद्यतन तकनीक का उपयोग करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं, कमियों और हितग्राहियों की परेशानियों को चिन्हित करने की व्यवस्था भी विकसित करें।

बताया गया कि विभिन्न विभागों के डेटाबेस को समग्र में शामिल कर एकल नागरिक डेटाबेस का निर्माण करना सिंगल सिटीजन डेटाबेस का मूल उद्देश्य है। अभियान से समग्र में पंजीकृत नागरिकों का ई-केवायसी किया जाएगा। इससे एक समग्र सदस्य को प्राप्त विभिन्न योजनाओं के लाभ की जानकारी आसानी से प्राप्त होगी।

बैठक में बताया गया कि समग्र को सक्षम कर इससे विभिन्न विभागों की सेवाएं जैसे लाड़ली लक्ष्मी योजना का पंजीयन, जाति प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन आदि सेवायें दी जा सकेंगी। विभिन्न विभागों के डेटाबेस को समग्र में शामिल करने के उद्देश्य से समग्र में आधार संदर्भ संख्या, जाति एवं मूल निवासी प्रमाण-पत्र, भूमि संबंधी जानकारी का विवरण और कक्षा 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची को जोड़ा जा रहा है। अब तक लगभग 48 लाख जाति प्रमाण-पत्र की समग्र के साथ मैपिंग पूर्ण हो गई है।

बैठक में विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं में समग्र का उपयोग सुनिश्चित करने, विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए एकल फार्म बनाए जाने, एक स्तर के सक्षम अधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों की सेवाओं को प्रदान करने का अधिकार देने और विवाह प्रमाण-पत्र बनाने की संपूर्ण प्रक्रिया को समग्र पोर्टल पर विकसित करने पर विचार-विमर्श हुआ।

मुख्यमंत्री की केंद्रीय वित्त मंत्री से मुलाकात

पब्लिक एसेट मैनेजमेंट कम्पनी बनाने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से उनके कार्यालय में भेंटकर प्रदेश में परिसम्पत्ति प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री को बताया कि मध्यप्रदेश पहला ऐसा राज्य है, जिसने सार्वजनिक परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए पब्लिक एसेट मैनेजमेंट कम्पनी बनाई है। इसके प्रोत्साहनस्वरूप केंद्र शासन ने प्रदेश के लिए 1055 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि जारी की है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री को प्रोत्साहन राशि देने के लिए धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि यदि परिसम्पत्ति प्रबंधन शासकीय विभाग करता है तो उसे पूंजी लाभ कर नहीं लगता है। उन्होंने अनुरोध किया कि राज्य शासन की नीति में सार्वजनिक परिसम्पत्तियों के प्रबंधन के लिए बनाई गई स्पेशल पर्पज व्हीकल कम्पनियों को भी पूँजी लाभ कर की छूट प्रदान की जाये।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

18 जून

आधार को मतदाता सूची से जोड़ने की अधिसूचना जारी

● केंद्र सरकार ने आधार को मतदाता सूची से जोड़ने के लिये अधिसूचना जारी की है। इसके तहत आधार को मतदाता सूची से जोड़ने के अलावा मतदाता सूची को लैंगिक निष्पक्ष बनाने, युवा मतदाताओं को वर्ष में एक ही जगह चार बार मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने का मौका मिलेगा। केंद्रीय कानून मंत्री श्री किरेन रिजीजू ने बताया कि केंद्र सरकार ने निर्वाचन आयोग के परामर्श से अधिसूचना जारी की है। अब हर वर्ष एक जनवरी, एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा मतदाता पंजीकरण के लिये आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव संबंधी कानून को लैंगिक रूप से न्यूट्रल बनाये जाने के लिये निर्वाचन प्रावधानों में 'पत्नी' शब्द को हटाकर 'जीवन साथी' शब्द को शामिल किया जायेगा।

● अमेरिका में छह माह तक के बच्चों को कोरोना रोधी टीका लगाने की मंजूरी दे दी है। अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने छह महीने से पांच वर्ष तक के बच्चों के लिये फाइजर और मॉडर्ना की वैक्सीन के इस्तेमाल को मंजूरी दी है। अमेरिका में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की संख्या लगभग दो करोड़ है। एफडीए के इस फैसले से अमेरिका में उन लोगों को राहत मिली है, जो अपने नवजात बच्चों की कोरोना महामारी से सुरक्षा को लेकर चिंतित थे।

19 जून

देश के 20-25 शहरों में दिसम्बर तक शुरू होगी 5जी सेवा

● भारत में इस वर्ष के अंत (दिसम्बर) तक 20 से 25 शहरों और कस्बों में 5जी सेवा की शुरुआत हो जायेगी। यह जानकारी केंद्रीय दूरसंचार मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दी। श्री वैष्णव ने बताया कि 4जी और 5जी सेवाओं के लिये देश में विकसित प्रौद्योगिकी पर जोर है। 5जी सेवा की शुरुआत के साथ ही भारत में डाटा कीमतें दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले कम बनी रहेंगी। श्री वैष्णव ने कहा कि देश में 5जी की शुरुआत अगस्त-सितम्बर, 2022 से होगी। उन्होंने कहा कि विश्व के कई देश भारत द्वारा विकसित किये जा रहे 4जी और 5जी उत्पादों तथा तकनीक को प्राथमिकता देना चाहते हैं।

● श्रीलंका अगले महीने से भारत के लिये यात्री उड़ाने बहाल करेगा। श्रीलंका के नागरिक उड्डयन मंत्री निमल सिरिपाला डि सिल्वा ने बताया कि अगले महीने उत्तरी जाफना प्रायद्वीप से भारत के लिये उड़ानें बहाल की जायेंगी। उन्होंने कहा कि इस कदम से देश के पर्यटन उद्योग को बल मिलेगा, जिससे आर्थिक संकट को कम करने में मदद मिलेगी। उड्डयन मंत्री ने बताया कि श्रीलंका पर्यटन विकास प्राधिकरण इस वर्ष के अंत तक आठ लाख से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित करने की योजना पर काम कर रहा है।

20 जून

एनटीए ने सीयूईटी-पीजी आवेदन की तिथि आगे बढ़ाई

● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) में आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। एनटीए ने इस संबंध में एक नोटिस जारी कर कहा कि 42 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये सीयूईटी परीक्षा के आवेदन की अंतिम तिथि 18 जून से बढ़ाकर 4 जुलाई कर दी है। विद्यार्थी इस परीक्षा के लिये पांच जुलाई तक ऑनलाइन फीस जमा कर सकते हैं। एनटीए ने कहा कि उम्मीदवार छह से आठ जुलाई तक अपने आवेदन में सुधार भी कर सकते हैं।

● नाटो ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध कई वर्षों तक जारी रह सकता है। यह बात उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के प्रमुख जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने कही। उन्होंने कहा कि किसी को नहीं पता कि यह युद्ध कितना लंबा चल सकता है। हमें इसके वर्षों तक जारी रहने के हिसाब से तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि अगर देश के पूर्वी हिस्सा पर यूक्रेन का कब्जा बरकरार रखना है, तो सहयोगी देशों को यूक्रेन की मदद बनाये रखनी होगी। नाटो प्रमुख ने कहा कि यूक्रेनी सेना को हथियार देकर ही पूर्वी यूक्रेन का डोनेस्क और लुहांस्क इलाके को रूसी सेना के कब्जे से मुक्त कराया जा सकता है।

21 जून

पिनाका एमके-1 मिसाइल के एडवांस वर्जन का सफल परीक्षण

● भारतीय सेना ने जैसलमेर के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में पिनाका एमके-1 मिसाइल के एडवांस वर्जन का सफल परीक्षण किया। यह मिसाइल निशाना दागने के बाद भी अपनी दिशा बदलने में सक्षम है और टारगेट को सही तरीके से हिट कर सकती है। परीक्षण के दौरान पिनाका एमके-1 मिसाइल ने 45 किलोमीटर दूर लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार पिनाका एमके-1 मिसाइल से किसी वाहन, बंकर, बेड़े, तोप या किसी भी टारगेट पर सटीक निशाना लगाया जा सकता है। इससे पहले भारतीय सेना ने 9 अप्रैल 2022 को पिनाका मार्क-1 का सफल परीक्षण किया था।

● केंद्रीय श्रम और रोज़गार मंत्रालय ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का अस्थाई पेरोल डाटा जारी किया है। इस डाटा के अनुसार ईपीएफओ ने अप्रैल 2022 तक 17.08 लाख ग्राहक अपने साथ जोड़े हैं। इनमें से लगभग 9.23 लाख नये सदस्य पहली बार ईपीएफ और एमपी अधिनियम 1952 के सामाजिक सुरक्षा कवच के तहत आये हैं। वहीं लगभग 7.85 लाख सदस्य ईपीएफओ के अंतर्गत आने वाले प्रतिष्ठानों के भीतर अपनी नौकरी बदलकर फिर से ईपीएफओ से जुड़े हैं। श्रम मंत्रालय के अनुसार कोरोना महामारी नियंत्रण में आने और अर्थव्यवस्था खुलने के बाद से संगठित क्षेत्र में रोज़गार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं।

22 जून

केंद्र सरकार एसबीआई के साथ मिलकर बनायेगी एकीकृत पेंशन पोर्टल

● केंद्र सरकार पेंशनधारकों के जीवन को आसान बनाने के लिये एकीकृत पेंशन पोर्टल तैयार करेगी। केंद्र सरकार का पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) देश के सबसे बड़े सार्वजनिक बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ मिलकर इस पोर्टल को बनायेगा। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि पेंशनभोगियों को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के लिये डीओपीपीडब्ल्यू और एसबीआई के मौजूदा पोर्टलों को जोड़कर एक एकीकृत पेंशन पोर्टल के निर्माण के लिये तत्काल प्रयास की जरूरत है।

● जापान और चीन के बीच तनाव बढ़ सकता है। जापान ने दावा किया है कि रूस और चीन के कम से कम 20 युद्ध पोत कुछ दिनों से जापान और उसके द्वीपों के चारों ओर चक्कर काट रहे हैं। जापान की सेना ने कहा कि हम अपने देश के चारों तरफ लगातार चक्कर लगा रहे रूसी और चीनी युद्ध पोतों पर नजर बनाये हुये हैं। जापानी सेना के अनुसार चार चीनी तथा 16 रूसी युद्ध पोतों ने जापान को घेरा हुआ है। उल्लेखनीय है कि चीन और रूस के युद्ध पोतों के संयुक्त बेड़े ने पिछले वर्ष भी जापान के चारों ओर गश्त लगाया था।

23 जून

सीयूईटी-यूजी परीक्षा 15 जुलाई से होगी शुरू

● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये आयोजित होने वाली संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी-यूजी) की परीक्षा तारीखों का ऐलान किया है। सीयूईटी-यूजी एग्जाम शेड्यूल के अनुसार सीयूईटी-यूजी परीक्षा 15, 16, 19 और 20 जुलाई तथा 4, 5, 6, 7, 8 और 10 अगस्त, 2022 को आयोजित की जायेगी। अभ्यर्थी एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट cuet.samarth.ac.in पर जाकर कोर्स वाइज शेड्यूल डाउनलोड कर सकते हैं।

● भारत ने यूक्रेन-रूस के मुद्दे पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि हिंसा को बढ़ावा देना शांति, सहिष्णुता और सद्भाव की भावना के खिलाफ है। संवैधानिक दायरे के भीतर विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का वैध प्रयोग लोकतंत्र को मजबूत करने और असहिष्णुता का मुकाबला करने में सकारात्मक भूमिका निभाता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि श्री आर. रवीन्द्र ने कहा कि भारत का मानना है कि आतंकवाद सभी धर्मों और संस्कृति का विरोधी है।

24 जून

इसरो ने संचार उपग्रह जी सैट-24 को सफलतापूर्वक किया लॉन्च

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी कमर्शियल ब्रांच न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के लिये बनाये गये संचार उपग्रह जी सैट-24 को फ्रेंच गुयाना के कोउरू से सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। इस उपग्रह को फ्रांसिसी कंपनी एरियन स्पेस ने अंतरिक्ष में स्थापित किया है। जी सैट-24 का वजन 4180 किलोग्राम है, जो डीटीएच अनुप्रयोग की जरूरत को पूरा करेगा। भारत सरकार ने अंतरिक्ष विभाग को जून 2020 में अंतरिक्ष सुधारों के तहत एनएसआईएल को मांग आधारित मॉडल पर उपग्रह मिशन शुरू करने की जिम्मेदारी दी गई थी। एनएसआईएल के पास उपग्रहों के निर्माण, प्रक्षेपण, स्वामित्व, संचालन और अपने ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करने की जिम्मेदारी है।

● यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद अमेरिका की अगुवाई में पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस ने प्राकृतिक गैस की सप्लाई की कटौती कर यूरोपीय देशों के लिये मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश जर्मनी ने प्राकृतिक गैस कटौती को लेकर देश में आपात स्थिति का दूसरा स्तर घोषित कर दिया है। जर्मनी ने कहा कि प्राकृतिक गैस के इस्तेमाल में किफायत करने वाले कदम उठाये जायेंगे और जरूरत पड़ी तो गैस की राशनिंग भी की जा सकती है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

R-47201/2022

वर्ष 39, अंक 26 27.06.2022 से 03.07.2022

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● आकल्पन - आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

सिकल सेल रोग के उन्मूलन में ठोस कार्ययोजना का हो रहा है क्रियान्वयन

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मांडविया विश्व सिकल सेल एनीमिया जागरूकता दिवस पर जबलपुर में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी डिजाइनिंग एंड मेन्यूफैक्चरिंग (ट्रिपल आईटीडीएम) में सिकल सेल रोग के समग्र प्रबंधन पर कार्यशाला में शामिल हुये। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल एक गंभीर आनुवांशिक बीमारी है, यह मानवता के लिये चुनौती है। समय पर पहचान होने पर बीमारी का उपचार किया जा सकता है और पीड़ित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। सिकल सेल के लक्षण सिर्फ जनजातीय समुदाय में ही नहीं अन्य समुदायों में भी दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें सिकल सेल के समग्र उन्मूलन के लिये ठोस कार्ययोजना पर कार्य कर रही हैं। प्रदेश के जनजातीय बहुल 14 जिलों में इसकी रोकथाम और बचाव का अभियान चलाया जा रहा है। बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य, विवाह और पुनर्वास सहायता पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिकल सेल रोग की पहचान के लिये स्क्रीनिंग और टेस्टिंग तेजी से करें, जो अगले 6 माह में पूरी हो जाये। व्यापक प्रचार-प्रसार करें और जनजागरूकता लायें। जिससे समय पर सिकल सेल का उपचार किया जा सके। बेहतर जीवन जीने के लिये योग और आयुर्वेद का सहारा भी लिया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोविड महामारी को सामाजिक सहभागिता से नियंत्रित किया गया है। ठीक इसी प्रकार सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन में भी जन सहयोग से सफलता मिलेगी। सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिये प्रदेश के सभी जिलों में जनभागीदारी से जनजागरूकता अभियान चलाया जायेगा। जगह-जगह नुक्कड़ नाटक, गीत आदि प्रचार-प्रसार के तरीकों से जागरूकता लायी जायेगी। रोग की पहचान के लिये स्क्रीनिंग में भी तेजी लायी जायेगी और इसके लिये आवश्यक संसाधन बढ़ाये जायेंगे। कोविड महामारी में घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की गई। इसी प्रकार की कार्ययोजना सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम और बचाव के लिये भी क्रियान्वित की जायेगी। उन्होंने कहा कि योग आयुर्वेद और जनसहयोग से सिकल सेल की रोकथाम के प्रभावी कार्य होंगे। जनसहयोग के साथ राज्य और जिला स्तर पर टास्क फोर्स का गठन किया जायेगा। टास्क फोर्स द्वारा सिकल सेल उन्मूलन के लिये कार्य करने के इच्छुक नागरिकों का सहयोग लिया जायेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने कहा कि सिकल सेल उन्मूलन के लिये यह महत्वपूर्ण कार्यशाला है। सिकल सेल बीमारी पीढ़ी दर पीढ़ी चलती है। इसकी रोकथाम के लिये दीर्घ कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है। सिकल सेल, टीबी, मलेरिया और थैलेसीमिया आदि रोगों के उपचार के लिये बड़े स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों में समुदाय की भागीदारी ली जा रही है। समाज और सरकार जब मिलकर कार्य करते हैं, तो सफलता अवश्य मिलती है।

शोर-शराबा बच्चों का बौद्धिक विकास प्रभावित कर सकता है

आज के जीवन में हमारे चारों तरफ अनेक तरह के प्रदूषण हैं, इनमें वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और अन्य कई तरह के प्रदूषण शामिल हैं। शोर-शराबे के बच्चों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर स्पेन में एक अध्ययन किया गया है। इस शोध में चौंकाने वाले खुलासे किये गये हैं। शोध में कहा गया कि सड़कों पर बढ़ता शोर-शराबा बच्चों के बौद्धिक विकास को प्रभावित करता है। साथ ही उनकी याददाश्त और एकाग्र करने की क्षमता को भी प्रभावित करता है। बार्सिलोना इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के शोधकर्ताओं ने स्पेन के 38 स्कूलों के करीब 2700 बच्चों पर अध्ययन किया। इन बच्चों की उम्र 7 से 10 वर्ष के बीच थी। शोधकर्ताओं ने बताया, यातायात के कारण होने वाले शोर का बच्चों के बौद्धिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसके आकलन के लिये उनकी टीम ने याददाश्त और एकाग्र करने की क्षमता पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। शोधकर्ताओं ने कहा किशोरावस्था के दौरान तेजी से विकसित होती है। बच्चों के सीखने और पढ़ने के लिये इस अध्ययन के दौरान करीब 12 महीनों तक बच्चों की निगरानी की गई। अध्ययन का उद्देश्य न केवल उनकी वर्किंग मेमोरी और एकाग्र करने की क्षमता का आकलन करना था, बल्कि समय के साथ उसके विकास को भी समझना था। अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने स्कूल के भीतर कक्षा में, खेल के मैदान में और स्कूल के सामने होने वाले शोर को मापा था। अध्ययन की प्रमुख लेखिका मारिया फोस्टर का कहना है कि कक्षा के अंदर भारी शोर, औसत डेसीबल स्तर की तुलना में बच्चों के न्यूरो डेवलपमेंट के लिये कहीं ज्यादा नुकसानदेह हो सकता है। उन्होंने कहा कि बचपन अत्यन्त संवेदनशील होता है और इस दौरान बाहरी उत्तेजना जैसे शोर-शराबा किशोरावस्था से पहले होने वाले संज्ञात्मक विकास की तीव्र प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं, जो बच्चों के लिये बेहद नुकसानदेह है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस 23 जून

बेहतर कल को गढ़ने के लिए मिलकर करना होगा काम

"साहस सभी गुणों में सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि बिना साहस के आप किसी और गुण का निरंतरता के साथ अभ्यास नहीं कर सकते।" मशहूर अमेरिकी साहित्यकार और सामाजिक कार्यकर्ता माया एंजिलो का यह कथन जीवन में हर उस व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण है, जो अपने जीवन में कुछ विशेष करना चाहते हैं। जब बात लोक सेवा की हो तो हमारे सामने पहली तस्वीर उन कर्मचारियों, अधिकारियों, डॉक्टर से लेकर स्वास्थ्यकर्मी, शासकीय शिक्षक, निर्माण कार्य से लेकर शहर-गांव को स्वच्छ बनाने के लिए काम कर रहे कर्मचारी की आती है, जो समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। अलग-अलग तरह से समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देने वाले इन लोगों को यदि एक शब्द में परिभाषित किया जाए तो इन्हें लोक सेवक कहते हैं।

लोक सेवाएं सरकारी सेवाएं हैं। राज्य द्वारा नियोजित वे सभी कार्मिक जो जनता के हित के लिए कार्य करने में लगे हैं 'लोक सेवा' के सदस्य होते हैं। लेकिन इसमें सैनिक कार्यों में लगे राज्य के कार्मिक शामिल नहीं हैं। इससे राज्य की सेवाओं के दो भाग प्रकट होते हैं- सैनिक शाखा और असैनिक शाखा। लोक सेवा का संबंध असैनिक शाखा से है। इन लोक सेवकों के कार्य को सम्मान और पहचान देने के लिए प्रति वर्ष 23 जून को संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य समुदाय के लिए सार्वजनिक सेवा के मूल्य और गुण को पहचानना और विकास प्रक्रिया में लोक सेवा के योगदान के बारे में बताना है। यह दिन शासकीय सेवकों के द्वारा किए जाने वाले कार्य और प्रयास को पहचान दिलाता है तथा युवाओं को लोक सेवा के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए प्रेरित भी करता है। लोक सेवा से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के कामकाज और प्रतिष्ठा से प्रभावित होकर प्रति वर्ष लाखों युवा राज्य और संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षा में अपना भाग्य आजमाते हैं। इसमें बड़ी तादाद में वह युवा भी शामिल होते हैं, जो लाखों के पैकेज की नौकरियां छोड़कर सिविल सेवा में आते हैं।

संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस का इतिहास

संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस विकास प्रक्रिया में सार्वजनिक सेवा के योगदान पर प्रकाश डालने, लोक सेवकों के काम को पहचानने, और युवाओं को सार्वजनिक क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मनाते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 20 दिसंबर, 2002 को प्रस्ताव पारित करके प्रति वर्ष 23 जून को संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस के रूप मनाए जाने की घोषणा की थी। विश्वभर में सभी शासकीय कर्मचारियों के अमूल्य योगदान को चिह्नित करने और एक बेहतर दुनिया बनाने के प्रशासकीय प्रयास के लिए पहली बार 23 जून को मनाया गया था। इस दिन को दुनियाभर में विभिन्न सार्वजनिक सेवा संगठनों और विभागों द्वारा बड़े स्तर पर मनाया जाता है, ताकि समुदाय में विकास और सुधार करने में लोक सेवकों की भूमिका को पहचानने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद की ओर से लोक सेवा दिवस पर लोक सेवा की भूमिका, सम्मान बढ़ाने के लिए किए गए कार्यों के लिए संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा पुरस्कार यानी यूएनएसपीए प्रदान किए जाते हैं, इसकी शुरुआत 2003 में की गई थी। इन्हें वर्ष 2016 में सतत् विकास लक्ष्य 2030 के साथ जोड़ दिया गया। इस दिन अंतर्राष्ट्रीय

श्रम संगठन ने श्रम संबंधों पर कन्वेंशन (लोक सेवा), 1978 (नंबर 151) को अपनाया था। यह कन्वेंशन दुनियाभर में सभी सिविल सेवकों की कामकाजी परिस्थितियों को निर्धारित करने के लिए एक रूपरेखा का निर्माण करता है। कार्यक्रम में भविष्य की सार्वजनिक सेवा को एक नए युग के लिए बेहतर तरीके से कैसे तैयार किया जाए इस पर भी चर्चा की गई, जिससे कि 2030 के सतत् विकास लक्ष्यों तक पहुंचा जा सके।

वर्ष 2022 की थीम कोरोना के सबक के संग लक्ष्य की ओर बढें

हर वर्ष संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष इसकी थीम Building back better from COVID-19: Enhancing innovative partnerships to meet the Sustainable Development Goals अर्थात् कोविड-19 से बेहतर तरीके से निर्माण करना : सतत् विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए नवीन साझेदारी को बढ़ाना है। यह विषय इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2 साल पहले पूरी दुनिया में एक ऐसी महामारी आई, जिसने हमारी सारी जिंदगी को ही बदल दिया। हर व्यक्ति की सांसों की संघर्ष की इस घड़ी में लोक सेवकों ने अपना सर्वस्व समर्पित किया। इसमें बड़ी संख्या में लोक सेवकों ने भी अपने कर्तव्यपथ पर अपने प्राणों की आहुति दी। इसके बाद अब जब स्थिति सामान्य हुई है, तो हम सभी को मिलकर वापस देश-दुनिया समाज को बेहतर बनाने में अपना योगदान देना है। सार्वजनिक संस्थानों की प्रभावशीलता, पारदर्शिता, जवाबदेही को बढ़ाना है। नए नवाचारों के माध्यम से लोक सेवा को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस से संबंधित प्रमुख तथ्य

- संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस का उद्देश्य समुदाय के लोक सेवा के मूल्य और अच्छे कार्यों की सराहना करना है।
- यह विकास प्रक्रिया में सार्वजनिक सेवा के योगदान और सरकारी कर्मचारियों के कार्य को प्रदर्शित करता है।
- यह दिवस युवाओं को लोक सेवा क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- संयुक्त राष्ट्र इस दिन संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा अवॉर्ड प्रदान करता है। संयुक्त राष्ट्र प्रति वर्ष अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों को इस पुरस्कार से सम्मानित करता है। यह पुरस्कार लोक सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है।

कोरोनाकाल और डिजिटल लोक सेवा

कोरोना के मुश्किल दौर में जब जिंदगी की रफ्तार रुक गई है। ऐसे समय में कोरोना कर्मवीरों के लिए डिजिटल क्रांति ने जिंदगी को आसान बनाने में अपनी अविस्मरणीय भूमिका निभाई है। लॉकडाउन होने के बाद किराना, मेडिकल से लेकर जरूरी सामान सिर्फ एक फोन कॉल, वॉट्सएप के माध्यम से घर पहुंच जाता है और पेमेंट भी आसानी से हो जाती है। यह तो हुई सिर्फ छोटे स्तर की बात यदि हम व्यापक तौर पर करें तो शासकीय कामकाज को आसान बनाने में भी इस समय डिजिटल तकनीक अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऑफिसों के बंद होने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मीटिंग और महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं, विश्वविद्यालयों में वेबिनार और कॉन्फ्रेंस डिजिटल तकनीक की मदद से आयोजित की जा रही हैं। शासन द्वारा समय-समय पर लिए जा रहे निर्णय भी डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जनता तक पहुंचाए जाते हैं। इस संकट के दौर में सरकारों पर प्रशासनिक व्यवस्था को चलाने और जनता को जरूरी सेवाएं देने की बड़ी चुनौती है। इस चुनौती से निपटने के लिए कई तकनीकी कंपनियां व्यवस्था परिवर्तन के सकारात्मक विकल्प देने में सक्षम होंगी, क्योंकि ये कंपनियां अपने लिए नए क्षेत्र विकसित करने का प्रयास कर रही हैं इनमें से कई विषय तो अब हमेशा ऑनलाइन ही प्रतिपादित किए जाएंगे। मिसाल के रूप में, इस महामारी के दौर में वीडियो कॉन्फ्रेंस की तकनीक बहुत बड़ी मददगार बनकर उभरी है, जो सरकारों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए अपना काम संपादित करने में अहम् भूमिका निभा रही है और आगे चलकर तमाम देशों की सरकारें ऐसे डिजिटल औजारों का उपयोग बढ़ाएंगी, जिनकी मदद से वो स्वास्थ्य संबंधी निगरानी कर सकेंगी।

संसदीय शासन प्रणाली में लोक सेवा

संसदीय शासन व्यवस्था में प्रशासनिक नीतियों का निर्धारण विधायिका यानी मंत्रियों द्वारा किया जाता है परंतु देश का प्रशासन लोक सेवा अधिकारियों के एक बड़े समूह द्वारा चलाया जाता है। दूसरे शब्दों में, अधिकारी ही स्थायी कार्यपालिका बनाते हैं जबकि मंत्री राजनीतिक कार्यपालिका बनाते हैं। राजनीतिक कार्यपालिका विधान मंडल में बहुमत दल द्वारा चुनी जाती है और जैसे ही उस दल का सदन में बहुमत समाप्त हो जाता है, वह अपना पद त्याग देती है। दूसरी ओर, लोक सेवा के अधिकारी अनिवार्य रूप से राजनीति के प्रति तटस्थ रहते हैं तथा प्रशासन में निरंतरता बनाए रखते हैं। यही कारण है कि इन अधिकारियों को स्थायी कार्यपालिका का निर्माता कहा जाता है और इसी प्रकार उन्हें कार्य करने में दक्षता प्राप्त होती है। लोक सेवा अधिकारी सरकारी कामकाज के विशेषज्ञ होते हैं तथा विभिन्न प्रशासनिक विभागों के ब्योरे तथा तथ्यों के संबंध में गहन जानकारी रखते हैं। अतः संसदीय लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को व्यवस्थित ढंग से चलाने के लिए कुशल लोक सेवा अधिकारियों के समूह की आवश्यकता होती है जिनकी भूमिका विधि निर्माण से कार्यान्वयन तक अति महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि लोक सेवा आयोगों को लोकतंत्र का संरक्षक भी कहा जाता है।

ओडिशा की सार्वजनिक परिवहन सेवा को संयुक्त राष्ट्र पुरस्कार

कोविड-19 की संकट की घड़ी में देश-दुनिया में किए गए नवाचारों और बेहतर कार्यों के लिए प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र पुरस्कार भी दिए गए हैं। इसमें हमारे देश से ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में संचालित सार्वजनिक परिवहन सेवा भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग द्वारा आयोजित एक डिजिटल समारोह में ब्राजील, कनाडा, भारत, आयरलैंड, पनामा, फिलीपींस, पोलैंड, सऊदी अरब, थाईलैंड और यूक्रेन की दस पहलों को प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सर्जना चतुर्वेदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट
(शासन द्वारा मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान)

नगरीय निकायों के शिक्षण प्रशिक्षण में गौरवशाली 96 वर्ष

प्रवेश सूचना

स्वच्छता निरीक्षक डिप्लोमा कोर्स

सत्र : जून 2022 से मई 2023

अवधि- 1 वर्ष, योग्यता - हायर सेकेण्डरी उत्तीर्ण, माध्यम - हिंदी / अंग्रेजी

सफल उम्मीदवारों हेतु सार्वजनिक व निजी क्षेत्रों के विभागों जैसे- नगर निगम, स्वास्थ्य, रेलवे, छावनी परिषद, विमानपत्तन, बहुउद्देशीय कंपनियों में रोजगार के अवसरों की संभावना.

शासकीय कर्मचारियों के लिये हॉलिडे बैच की सुविधा

लोकल सेल्फ गवर्नमेंट डिप्लोमा (पत्राचार) LSGD(DLP)

नगरीय निकायों में राजस्व निरीक्षक पद के लिये अनिवार्य योग्यता

अवधि- 1 वर्ष, योग्यता - हायर सेकेण्डरी उत्तीर्ण, माध्यम - हिंदी / अंग्रेजी

प्रवेश एवं अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :
तृतीय मंजिल, महाराजा कॉम्पलेक्स, कोठारी मार्केट के पास, इन्दौर
Ph.: 0731-2540101, 9826078003, 7000990616, 9522669922
E-mail : indore@aiilsg.org Website: www.aiilsg.org

R-47200/2022

मान (मेयो) कॉलेज आफ फिजियोथेरेपी
सुल्तानिया रोड, स्टेट बैंक चौराहे के पास, भोपाल–462001
इन्द्र विहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड़, भोपाल–462032
Tel. No. 9425010770, 9425605962

म.प्र. पैरामेडिकल काउंसिल, म.प्र. मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर, एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता प्राप्त

प्रवेश सत्र 2021-22

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि
1.	बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बी.पी.टी.) 6 माह इंटर्नशिप	4½ वर्ष

योग्यता 12वीं जीव विज्ञान विषय से। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछडे वर्ग के छात्रों के लिये शासन अनुसार छात्रवृत्ति की सुविधा।

संचालक

LAKECITY

R-47202/2022

मान (मेयो) कॉलेज ऑफ नर्सिंग
सुल्तानिया रोड, स्टेट बैंक चौराहे के पास, भोपाल–462001
इन्द्र विहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड़, भोपाल–462032
Tel. No. 9425010770, 9425605962

इंडियन नर्सिंग कांउसिल, नई दिल्ली, मध्य प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल, भोपाल, म.प्र. मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता प्राप्त

प्रवेश सत्र 2022-23

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि
1.	मास्टर ऑफ नर्सिंग (एम.एस.सी नर्सिंग)– योग्यता बी.एस.सी. नर्सिंग	2 वर्ष
2.	पोस्ट बैसिक बी.एस.सी नर्सिंग–योग्यता जी.एन.एम.	2 वर्ष

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछडे वर्ग के छात्रों के लिये शासन अनुसार छात्रवृत्ति की सुविधा। छात्राओं के लिए उत्तम भोजन युक्त छात्रावास की विशेष सुविधा उपलब्ध है।

संचालक

LAKECITY

R-47203/2022

वर्षा ऋतु में सड़क संधारण के लिये अधिकारियों का प्रशिक्षण

भोपाल, लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्षा ऋतु में भोपाल शहरी क्षेत्र की सड़कों के संधारण के लिये अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण निर्माण भवन में किया गया। मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग श्री संजय मस्के ने बताया कि शहरी सड़कों के वर्षा ऋतु में संधारण के लिये विशेष कार्य-योजना तैयार की गई है। इसमें सभी क्षतिग्रस्त सड़क, पुल-पुलियों का चिन्हांकन भी किया जा चुका है।

श्री मस्के ने कहा कि विभाग के कार्यपालन यंत्री से लेकर उप यंत्रियों तक को सड़क के रख-रखाव की जिम्मेदारी दी गई है। सभी इंजीनियर्स का दायित्व है कि वर्षा ऋतु में यदि सड़क में गड्ढे होते हैं, तो उसे तत्काल ठीक करवायें। परफार्मेंस गारंटी में जो सड़कें हैं, उन्हें तत्काल रिपेयर करने के लिये संबंधित ठेकेदारों को अपने हॉटमिक्स प्लांट को तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार जिन सड़कों में बड़े गड्ढे हुए एवं जिन्हें लगातार वर्षा के कारण ठीक करना संभव नहीं हो पा रहा हो, उन सड़कों पर बैरीकेट्स या सावधानी बोर्ड तत्काल लगाया जाये, ताकि कोई भी दुर्घटना न हो।

राज्य स्तरीय एमसीएमसी की बैठक सम्पन्न

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयोग में राज्य स्तरीय मीडिया प्रमाणीकरण एवं अनुवीक्षण समिति (एमसीएमसी) की बैठक हुई। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग और राज्य स्तरीय एमसीएमसी के अध्यक्ष श्री राकेश सिंह ने बताया कि पेड न्यूज के संबंध में जिला स्तरीय एमसीएमसी द्वारा कार्यवाही की जा रही है। राज्य स्तरीय एमसीएमसी के संज्ञान में कोई भी प्रकरण आने पर उस पर त्वरित कार्यवाही की जायेगी। अवर सचिव श्री प्रदीप शुक्ला ने एमसीएमसी के कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी। उप सचिव श्री अरुण परमार, एमसीएमसी के सदस्य श्री विजयदत्त श्रीधर, श्री गिरीश उपाध्याय, श्री राजेश जैन और श्री अतुल खरे संयुक्त संचालक जनसंपर्क उपस्थित थे।

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

संशोधित निविदा सूचना क्रमांक - 909/2022-23/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 20.06.2022

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। **निविदा प्रपत्र दिनांक 08.07.2022 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।**

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_206809	एस.डी.एम.एफ. मद अंतर्गत जनकपूरा, बूरानाखेड़ी एवं गढ़ी तालाबों का विशेष मरम्मत कार्य।	इन्दौर	37.47
2.	2022_WRD_206810	मुरूमनाला जलाशय की मुख्य नहर की आर.डी. 2430 मी. पर पुलिया को तोड़कर नवीन पुलिया का निर्माण कार्य।	बालाघाट	28.21
3.	2022_WRD_206818	एस.डी.एम.एफ. मद अंतर्गत बसई वितरिका एवं उसकी सब माइनर्स का मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कार्य।	शिवपुरी	297.52
4.	2022_WRD_206831	कनेरी लाल ग्रुवाडी से कनेरी तालाब तक सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण एवं 4 नम्बर पाइप पुलिया का निर्माण कार्य।	रतलाम	89.81
5.	2022_WRD_206839	टर्न की पद्धति पर :- हरपुरा लिंक नहर का नवीनीकरण एवं रखरखाव का कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	टीकमगढ़	998.81
6.	2022_WRD_209905	भाम बांध परियोजना की विद्युत आपूर्ति हेतु 02 नग, 200 के.व्ही.ए. 33 के.व्ही./0.43 ट्रांसफार्मर एच.टी. यार्ड सहित के स्थापना का कार्य।	धार	44.66
7.	2022_WRD_209906	बरखेड़ा बांध परियोजना की विद्युत आपूर्ति हेतु 02 नग, 200 के.व्ही.ए. 33 के.व्ही./0.43 ट्रांसफार्मर एच.टी. यार्ड सहित के स्थापना का कार्य।	धार	45.85
8.	2022_WRD_209907	बरखेड़ा मध्यम सिंचाई परियोजना के रेडियल गेट के संचालन हेतु 02 नग, 125 के.व्ही.ए. डीजल जनरेटर सेट के प्रदाय एवं स्थापना का कार्य।	धार	21.99
9.	2022_WRD_209908	भाम मध्यम परियोजना के बाह्य विद्युतीकरण का कार्य।	धार	60.28

जी-13902/47197/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कौशल विकास संचालनालय (म.प्र.)
(मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोज़गार निर्माण बोर्ड)
विज्ञप्ति
(ITI में प्रवेश वर्ष 2022 के रजिस्ट्रेशन एवं च्वाईस फिलिंग दिनांक 30.06.2022 तक)

आवेदक एमपी ऑनलाइन के द्वारा दिनांक 30.06.2022 तक

- रजिस्ट्रेशन
- रजिस्ट्रेशन में त्रुटि सुधार
- इच्छित संस्थाओं में प्राथमिकता के क्रम में **दिनांक 15.06.2022 से 30.06.2022 तक** त्रुटि सुधार कर सकते हैं।
- सीबीएसई बोर्ड के आवेदक परीक्षा के अंतर्गत दसवीं कक्षा के प्रथम टर्म के प्राप्तांकों के आधार पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया में प्राविधिक प्रवेश के लिए सम्मिलित हो सकेंगे।
- जिन आवेदकों ने रजिस्ट्रेशन के दौरान ऑफलाइन जाति प्रमाणपत्र अपलोड किये हैं, वे डीजिटल जाति प्रमाण पत्र हेतु कार्यवाही पूर्ण कर आवेदन में संशोधन कर लेवें।
- इंजीनियरिंग व्यवसायों में प्रवेश हेतु माध्यमिक शिक्षा मण्डल बोर्ड से गणित/विज्ञान सहित दसवीं उत्तीर्ण (बेस्ट ऑफ फाइव) आवेदक पोर्टल पर संशोधन कर सकेंगे।

संचालक

जी-13981/47205/2022 **कौशल विकास (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग देवास (म.प्र.)

Website : www.mppwd.gov.in, E-mail : eepwddewas@nic.in, eepwddewas@gmail.com
Phone No. 07272-220397, 07272-220585

निविदा सूचना क्र. 09/2022-23/एस.एस.सी./2334 **देवास, दिनांक : 15.06.2022**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	जिला	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	कार्य की समयावधि
1.	देवास	2022_PWDRB_210211	पाडल्या पहुंच मार्ग कि.मी. 1 एवं 2 कुल लंबाई 2.00 कि.मी. में ठेकेदार की परफारमेंस ग्यारंटी की राशि से मार्ग का कार्य - द्वितीय आमंत्रण	17.86	4 माह वर्षाकाल सहित
2.	देवास	2022_PWDRB_210212	देवास संभाग अंतर्गत आने वाले मार्गों पर ठेकेदार की परफारमेंस ग्यारंटी के अंतर्गत मार्ग का मरम्मत कार्य।	15.00	8 माह वर्षाकाल सहित
3.	देवास	2022_PWDRB_210213	उपसंभाग देवास अंतर्गत आने वाले मार्गों पर पुलिया मरम्मत का कार्य।	15.00	4 माह वर्षाकाल सहित
4.	देवास	2022_PWDRB_210214	उपसंभाग सोनकच्छ अंतर्गत आने वाले मार्गों पर पुलिया मरम्मत का कार्य।	15.00	4 माह वर्षाकाल सहित
5.	देवास	2022_PWDRB_210215	उपसंभाग बागली अंतर्गत आने वाले मार्गों पर पुलिया मरम्मत का कार्य।	15.00	4 माह वर्षाकाल सहित
6.	देवास	2022_PWDRB_210216	उपसंभाग कन्नौद अंतर्गत आने वाले मार्गों पर पुलिया मरम्मत का कार्य।	15.00	4 माह वर्षाकाल सहित
7.	देवास	2022_PWDRB_210217	उपसंभाग देवास अंतर्गत क्षिप्रा सुकल्या मार्ग लम्बाई 0.80 किमी. में बी.टी. रिन्यूअल का कार्य।	19.80	3 माह वर्षाकाल छोड़कर
8.	देवास	2022_PWDRB_210219	उपसंभाग बागली अंतर्गत उदयनगर सेक्शन में आने वाले मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य।	10.00	3 माह वर्षाकाल सहित
			योग	**122.66**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन बिड सबमिशन की **अंतिम दिनांक 07.07.2022 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-13984/47204/2022 **लोक निर्माण विभाग, संभाग देवास**

लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश, गौतम नगर, भोपाल-462021

दूरभाष क्रमांक - 0755-2583650, फैक्स - 0755-2583651, ई-मेल आई.डी. - phyedu.dpi@gmail.com

क्रमांक-शा.शि./सी/156/सीहोर/प्रवेश/2022-23/427 **भोपाल, दिनांक : 20.06.2022**

शासकीय आवासीय खेलकूद विद्यालय सीहोर, मध्यप्रदेश में वर्ष 2022-23 के लिए कक्षा 9वीं से 12वीं तक (केवल बालकों के लिए) प्रवेश हेतु (विज्ञप्ति)

लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के अधीनस्थ संचालित शासकीय आवासीय खेलकूद विद्यालय सीहोर में शिक्षा सत्र 2022-23 में कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के अभ्यार्थियों के प्रवेश हेतु चयन परीक्षा में आंशिक संशोधन करते हुए चयन परीक्षा दिनांक 19.07.2022 से 22.07.2022 तक निर्धारित की गई है।

जी-13908/47196/2022 **अपर संचालक, लोक शिक्षण, मध्यप्रदेश**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
म.प्र. लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) सीधी संभाग सीधी

Website - www.mppwd.gov.in/pwdmp, Email - eepwdsidhi@mp.nic.in

नि.सू.क्र. 05/2022-23 सीधी, दिनांक : 20.06.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधनों सहित के आधार पर, प्रपत्र - 'अ' में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हों, से आमंत्रित की जाती है :-

ग्रुप क्र.	टेंडर आई.डी.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	1. अमानत राशि 2. नि. प्रपत्र का मूल्य	1. निविदा आमंत्रण क्रमांक 2. कार्यावधि
1.	2022_PWDRB_207326	उपसंभाग चुरहट अंतर्गत टीकट झझौआ मार्ग, लं. 7.56 कि.मी., टीकर बड़ागांव मार्ग, लं. 4.30 कि.मी., तरिहा ग्राम पहुंच मार्ग, लं. 4.70 कि.मी., कोष्टा घुघुरी मार्ग, लं. 1.48 कि.मी., मुख्य मार्ग से भितरी डांडी टोला मार्ग, लं. 3.10 कि.मी., लेहेचुआ आदिवासी बस्ती मार्ग, लं. 1/2 से 2/10, लं. 2.00 कि.मी. भरपुर शिकारगंज मार्ग कि.मी. 4/2 से 6/10, लं. 3.00 किमी. लेहेचुआ शिकारगंज चमराडोल मार्ग कि.मी., 1/2 से 3/10, लं. 3.00 कि.मी. एवं भितरी डिठौरा मार्ग, लं. 5.40 कि.मी., कुल लं. 34.54 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य। लो.नि.वि., सड़क एस.ओ.आर. 25.03.2022	294.85	1. 294850 2. 15000	1. छठवां आमंत्रण 2. 04 माह
2.	2022_PWDRB_207327	उपसंभाग चुरहट के उपखण्ड चुरहट अंतर्गत चुरहट अमिलिया मार्ग, कि.मी. 1/2 से 13/10, लं. 13.00 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य। लो.नि.वि. सड़क एस.ओ.आर. 25.03.2022	100.75	1. 100750 2. 12500	1. नौवा आमंत्रण 2. 04 माह
3.	2022_PWDRB_207328	उपसंभाग मझौली के उपखण्ड पथरौला अंतर्गत तिलवारी-हर्दी-जनकपुर (प्रस्तावित राज्य मार्ग) मार्ग के कि.मी. 12/6 से 43/6 लम्बाई 31.10 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य। लो.नि.वि. सड़क, एस.ओ.आर. 25.03.2022	396.20	1. 396200 2. 15000	1. प्रथम आमंत्रण 2. 04 माह
4.	2022_PWDRB_207329	उपसंभाग मझौली के उपखण्ड पथरौला अंतर्गत तिलवारी-हर्दी-जनकपुर (प्रस्तावित राज्य मार्ग) मार्ग के कि.मी. 43/6 से 53/6 लम्बाई 10.00 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य। लो.नि.वि. सड़क एस.ओ.आर. 25.03.2022	127.40	1. 127400 2. 12500	1. प्रथम आमंत्रण 2. 03 माह
5.	2022_PWDRB_207330	उपसंभाग मझौली के उपखण्ड मझौली अंतर्गत माड़ा मझौली (मु.जि.मा.) मार्ग के कि.मी. 1/2 से 6/10 एवं 12/10 से 16/2 कुल लम्बाई 9.40 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य। लो.नि.वि. सड़क एस.ओ.आर. 25.03.2022	119.23	1. 119230 2. 12500	1. प्रथम आमंत्रण 2. 03 माह
6.	2022_PWDRB_207331	उपसंभाग चुरहट के उपखण्ड चुरहट अंतर्गत परसवार ग्राम पहुंच मार्ग, लं. 1.00 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल का कार्य। लो.नि.वि. सड़क एस.ओ.आर. 25.03.2022	9.17	1. 18340 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. 03 माह
7.	2022_PWDRB_207332	उपसंभाग सीधी अंतर्गत खनिज भवन में स्थित जिला खनिज प्रतिष्ठान कक्ष का सुदृढ़ीकरण एवं भवन की मरम्मत कार्य। लो.नि.वि. भवन एस.ओ.आर. 01.12.2020	16.46	1. 32920 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. 04 माह
8.	2022_PWDRB_207333	उपसंभाग सीधी के उपखण्ड मुख्या. सीधी प्रथम अंतर्गत शासकीय गैर आवासीय भवनों का एम.ओ.डब्ल्यू. कार्य। लो.नि.वि., भवन एस.ओ.आर. 01.12.2020	15.00	1. 30000 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. 04 माह
9.	2022_PWDRB_207334	उपसंभाग सीधी के उपखण्ड मुख्या. सीधी प्रथम अंतर्गत शासकीय आवासीय भवनों का एम.ओ.डब्ल्यू. कार्य। लो.नि.वि. भवन एस.ओ.आर. 01.12.2020	12.00	1. 24000 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. 04 माह
10.	2022_PWDRB_207335	उपसंभाग सीधी अधीनस्थ मार्गों के डब्ल्यू.बी.एम. पेच मरम्मत हेतु गिट्टी प्रदाय का कार्य। लं. 29.40 कि.मी.। लो.नि.वि., सड़क एस.ओ.आर. 25.03.2022	18.17	1. 36340 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. 04 माह
11.	2022_PWDRB_207336	उपसंभाग मझौली के उपखण्ड मड़वास अंतर्गत मार्गों के डब्ल्यू.बी.एम. पेच मरम्मत हेतु सामग्री का प्रदाय कार्य, लं. 13.90 कि.मी.। लो.नि.वि., एस.ओ.आर. 25.03.2022	10.00	1. 20000 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. 04 माह
12.	2022_PWDRB_207337	उपसंभाग मझौली के उपखण्ड मझौली अंतर्गत मार्गों के डब्ल्यू.बी.एम. पेच मरम्मत हेतु सामग्री का प्रदाय कार्य, लं. 17.50 कि.मी.। लो.नि.वि., एस.ओ.आर. 25.03.2022	9.26	1. 18520 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. वित्तीय वर्ष 2022-23
13.	2022_PWDRB_207338	उपसंभाग मझौली के उपखण्ड मझौली अंतर्गत मार्गों के बी.टी. पेच मरम्मत हेतु जोनल टेण्डर। लो.नि.वि., सड़क एस.ओ.आर. 25.03.2022	19.88	1. 39760 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. वित्तीय वर्ष 2022-23
14.	2022_PWDRB_207339	उपसंभाग मझौली के उपखण्ड कुसमी अंतर्गत मार्गों के डब्ल्यू.बी.एम. पेच मरम्मत हेतु सामग्री का प्रदाय कार्य, लं. 25.60 कि.मी.। लो.नि.वि. सड़क एस.ओ.आर. 25.03.2022	14.54	1. 29080 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. वित्तीय वर्ष 2022-23
15.	2022_PWDRB_207340	उपसंभाग मझौली के उपखण्ड पथरौला अंतर्गत मार्गों के डब्ल्यू.बी.एम. पेच मरम्मत एवं बी.टी. पेच मरम्मत हेतु सामग्री का प्रदाय कार्य, लं. 26.85 कि.मी.। लो.नि.वि. सड़क एस.ओ.आर. 25.03.2022	18.51	1. 37020 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. वित्तीय वर्ष 2022-23
16.	2022_PWDRB_207341	उपसंभाग मझौली के उपखण्ड टिकरी अंतर्गत मार्गों के डब्ल्यू.बी.एम. पेच मरम्मत हेतु सामग्री का प्रदाय कार्य, लं. 28.20 कि.मी.। लो.नि.वि., सड़क एस.ओ.आर. 25.03.2022	12.88	1. 25760 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. वित्तीय वर्ष 2022-23
17.	2022_PWDRB_207342	उपसंभाग मझौली के उपखण्ड पथरौला अंतर्गत मार्गों के पेच मरम्मत हेतु सामग्री का प्रदाय कार्य, लं. 15.80 कि.मी.। लो.नि.वि. सड़क, एस.ओ.आर. 25.03.2022	15.06	1. 30120 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. वित्तीय वर्ष 2022-23
18.	2022_PWDRB_207343	उपसंभाग मझौली के उपखण्ड मड़वास अंतर्गत अकला मड़वास मार्ग के कि.मी. 1/10 में क्षतिग्रस्त आर.सी.सी. स्लैब कलवर्ट का विशेष मरम्मत कार्य। लो.नि.वि., सड़क एस.ओ.आर. 25.03.2022	4.09	1. 8180 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2. 03 माह
		योग :-	**1213.45**		

1. ऑनलाइन पोर्टल **http://mptenders.gov.in** के माध्यम से निविदा प्रपत्र क्रय करने, डाउनलोड एवं निविदा डालने का समय एवं **दिनांक 26.06.2022 सुबह 10.30 से 13.07.2022 शाम 5.30 तक** है।
2. **अमानत राशि, केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू.बी., पंजीयन, शपथ पत्र, जी.एस.टी.एन. एवं अन्य अभिलेख (लिफाफा-अ), सिर्फ ऑनलाइन अपलोड किये जा सकते हैं।**
3. निविदा से संबंधित संशोधन, समय परिवर्तन आदि की सूचना केवल वेबसाइट के माध्यम से दी जावेगी।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री

जी-13949/47199/2022 **लोक निर्माण विभाग, सीधी संभाग, सीधी (म.प्र.), मो. - 8461870230**

DIRECTORATE OF HANDLOOMS AND HANDICRAFTS
MADHYA PRADESH
Board Office Campus, Shivaji Nagar Bhopal-462011

INVITING EXPRESSION OF INTEREST (EoIs)

Expression of interest (EoIs) are invited for engaging Textile Designer and Cluster Development Executive (CDE) Cluster in Development Programme (CDP) at the Handloom Clusters of Madhya Pradesh namely Rampur Nakin Dist. Sidhi, Saunsar Dist. Chhindwara, Waraseoni Dist. Balaghat, Sarangpur Dist. Rajgarh & Bajag Dist. Dindori under National Handloom Development Programme (NHDP) by Development Commissioner (Handlooms) sanctioned Government of India, New Delhi. The Designer/CDE will be selected trought evaluation of his/her profitle and experience in the relevant sector. The details of eligibility criteria, broad Terms of Reference (ToR), guidelines for submission of EoIs and other terms and conditions are available on the website **http://mpgramodyogglobal.gov.in/Dep201/**

The eligible orgnizations/agencies/individuls interested in rendering their services as Designer may submit EoI in sealed envelops, superscripting the title "EoI for engaging Designer at CDP Rampur Nakin Dist. Sidhi, Saunsar Dist. Chhindwar, Waraseoni Dist. Balaghat, Sarangpur Dist. Rajgarh & Bajag Dist. Dindori". within **21 days from the date of the advertisement.** In case, the 21st day falls on a holiday, the next working day will be considered as the last day.

Commissioner

G-13980/47206/2022 **Handlooms & Handicrafts, M.P. Bhopal**

कार्यालय आयुक्त
पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मध्यप्रदेश

विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत वर्ष 2022-23 के लिये छात्रवृत्ति देने के लिये आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। ये छात्रवृत्तियां शोध उपाधि उपरांत अध्ययन, शोध उपाधि एवं स्नातकोत्तर उपाधि हेतु देय हैं।

1. पात्रता की शर्तें

	उपाधि	पिछड़ा वर्ग
अ.	शोध उपरांत अध्ययन	संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक के साथ अथवा समतुल्य ग्रेड में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण तथा संबंधित विषय में अनुभव के साथ शोध उपाधि।
ब.	शोध उपाधि	संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक के साथ अथवा समतुल्य ग्रेड में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण तथा संबंधित विषय में 2 वर्ष का अध्यापन/शोध/व्यावसायिक अनुभव या एम.फिल उपाधि।
स.	स्नातकोत्तर	स्नातक उपाधि प्रथम श्रेणी न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक के साथ या उसके समतुल्य ग्रेड में उत्तीर्ण।

2. **आयु :** अभ्यर्थी की आयु आवेदन दिये जाने वाले वर्ष में 1 जनवरी को 18 वर्ष से अधिक एवं 35 वर्ष से कम हो। विशेष प्रकरणों में अधिकतम 10 वर्ष तक शिथिल की जा सकेगी।
3. **आय सीमा :** आवेदक या उसके अभिभावक की सभी स्रोतों से सकल आय क्रीमीलेयर की सीमा से अधिक न हो।
4. आवेदक के माता-पिता अथवा अभिभावक के एक से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति की पात्रता नहीं होगी।
5. आवेदन पत्र के साथ सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र मूल निवासी प्रमाण-पत्र संलग्न करना आवश्यक है।
6. **छात्रवृत्ति की अवधि :** पी.एच.डी. उपरांत शोध हेतु डेढ़ वर्ष, पी.एच.डी. के लिये चार वर्ष, स्नातकोत्तर उपाधि हेतु दो वर्ष।
7. अंतिम रूप से चयन की पुष्टि की सूचना प्राप्त करने के एक वर्ष की समय सीमा में अभ्यर्थी को विदेश के अधिमान्य विश्वविद्यालय/संस्थान में प्रवेश प्राप्त करना होगा।
8. उक्त छात्रवृत्ति केवल विदेश में ऑन कैम्पस स्टडी हेतु देय होगी।
9. छात्रवृत्ति हेतु एक बार चयन उपरांत देश/विश्वविद्यालय में परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जावेगी।
10. विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति नियम-2007 की सभी शर्तों को अभ्यर्थी को पूर्ण करना होगा। नियम वेबसाइट **www.bcwelfare.mp.nic.in** से प्राप्त किये जा सकते हैं।
11. यदि अभ्यर्थी एम.पी. स्कॉलरशिप पोर्टल पर पहले से रजिस्टर्ड है तो पूर्व में प्रदत्त आई.डी. का प्रयोग कर आवेदन ऑनलाइन भरा जाएगा। यदि पहले से रजिस्ट्रेशन नहीं है तो नवीन रजिस्ट्रेशन कर आवेदन ऑनलाइन भरकर प्रिंट लेकर समस्त आवश्यक दस्तावेज स्वयं द्वारा सत्यापित कर संलग्न कर आवेदन की प्रति और दस्तावेज हार्ड कॉपी कार्यालय आयुक्त, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण म.प्र., सतपुड़ा भवन, द्वितीय तल 'घ' विंग भोपाल म.प्र. पिनकोड 462004 को पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट/साधारण डाक द्वारा प्रस्तुत किये जावेंगे। व्यक्तिगत रूप से आवेदन पत्र कार्यालय में प्राप्त नहीं किये जावेंगे।
12. ऑनलाइन आवेदन करने हेतु **URL - www.scholarshipportal.mp.nic.in**
13. भरे हुए आवेदन की प्रति सह दस्तावेज स्कैन करके ई-मेल आईडी **foreignstudy.obc@mp.gov.in** पर भी प्रेषित करें।
14. QS रैंक 500 तक के विश्वविद्यालयों में ही प्रवेश प्राप्त किया जा सकेगा।
15. शासकीय अथवा शासन के उपक्रमों में सेवारत अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र की अग्रिम प्रति प्रस्तुत कर सकेंगे, मगर उन्हें आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की आखिरी तिथि से 15 दिवस के अंदर नियोक्ता के माध्यम से आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित अवधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
16. विज्ञप्ति जारी होने के पश्चात तथा अभ्यर्थी के चयन से पूर्व यदि योजना के स्वरूप तथा नियमों में कोई परिवर्तन होता है तो योजना का परिवर्तित स्वरूप तथा नियम ही मान्य होंगे।
17. **आवेदन पत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि दिनांक 30.06.2022 होगी।**

आयुक्त

जी-13894/47198/2022 **पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मध्यप्रदेश**

बदलकर अपना व्यवहार, करें कोरोना पर वार।

केंद्रीय कैबिनेट से 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी को मिली मंजूरी

भारत में जल्द शुरू होगी 5जी सेवा दूरसंचार के क्षेत्र में एक नई क्रांति

इंटरनेट हमारी जीवनशैली का अहम् अंग बन चुका है। इंटरनेट के बिना अब काफी कुछ नामुमकिन सा लगने लगा है। इंटरनेट के बिना बहुत सी चीजें ठप पड़ सकती हैं, जैसे स्मार्टफोन, लैपटॉप, कम्प्यूटर, स्मार्ट टीवी, स्मार्ट वॉच, वाई-फाई एवं अन्य बहुत से उपकरण। इसके अलावा अब बैंक, पोस्ट ऑफिस समेत कई ऑफिस में इंटरनेट आधारित सेवाएं मिलने लगी हैं, वहां अगर सर्वर डाउन हो जाता है या बंद हो जाता है उपभोक्ता समेत आमजन को काफी दिक्कत होती है। इसलिए अब घर, ऑफिस, शॉपिंग या बैंकिंग के दौरान कभी भी-कहीं भी थोड़ी देर इंटरनेट ठप हो जाए, तो लगने लगता है कि मानो जिंदगी थम-सी गई है। भारत में लोगों को नेक्स्ट जनरेशन इंटरनेट यानी 5जी नेटवर्क देने पर काम किया जा रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्पेक्ट्रम की नीलामी करने के लिए दूरसंचार विभाग के एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके जरिए सफल बोलीदाता टेलीकॉम कंपनियों को जनता और उद्यमों को 5जी सेवाएं प्रदान करने के लिए स्पेक्ट्रम सौंपा जाएगा। लोगों को जल्द ही 5जी सेवाओं का तोहफा मिल सकता है। देश में दूरसंचार के क्षेत्र में इसी के साथ एक नई क्रांति की शुरुआत हो गई है। इसके तहत दूरसंचार मंत्रालय जल्द ही इच्छुक टेलीकॉम कंपनियों से आवेदन आमंत्रित करेगा। टेलीकॉम कंपनियां लंबे समय से 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी इंतजार कर रही थीं। वहीं डिजिटल कनेक्टिविटी सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों का अंग रहा है। डिजिटल कनेक्टिविटी अपने प्रमुख कार्यक्रमों जैसे डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया आदि के माध्यम से सरकार की नीतिगत पहलों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।

क्या है 5जी नेटवर्क?

लोगों को 5जी नेटवर्क से बहुत उम्मीदें हैं। 5जी पांचवीं पीढ़ी की सेल्युलर तकनीक है, जो मोबाइल नेटवर्क पर डाउनलोडिंग और अपलोडिंग की गति को बढ़ाएगी। यह 1G, 2G, 3G और 4G नेटवर्क के बाद एक नया वैश्विक वायरलेस मानक है। 5जी से डेटा डाउनलोड करने की दर (4G की तुलना में 10 गुना तक बढ़ने की उम्मीद है) बेहतर होगी, स्पेक्ट्रम दक्षता तीन गुना अधिक हो सकती है, साथ ही अल्ट्रा-लो लेटेंसी (लेटेंसी अर्थात् नेटवर्क द्वारा प्रतिक्रिया देने में लगने वाला समय) रहेगी। रिपोर्टों के आधार पर एक्सपर्ट्स की माने तो इससे इंटरनेट सर्फिंग स्पीड 2 से 20 जीबी प्रति सेकेंड तक होने की उम्मीद जताई जा रही है। 5जी नेटवर्क तकनीकी उद्योग को विकसित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। 5जी नेटवर्क नए उपयोग किए गए मामलों को जीवन में लाने का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे भारतीय बाजारों के साथ-साथ वैश्विक बाजारों में फिनटेक समाधानों का प्रसार हो सकता है। 5जी नेटवर्क टेली-मेडीसिन, टेली-शिक्षा, संवर्धित और वर्चुअल रियल्टी, ड्रोन-आधारित कृषि निगरानी और 5जी फोन और उपकरणों के लिए काफी मददगार होगी। 2014 में 10 करोड़ ग्राहकों की तुलना में आज 80 करोड़ ग्राहकों की ब्रॉडबैंड तक पहुंच हो गई है। इस तरह की अग्रणी नीतिगत पहलों के माध्यम से, सरकार अंत्योदय परिवारों तक मोबाइल बैंकिंग, ऑनलाइन शिक्षा, टेली-मेडीसिन, ई-राशन आदि तक पहुंच को बढ़ावा देने में सक्षम है। सरकार द्वारा नियुक्त पैनल (वर्ष 2018) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 5G की सहायता से वर्ष 2035 तक भारत में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का संचयी आर्थिक प्रभाव पैदा होने की उम्मीद है। कैबिनेट ने उद्योग 4.0 अनुप्रयोगों जैसे मशीन से मशीन संचार, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), ऑटोमोटिव, हेल्थकेयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में नवाचारों की एक नई लहर को बढ़ावा देने के लिए निजी कैप्टिव नेटवर्क के विकास और स्थापना को सक्षम करने का भी निर्णय लिया।

5जी से पहले के नेटवर्क

- 1G को 1980 के दशक में लॉन्च किया गया था, यह एनालॉग रेडियो सिग्नल पर काम करता था और केवल वॉयस कॉल का समर्थन करता था।
- 2G को 1990 के दशक में लॉन्च किया गया था, जो डिजिटल रेडियो सिग्नल का उपयोग करता है और 64 Kbps की बैंडविड्थ के साथ वॉयस और डेटा ट्रांसमिशन दोनों को सपोर्ट करता है।
- 3G को 2000 के दशक में 1 एमबीपीएस से 2 एमबीपीएस की गति के साथ लॉन्च किया गया था और इसमें डिजिटल वॉयस, वीडियो कॉल और कॉन्फ्रेंसिंग सहित टेलीफोन सिग्नल प्रसारित करने की क्षमता है।
- 4G को वर्ष 2009 में 100 Mbps से 1 Gbps की 'पीक स्पीड' के साथ लॉन्च किया गया था और यह '3D वर्चुअल रियलिटी' को भी सक्षम बनाता है।

स्वदेशी विकास की ओर

देश में बनाया गया 4G इकोसिस्टम अब 5जी को स्वदेशी विकास की ओर ले जा रहा है। भारत के 8 शीर्ष प्रौद्योगिकी संस्थानों में 5जी टेस्ट बेड सेटअप भारत में घरेलू 5जी तकनीक के लॉन्च को गति दे रहे हैं। मोबाइल हैंडसेट, दूरसंचार उपकरणों के लिए पीएलआई (उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन) योजनाएं और भारत सेमीकंडक्टर मिशन की शुरुआत से भारत में 5जी सेवाओं के शुभारंभ के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। वह समय अब दूर नहीं जब भारत 5जी तकनीक और आने वाली 6G तकनीक के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में उभरने वाला है।

कब शुरू होगी स्पेक्ट्रम की नीलामी?

20 साल की वैधता अवधि के साथ कुल 72,097.85 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी जुलाई, 2022 के अंत तक की जाएगी। नीलामी में विभिन्न प्रारूपों में निम्न में 600 मेगाहर्ट्ज, 700 मेगाहर्ट्ज, 800 मेगाहर्ट्ज में स्पेक्ट्रम, मिड में 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज तक और हाई में 26 गीगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी बैंड होंगे। स्पेक्ट्रम पूरे 5जी इको-सिस्टम का एक अभिन्न और आवश्यक हिस्सा है। आगामी 5जी सेवाओं में नए युग के व्यवसाय बनाने, उद्यमों के

लिए अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करने और नवीन उपयोग-मामलों और प्रौद्योगिकियों की तैनाती से उत्पन्न होने वाले रोज़गार प्रदान करने की क्षमता है।

दूरसंचार क्षेत्र के सुधारों से लाभान्वित होगी स्पेक्ट्रम नीलामी

मिड और हाई बैंड स्पेक्ट्रम का उपयोग दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा गति और क्षमता प्रदान करने में सक्षम 5जी प्रौद्योगिकी-आधारित सेवाओं को रोल-आउट करने के लिए किया जाएगा, जो वर्तमान 4G सेवाओं के माध्यम से संभव की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक होगा। स्पेक्ट्रम नीलामी सितंबर, 2021 में घोषित दूरसंचार क्षेत्र के सुधारों से लाभान्वित होगी। सुधारों में आगामी नीलामी में प्राप्त स्पेक्ट्रम पर शून्य स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) शामिल है, जो परिचालन लागत के मामले में दूरसंचार नेटवर्क के सेवा प्रदाताओं को एक महत्वपूर्ण राहत प्रदान करता है। इसके अलावा, एक वार्षिक किस्त के बराबर वित्तीय बैंक गारंटी जमा करने की आवश्यकता को भी समाप्त कर दिया गया है।

दूरसंचार क्षेत्र में सुधारों की गति को जारी रखते हुए, मंत्रिमंडल ने व्यापार करने में आसानी के लिए आगामी स्पेक्ट्रम नीलामी के माध्यम से बोलीदाताओं द्वारा प्राप्त किए जाने वाले स्पेक्ट्रम के संबंध में विभिन्न प्रगतिशील विकल्पों की घोषणा की। पहली बार सफल बोलीदाताओं द्वारा अग्रिम भुगतान करने की कोई अनिवार्य आवश्यकता नहीं होगी। स्पेक्ट्रम के लिए भुगतान 20 समान वार्षिक किश्तों में किया जा सकता है, जिसका भुगतान प्रत्येक वर्ष की शुरुआत में अग्रिम रूप से किया जाना है। इससे नकदी प्रवाह की आवश्यकताओं में काफी कमी आने और इस क्षेत्र में व्यवसाय करने की लागत कम होने की उम्मीद है। बोलीदाताओं को शेष किश्तों के संबंध में भविष्य की देनदारियों के बिना 10 वर्षों के बाद स्पेक्ट्रम को सरेंडर करने का विकल्प दिया जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- ट्राई की स्थापना 1997 में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 के अंतर्गत की गई थी।
- ट्राई के रजत जयंती समारोह (17 मई 2022 को) में प्रधानमंत्री ने 5जी टेस्ट बेड लॉन्च किया था।
- केंद्रीय बजट 2022-23 में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के एक हिस्से के रूप में 5जी के लिए डिजाइन आधारित विनिर्माण के लिए एक अनुकूल परिवेश बनाने के लिए एक योजना शुरू करने का प्रस्ताव किया गया था।
- पिछले वर्ष मई 2021 में दूरसंचार विभाग ने 5जी तकनीक और स्पेक्ट्रम ट्रॉयल को मंजूरी दी थी। आवेदक कंपनियों में भारती एयरटेल लिमिटेड, रिलायंस जिओ इंफोकॉम लिमिटेड, वोडाफोन इंडिया लिमिटेड और एमटीएनएल शामिल थीं।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

आजादी के अमृत महोत्सव में पूरा मध्यप्रदेश हुआ योगमय

भोपाल, आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत इस वर्ष 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे प्रदेश में उत्साह के साथ मनाया गया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शिरकत की, वही केंद्रीय मंत्री और मध्यप्रदेश के मंत्रीगण भी विभिन्न जिलों में आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में शामिल हुए। जिला, विकासखंड और ग्राम पंचायतों में भी छात्र-छात्राओं, ग्रामीणजन, महिला स्व-सहायता समूह सहित मनरेगा के श्रमिकों ने कार्य स्थल और अमृत सरोवर के तटों पर सामूहिक योग किया। प्रदेश के पुरातत्व और पर्यटन स्थलों पर भी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने मानवता के लिये योग थीम पर योगाभ्यास किया।

मुरैना जिले के प्रसिद्ध पुरातत्व स्थल बटेश्वर मंदिर समूह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार, ग्वालियर किले के पुरातत्व स्थल पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विश्व प्रसिद्ध सांची के बौद्ध विहार में केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग राज्यमंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा योग-सत्र में शामिल हुए।

अमृत सरोवर के तट पर हुए योग के विशेष सत्र

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान मध्यप्रदेश में निर्मित हो रहे अमृत सरोवरों के तटों पर भी योग के विशेष सत्र हुए। इनमें सरोवर के निर्माण में लगे श्रमिक, ग्रामीण और पंचायत प्रतिनिधियों ने मिल कर योग साधना की। इसी प्रकार आंगनवाड़ी केंद्रों में भी योग सत्र हुए।

धूपगढ़ की पहाड़ी पर हुई योग साधना

सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर ब्रह्म मुहूर्त में योग के आयोजन शुरू हुए। धूपगढ़ की पहाड़ी के मनोरम स्थल पर पर्यटक, नागरिक एवं स्कूली बच्चों के साथ जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सैलानियों ने भी बढ़-चढ़कर उत्साह के साथ योग किया। पचमढ़ी में ही बायसन लॉज परिसर में भी योग का आयोजन हुआ, जिसमें आयुष विभाग, साडा पचमढ़ी, पर्यटन विकास निगम और पचमढ़ी के स्थानीय नागरिक तथा सैलानियों ने प्रातःकाल योग किया। इटारसी के तिलक सिंदूर, सिवनी मालवा के आंवली घाट, नर्मदापुरम् के पावन सेठानी घाट एवं बांद्राभान में भी योग सत्र हुए, जिनमें योगाचार्यों द्वारा प्रकृति के करीब नागरिकों को योग साधना कराई गई।

स्कूल और कॉलेजों में भी हुआ योग

स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से प्रदेश के सभी स्कूलों में भी सामूहिक योग के आयोजन हुए। साथ ही महाविद्यालयों में भी विद्यार्थियों ने योग साधना की। स्काउट, गाइड, एनसीसी, एनएसएस के युवाओं और शिक्षकों ने भी योग-सत्रों में सहभागिता की। सभी जिलों में सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों ने भी योग कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई। जन अभियान परिषद के सदस्यों ने भी जिला, विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर नागरिकों को जोड़ते हुए योग सत्र करवाये।

मुख्यमंत्री ने दिलवाया संकल्प

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेशवासियों को योग के प्रति प्रोत्साहित करते हुए उन्हें प्रतिदिन योग करने का संकल्प दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग करने से न केवल मन प्रसन्न रहता है, बल्कि शरीर सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है और व्यक्ति के कार्य करने की क्षमता भी बढ़ जाती है। मेरा सभी से आहवान है कि योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनायें। सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ही नहीं, प्रतिदिन योग करने के लिये समय निकालें।

महापौर और पार्षदों के लिए विहित मुक्त निर्वाचन प्रतीक

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए मुक्त निर्वाचन प्रतीक निर्धारित कर दिए गए हैं। यह मुक्त निर्वाचन प्रतीक उन प्रतीकों के अतिरिक्त होंगे, जो भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लिए आरक्षित हैं।

नल, टेबल पंखा, गुब्बारा, स्लेट, बिजली का स्विच, कांच का गिलास, रेडियो, खंभे पर ट्यूबलाइट, स्टूल, गैस बत्ती, रोड रोलर, बस, सीटी, प्रेशर कुकर, बल्लेबाज, मटका, गाड़ी, बैटरी टॉर्च, सूरजमुखी, गेहूं की बाली, सब्जियों की टोकनी, हार, अंगूठी बेंच, गैस सिलेंडर, पीपल का पत्ता, हारमोनियम, हाथ चक्की, डबल रोटी, मेज, ब्रीफकेस, गैस स्टोव, दरवाजा, ब्रुश, वल्ला, वायलिन और बेलन।

केक, कैमरा, गाजर, कोट, टेंट, चारपाई, सिलाई की मशीन, नाव, स्कूटर, जीप, ब्लेक बोर्ड, टेलीफोन, टेलीविजन, कप और प्लेट, बरगद का पेड़, लेटर बॉक्स (पत्र पेटी), अलमारी, हॉकी और गेंद, डीजल पंप, दो तलवार और एक ढाल, डोली, फलों सहित नारियल का पेड़, कैची, वाल्टी, कमीज, फ्रॉक, केतली, लेडी पर्स, भोंपू, सेव और प्रेस।

कनाडा और भारत

व्यापारिक संबंधों के विकास में भागीदारी करेगा मध्यप्रदेश

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से भोपाल स्थित मंत्रालय में कॉन्सुलेट जनरल ऑफ कनाडा श्रीमती डीएडरेह केली ने भेंट की। मुख्यमंत्री ने श्रीमती केली का स्वागत किया और उन्हें सांची स्तूप की प्रतिकृति भेंट की।

श्री चौहान ने कहा कि भारत और कनाडा के काफी प्राचीन संबंध हैं और उद्योग के क्षेत्र में दोनों राष्ट्रों का परस्पर सहयोग है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत और कनाडा के संबंधों और दोतरफा सहयोग को विस्तार मिला है, मध्यप्रदेश इसमें भागीदारी बढ़ाएगा। सिर्फ व्यापारिक, वाणिज्य और व्यापार क्षेत्र ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी संयुक्त रूप से कार्य के प्रयास होंगे।

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश ने प्राकृतिक कृषि के क्षेत्र में प्रगति की है। जैविक उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की भी निरंतर स्थापना हो रही है। मध्यप्रदेश और कनाडा के मध्य ऑटोमोबाइल डिफेंस एयरोस्पेस और फार्मा सेक्टर में भी अच्छा निवेश हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल विकास और स्मार्ट सिटी के विकास में भी कनाडा बेहतर सहयोग कर सकता है। कनाडा और मध्यप्रदेश के बीच सहयोग की संभावनाओं में 'एक जिला-एक उत्पाद' के उत्पादों को भी कनाडा में विपणन के अवसर प्रदान करने की रणनीति पर विचार हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्रीमती केली की इस यात्रा को कनाडा के साथ व्यापार में वृद्धि की संभावनाओं को साकार करने में सहयोगी बताया। मध्यप्रदेश में नवीन निवेश के संबंध में कनाडा के निवेशकों के साथ पृथक बैठक की रूपरेखा पर विचार किया जा रहा है। इसके अलावा मध्यप्रदेश में आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा रोड शो के लिए कनाडा जाने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

श्री चौहान को श्रीमती केली ने बताया कि विभिन्न कैनेडियन कंपनियां मध्यप्रदेश में कार्य के लिए इच्छुक हैं। कनाडा द्वारा एशियाई देशों में व्यापारिक क्षेत्र में हाल ही में कुछ अनुबंध किए गए हैं। भारत में भी ऐसे अनुबंध बढ़ाए जाएंगे।

पीएम गतिशक्ति

योजना निर्माण और क्रियान्वयन का प्रभावी साधन है पीएम गतिशक्ति

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में पीएम गतिशक्ति मध्यप्रदेश की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, योजना निर्माण और क्रियान्वयन का प्रभावी साधन है पीएम गतिशक्ति। इसके प्रभावी उपयोग से समय की बचत के साथ योजनाओं का बेहतर और मितव्ययी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा। प्रदेश में मैदानी स्तर तक अधिकारी एवं कर्मचारियों का पीएम गतिशक्ति से ओरिएंटेशन सुनिश्चित किया जाए। पीएम गतिशक्ति में प्रदेश से संबंधित कोई भी जानकारी अथवा डाटा को जोड़ने की आवश्यकता हो तो उसकी समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित करें। राज्य का विकास किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होना चाहिए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित निवास कार्यालय में पीएम गतिशक्ति मध्यप्रदेश की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये कहीं। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री विनोद कुमार, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री संजय शुक्ला, प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री अमित राठौर, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड श्री नंद कुमारम तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के लिए अक्टूबर 2021 में पीएम गतिशक्ति का शुभारंभ किया गया। इसमें देश में एकीकृत योजना और बुनियादी ढांचे की कनेक्टिविटी के समन्वित कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत सरकार के 16 मंत्रालयों और राज्य सरकारों को सम्मिलित किया गया है। देश के व्यवसायों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने टेक्सटाइल क्लस्टर, फार्मास्युटिकल क्लस्टर जैसे आर्थिक जोन भी इसमें सम्मिलित हैं। इससे अधोसंरचना से संबंधित योजनाओं में मंत्रालयीन और विभागीय स्तर तक समन्वय और सहयोग बढ़ेगा। साथ ही विकास योजनाएं तैयार करने के तरीकों में बड़ा बदलाव आएगा। संसाधनों और क्षमताओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होगा। कार्यक्षमता में वृद्धि, समय का सद्उपयोग सुनिश्चित होने के साथ कार्य में दोहराव की संभावनाओं को भी रोका जा सकेगा।

प्रदेश में पीएम गतिशक्ति के क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एम्पावर्ड ग्रुप ऑफ सेक्रेटरीज और नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप गठित किया गया है। इसमें अधोसंरचना से जुड़े मंत्रालयों और विभाग के अधिकारी शामिल हैं। प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विशेषज्ञों को शामिल कर टेक्निकल सपोर्ट यूनिट का गठन किया जा रहा है।

पीएम गतिशक्ति में मुख्य रूप से सड़क, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, नगरीय विकास एवं आवास और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभागों में समग्र बुनियादी ढांचे को सशक्त करने और बेहतर समन्वय के लिए व्यवस्था विकसित होगी। प्रदेश के विभिन्न विभागों के 27 अधिकारी, गांधी नगर गुजरात के भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन एण्ड जियो इन्फॉरमेटिक्स में हुए प्रशिक्षण में शामिल हुए। इनके द्वारा राज्य में विभिन्न स्तरों पर क्षमता विकास गतिविधियां संचालित की जाएंगी। प्रदेश में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग पीएम गतिशक्ति का नोडल विभाग है।

जल जीवन मिशन के कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुये जल जीवन मिशन में जारी कार्यों को गति देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर घर में नल से जल पहुंचाना राज्य शासन की प्रतिबद्धता है। इस तकनीकी युग में कार्य में विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्य समय-सीमा में पूर्ण हो, यह सुनिश्चित करने के लिए संबद्ध एजेंसियों को उनकी क्षमता के अनुसार ही कार्य आवंटित किया जाए और कार्य की प्रगति पर अधिकारी निरंतर निगरानी रखें। जल जीवन मिशन में संचालित गतिविधियों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए पर्याप्त तकनीकी अमला उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन में जहां जल-स्रोत कमजोर हों, वहां उसे समृद्ध करने के लिए जलाभिषेक अभियान में विशेष प्रयास किए जाएं। डिजिटल एन्ट्री और इलेक्ट्रॉनिक तरीके से कार्यों के माप की व्यवस्था को भी सुनिश्चित कराएं।

जानकारी दी गई कि प्रदेश के 51 हजार 585 ग्रामों में जल जीवन मिशन की गतिविधियों का आच्छादन किया जाना है, जिनमें 39 हजार 565 ग्रामों के लिए स्वीकृतियां जारी की जा चुकी हैं।

मध्यप्रदेश में अमरूद के विपुल उत्पादन के अनुरूप प्रसंस्करण इकाइयां लगें

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से भोपाल में मेसर्स पारले एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की।

भोपाल, मध्यप्रदेश में फलोत्पादन और उसके प्रसंस्करण की संभावनाओं को साकार करने में औद्योगिक संस्थान सहयोग करें। विशेष रूप से अनेक जिलों में अमरूद के विपुल उत्पादन को देखते हुए इस तरह की इकाइयां लगाई जा सकती हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में उनसे भेंट करने आए मेसर्स पारले एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन श्री प्रकाश चौहान, सीईओ सुश्री सचौना और अन्य प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री को संस्थान के पदाधिकारियों ने मध्यप्रदेश में प्रस्तावित नवीन निवेश के संबंध में जानकारी दी। इसके अनुसार मंडीदीप जिला रायसेन में डेयरी और फल आधारित पेय पदार्थ रेडी टू सर्व फ्रूट ड्रिंक निर्माण इकाई का विस्तार किया जा रहा है। इस परियोजना के लिए 2.06 एकड़ भूमि भी संस्थान ने सुरक्षित रखी है। प्रस्तावित पूंजी निवेश 340.86 करोड़ रुपये का होगा और डेढ़ सौ से अधिक लोगों को रोज़गार दिया जा सकेगा। वर्तमान में पारले समूह खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में मंडीदीप सहित देश में 10 औद्योगिक इकाइयां संचालित कर विभिन्न फ्रूट ड्रिंक और डेयरी पदार्थ बना रहा है। वर्ष 1985 से पारले समूह ने इस क्षेत्र में प्रयास किए हैं।

श्री चौहान से जॉन डियर इंडिया लिमिटेड के एमडी श्री शैलेंद्र जगताप और डायरेक्टर श्री मुकुल ने भी भेंट की। औद्योगिक संस्थान के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रदेश में ट्रैक्टर निर्माण और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी और प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री संजय कुमार शुक्ला उपस्थित थे।

आईडीएसपी की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में मध्यप्रदेश सम्मानित

भोपाल, मध्यप्रदेश ने एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) और इसके अंतर्गत संक्रामक बीमारियों के विषय में तत्काल सूचना प्राप्त कर नियंत्रण और रोकथाम के उद्देश्य से आईएचआईपी (इंटीग्रेटेड हेल्थ इन्फॉर्मेशन प्लेटफार्म) में उत्कृष्ट कार्य किया है। साथ ही कोविड महामारी की रोकथाम में भी प्रशंसनीय कार्य किया है। इस उपलब्धि पर स्टेट सर्विलांस यूनिट, मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली में हुई आईडीएसपी की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्री राजेश भूषण ने आईडीएसपी के उप संचालक डॉ. योगेश कौरव और डॉ. एम.पी.एस. चौहान को सम्मान-पत्र प्रदान किया।

उप संचालक आईडीएसपी डॉ. योगेश सिंह कौरव ने बैठक में आईडीएसपी अंतर्गत कोरोना काल में किये गये कार्य और 5 अप्रैल, 2021 से प्रारंभ की गई आईएचआईपी प्रोजेक्ट की मध्यप्रदेश में स्थिति का प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने संक्रामक बीमारी के विषय में तत्काल सूचना प्राप्त कर नियंत्रण और रोकथाम के लिये किये गये कार्यों, नवाचार और प्रयासों की जानकारी दी।

बैठक में आईएचआईपी कार्यक्रम में पहले ही चरण में एक अक्टूबर, 2021 को पूरी तरह पेपरलेस करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मध्यप्रदेश की सराहना की गई। केंद्र सरकार के आईएचआईपी संयुक्त संचालक डॉ. हिमांशु चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश पहले चरण में आईडीएसपी के अंतर्गत संक्रामक बीमारियों की पहचान, बचाव और रोकथाम से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी को आईएचआईपी में पेपरलेस करने में सफल हुआ है। देश का यह पहला राज्य है, जिसने बहुत कम समय में यह उपलब्धि प्राप्त की है। उन्होंने अन्य राज्यों से आईएचआईपी में पेपरलेस बनने में मध्यप्रदेश का अनुसरण करने के लिये कहा।

स्वच्छ भारत मिशन शहरी-2 के लिये राज्य स्तरीय तकनीकी समिति गठित

भोपाल, राज्य शासन ने स्वच्छ भारत मिशन शहरी-2 का संचालन करने के लिए प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय तकनीकी समिति का गठन किया है।

समिति के संयोजक राज्य मिशन संचालक स्वच्छ भारत मिशन शहरी हैं। प्रमुख सचिव/प्रभारी एसवीएम ग्रामीण, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी, वित्त और पर्यावरण विभागों के प्रमुख सचिव, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि और प्रासंगिक पैरास्टेटल संस्थाओं के प्रतिनिधि सदस्य हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

औषधीय पौधों की खेती करना समयानुकूल - मुख्यमंत्री

किसानों की आय बढ़ाने और जड़ी-बूटियों की आपूर्ति में सहायक होगी देवारण्य योजना

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में देवारण्य योजना की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, औषधीय पौधों की खेती, किसानों के लिए लाभदायक है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों और स्वास्थ्यगत आवश्यकताओं के परिणामस्वरूप जड़ी-बूटियों का महत्व और उनकी मांग बढ़ी है। औषधीय पौधों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित देवारण्य योजना समयानुकूल है। प्रदेश में इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त और सक्षम स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से कृषकों को चिन्हित किया जाए। किसानों को आवश्यक प्रशिक्षण, क्षमता विकास और उत्पादों की बिक्री के लिए सही मार्केट लिंकेज स्थापित करने की व्यवस्था की जाए। आयुर्वेदिक उत्पादों से जुड़ी कम्पनियों की मांग के अनुसार प्रदेश में औषधीय पौधों की खेती को प्रोत्साहित करें। किसानों को भी प्रसंस्करण प्रक्रिया से जोड़ा जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में देवारण्य योजना की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव उद्यानिकी श्री जे.एन. कंसोटिया, प्रमुख सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री उमाकांत उमराव, प्रमुख सचिव आयुष श्री प्रतीक हजेला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। अपर मुख्य सचिव कृषि श्री अजीत केसरी बैठक में वर्चुअली सम्मिलित हुए। देवारण्य योजना का क्रियान्वयन वन विभाग के साथ कृषि, उद्यानिकी, आयुष और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है।

जानकारी दी गई कि प्रारंभिक रूप से योजना का क्रियान्वयन अनूपपुर, नर्मदापुरम, सतना, झाबुआ, डिण्डौरी, बैतूल और सीहोर में किया जा रहा है। अनूपपुर में लेमनग्रास और पॉमारोज़ा, नर्मदापुरम में शतावरी, स्टीविया, मोरिंगा, टुकुमारी और लेमनग्रास से संबंधित परियोजनाओं के क्रियान्वयन की योजना है। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रदेश के 21 विकासखंड के 132 स्व-सहायता समूहों द्वारा औषधीय पौधों की फसल ली जा रही है। धार, झाबुआ, मंडला, अनूपपुर, उमरिया, सीहोर, अलीराजपुर और श्योपुर में आँवला, सुरजना, अश्वगंधा, सफेद मूसली, इसबगोल और स्टीविया की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

औषधीय पौधों की मार्केट लिंकेज के लिए डाबर, महर्षि आयुर्वेद, ओमनी एक्टिव, बोटेनिक हेल्थ, सिपला और इमामी जैसी कम्पनियों से सम्पर्क किया गया है। कृषकों के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान केंद्रों से उच्च गुणवत्ता के पौधे तैयार करने, फेसिलिटेशन केंद्र से बीज और उत्पाद टेस्टिंग की व्यवस्था तथा पौधों की खेती, औषधियों के विदोहन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन का प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

बालग्राम के दिव्यांग बच्चों ने 'आशा है तो मुमकिन है' का दिखाया दम

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एस.ओ.एस. बालग्राम खजूरीकलां के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल की उपस्थिति में बालग्राम के दिव्यांग बच्चों ने आशा है तो मुमकिन है का दम दिखाया। बच्चों ने इस प्रस्तुति के साथ शिव तांडव और कन्या उत्सव की दिव्य समवेत प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया। सांकेतिक भाषा में राष्ट्र गीत प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेता बालग्राम के प्रतिभाशाली खिलाड़ी बालक विजय, बालिका डॉली, मणिमेघलाई और सृजनात्मक प्रतिभा की धनी मधु को सम्मानित कर, उनका मनोबल बढ़ाया। राज्यपाल ने दिव्यांग बच्चों को आत्मीयता का अहसास कराते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

श्री पटेल ने कहा कि मानव सेवा ही प्रभु सेवा है। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। किसी की सेवा का अवसर ईश्वर की कृपा से ही मिलता है। उन्होंने कहा कि बच्चे गीली मिट्टी की तरह कोमल होते हैं। उनकी उचित देखभाल का दायित्व पालक और शिक्षक पर है। उनकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को भेदभाव रहित वातावरण मिले। सकारात्मकता के साथ वह समाज की मुख्यधारा में शामिल हों। उन्होंने कहा कि बच्चों में पारस्परिक सहयोग, सद्भाव और नियमितता के गुणों के साथ ही पर्यावरण, ऊर्जा, जल संरक्षण और स्वच्छता की आदत डालने और स्वयं के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए सजग बनाने के प्रयास जरूरी हैं।

राज्यपाल ने टेलीविजन के कार्यक्रम का दृष्टांत देते हुए कहा कि अनेक ऐसे दिव्यांगजन हैं, जिन्होंने शारीरिक अभावों अथवा कमजोरियों को प्रेरणा बना कर, दिव्यांगता को व्यक्तिगत विकास में सहयोगी बना लिया है। जीवन में सफलता के लिए साधन से ज्यादा सोच का होना महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मंत्र सबका विकास, साथ, विश्वास और प्रयासों से दिव्यांगजन के पुनर्वास के प्रयत्न किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री बनते ही मोदी जी ने महिला सशक्तिकरण के लिए बेटी बचाओ, पढ़ाओ और बढ़ाओ के प्रयासों को व्यापक स्वरूप प्रदान किया।

एस.ओ.एस. विलेज ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री राकेश जिन्सी ने बताया कि बालग्राम खजूरीकलां में स्थापित एस.ओ.एस. चिल्ड्रन विलेज पूरे विश्व में अनूठे दो गांवों में से पहला है। उन्होंने बताया कि 1964 में भारत में स्थापना से अब तक 7,500 बच्चों की देखभाल की गई है। परिवार सशक्तिकरण कार्यक्रम में 30 हजार बच्चों की परवरिश की जा रही है। उन्होंने संस्था को राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे सहयोग के प्रति आभार ज्ञापित किया।

केंद्रीय एमएसएमई राज्यमंत्री ने मध्यप्रदेश के उद्योग परिदृश्य को सराहा

भोपाल, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग राज्यमंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य की सराहना की है। श्री वर्मा भोपाल प्रवास के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा के निवास पर पहुंचे।

केंद्रीय राज्यमंत्री श्री वर्मा और श्री सखलेचा के बीच मध्यप्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग की योजनाओं के संबंध में चर्चा हुई। श्री सखलेचा ने प्रदेश में एमएसएमई से संबंधित नवाचारों और किए गए कार्यों के बारे में जानकारी साझा की। इस अवसर और केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग राज्यमंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने एमएसएमई क्षेत्र में मध्यप्रदेश में हुए नवाचारों की सराहना की। उन्होंने प्रदेश के रोज़गार मेला कार्यक्रम, स्टार्टअप पॉलिसी, क्लस्टर योजना समेत अन्य योजनाओं को आदर्श बताया।

शाहगंज बनी पहली समरस नगर पंचायत - मुख्यमंत्री

नगर पंचायत के सभी 15 पार्षद निर्विरोध निर्वाचित

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर जिले की शाहगंज नगर पंचायत के सभी 15 पार्षदों के निर्विरोध निर्वाचित होने पर वहां के नागरिकों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदेश की पहली नगर पंचायत है जहां सभी 15 पार्षद निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं अर्थात नगर पंचायत का निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न हो गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय से मीडिया को जारी संदेश में यह बात कही।

श्री चौहान ने कहा कि यह पहली समरस नगर पंचायत होगी। शाहगंज की जनता ने सामंजस्य, समन्वय और समरसता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि चुनाव के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले वातावरण के बीच शाहगंज ने समरसता का परिचय दिया है।

इस समरस नगर पंचायत में विकास और जनकल्याण के कार्य आदर्श स्वरूप में किए जाएंगे। इन कार्यों को पूर्ण करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। शाहगंज का आदर्श विकास किया जाएगा।

कोविड टीकाकरण करवाने में स्व-सहायता समूह की महिलाएं बनेंगी भागीदार

भोपाल, ग्रामीण क्षेत्रों में सम्पूर्ण कोविड-19 टीकाकरण करवाने में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की महिलाएं भागीदार बनेंगी। राज्य परियोजना प्रबंधक, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने सभी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को इस आशय के निर्देश जारी किये हैं।

राज्य परियोजना प्रबंधक द्वारा जारी निर्देश में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पत्र लिख कर ग्रामीण क्षेत्रों में सम्पूर्ण कोविड टीकाकरण के लिये ग्रामीण अंचलों में मिशन अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूह की महिलाओं को सहयोग देने के लिये कहा है। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूह की नियमित बैठकों में कोविड-19 पूर्ण टीकाकरण के लाभ बताये जायें। साथ ही टीकाकरण नहीं कराये जाने की स्थिति में होने वाले दुष्प्रभावों पर भी चर्चा की जाये। कोविड टीकाकरण शिविरों में अपने परिवार के सदस्यों का टीकाकरण कराने के लिये प्रेरित किया जाये, जिन्होंने अभी तक पूर्ण टीकाकरण नहीं कराया है। साथ ही ऐसे सदस्यों की सूची आशा और एएनएम के साथ साझा करें, जिनका पूर्ण कोविड टीकाकरण नहीं हुआ है। समूह के सदस्य से 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग और 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के छूटे हुए बालक-बालिकाओं को टीके की पहली और दूसरी डोज लगवाने में भी सहयोग करें।

मध्यप्रदेश को मिलेगा स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में पूर्ण सहयोग

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से भोपाल में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने मुलाकात की।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने भेंट की। भेंट के दौरान मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र के संबंध में चर्चा हुई। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग और स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी भी उपस्थित थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मंडाविया ने विभागों में कामकाज को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग, बैठकों और कार्यक्रमों के शेड्यूल को व्यवस्थित बनाने के लिए की गई पहल की जानकारी दी। उन्होंने स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में मध्यप्रदेश को पूर्ण सहयोग देने की बात कही।

आयुष्मान भारत योजना पर मध्यप्रदेश का अंतरिम प्रतिवेदन तैयार

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मांडविया को बताया कि प्रशासनिक सुधार और सुशासन के लिए मध्यप्रदेश में विचार-विमर्श, चर्चा और बैठकें नियमित रूप से होती हैं। पचमढ़ी में विशेष चिंतन बैठक हुई थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आइडियाज को क्रियान्वित करने में मध्यप्रदेश सक्रिय रहता है।

श्री चौहान ने बताया कि वाराणसी में हुए सीएम कॉन्क्लेव के बाद मध्यप्रदेश ने आयुष्मान भारत योजना से संबंधित महत्वपूर्ण सुझावों को संकलित किया है। इसका विस्तृत प्रतिवेदन तैयार किया गया है जो शीघ्र ही केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा। श्री मांडविया ने कहा कि आप इस प्रतिवेदन से संबंधित प्रजेंटेशन के लिए आमंत्रित हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को मध्यप्रदेश के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में अस्पतालों के निर्माण के लिए दी जा रही रियायतों और नवीन मेडिकल कालेजों की स्थापना की योजना की भी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को सांची स्तूप की प्रतिकृति भेंट की और मुख्यमंत्री निवास में उनके आगमन पर पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

नागरिक सुविधा के लिए एक प्रकृति के पोर्टल्स को किया जाए समन्वित

भोपाल, नागरिकों को विभिन्न सेवाओं के लिए भिन्न-भिन्न पोर्टल का उपयोग करना पड़ता है। सभी पोर्टल की अलग-अलग जटिलताएं हैं। इससे नागरिकों की समस्याएं बढ़ती हैं। विभाग पोर्टल्स की संख्या कम करने की दिशा में कार्य करें। नागरिक सुविधा को देखते हुए एक प्रकृति के पोर्टल को समन्वित किया जाए। विभिन्न सेवाओं के लिए एकीकृत पोर्टल बनाने की दिशा में समय-सीमा निर्धारित कर कार्य करें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित निवास कार्यालय में सिटीजन सर्विस डिलिवरी पोर्टल संबंधी बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री विनोद कुमार, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनोज गोविल, प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री अमित राठौर, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड श्री नंद कुमारम तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बताया गया कि सिटीजन सर्विस डिलिवरी के लिए हितग्राहीमूलक प्रमाण-पत्र प्रदान करने संबंधी सेवा को ई-सर्विस पोर्टल अथवा ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल में लाया जाएगा। एक सेक्टर के विभागों की सिटीजन आधारित योजनाओं के लिए एक समान गतिविधियों से संबंधित विभागों जैसे कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता आदि के लिए एक प्रकार का पोर्टल विकसित किया जाएगा। इसी प्रकार हितग्राही को भुगतान संबंधी योजनाओं के लिए एक पोर्टल तथा सब्सिडी के लिए भी एक ही पोर्टल बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

मध्यप्रदेश में शांति भंग करने की इजाजत किसी को नहीं - मुख्यमंत्री

जवानों को देंगे ऑउट ऑफ टर्न प्रमोशन और गैलेंट्री अवॉर्ड

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार नक्सलियों को नेस्तनाबूद करने में जुटी हुई है। मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ की सीमा पर लांजी-बहेला चौकी-लोढ़ागी के जंगलों में नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में हमारे जवानों और पुलिसकर्मियों ने तीन इनामी हार्ड कोर नक्सलियों को मार गिराया है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा है कि- 'जान पर खेलकर नक्सलियों को मार गिराने वाले पुलिसकर्मियों को ऑउट ऑफ टर्न प्रमोशन और गैलेंट्री अवॉर्ड दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मी और जवानों की कर्तव्यनिष्ठा और साहस की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश को आप जैसे साहसी वीरों पर गर्व है।'

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश शांति का टापू है और इसकी शांति भंग करने की इजाजत किसी को नहीं है, चाहे वह नक्सली हो या कोई अपराधी हो। हमारी सरकार सज्जनों के लिए फूल से भी कोमल और दुर्जनों के लिए वज्र से ज्यादा कठोर है।

इस कार्यवाही को एएसपी बालाघाट ने लीड किया। उनके साथ हॉक फोर्स और मध्यप्रदेश पुलिस के जवान भी मौजूद थे। एसपी बालाघाट रेंज और सीओ हॉक फोर्स ने पूरी कार्यवाही का मार्गदर्शन किया।

इस मुठभेड़ में नक्सलवाद से जुड़े एक डीसीएम (डिवीजनल कमेटी मेम्बर) और दो एसीएम (एरिया कमेटी मेम्बर) मनोज और रामे (महिला), जिन पर 30 लाख रुपये से अधिक का इनाम है, ढेर हो गए। इनके पास से एके-47, थ्री नॉट थ्री और 12 बोर की एक्शन गन बरामद हुई है।

जीवन की सार्थकता लोक कल्याण के भाव से जीने में है - राज्यपाल

मानव को दूसरों के दुख-दर्द समझने और सहयोग के लिए मिली विशेष क्षमताएं

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एल.एन.सी.टी. यूनिवर्सिटी के द्वितीय दीक्षांत समारोह का शुभारंभ करते हुये।

भोपाल, जीवन की सार्थकता लोक कल्याण के भाव से जीने में है। मानव को दूसरों के दुख-दर्द समझने और सहयोग करने की विशेष क्षमता मिली है। साथ ही संवाद करने की अद्‌भुत शक्ति और मदद का हाथ बढ़ाने की क्षमता दी गई है। समाज के शिक्षित वर्ग का यह दायित्व है कि वह समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों का सहयोग कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल कराए। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल में एल.एन.सी.टी. विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुये कहीं। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वर्ण पदक, पीएच.डी. प्राप्तकर्ताओं को पुरस्कृत किया। राज्यपाल ने सिने अभिनेता श्री सुमन तलवार और समाज सेवी श्री संजीव कुमार को मानद उपाधि से सम्मानित किया।

राज्यपाल ने कहा कि सेवा और सहयोग के लिए साधनों की नहीं सोच की जरूरत होती है। वंचित वर्गों के बच्चों को स्कूल में पढ़ाए गए विषयों के अभ्यास में सहयोग कर उनकी शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। इसके लिए किसी साधन की नहीं दिनचर्या से मात्र एक घंटा समय निकालने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि किसी का सहयोग करने से जो आत्मसंतुष्टि मिलेगी, वह अतुलनीय और आनंददायी होगी। उन्होंने कहा कि कार्य को उत्तरदायित्व के साथ करना सफलता का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से दीक्षांत शपथ का पालन प्रतिदिन करने की अपेक्षा की। श्री पटेल ने कहा कि पीड़ित व्यक्तियों के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, योग करने और आहार का ध्यान रखने पर बल देते हुए कहा कि जो रुचे वह नहीं, जो पचे वह आहार लेना चाहिए।

निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री भरत शरण सिंह ने कहा कि दीक्षा जीवन की शिक्षा का प्रारंभ है। वर्तमान युग विषय-विशेषज्ञता का है। इसलिए निरंतर ज्ञान की प्राप्ति आवश्यक है। महर्षि दधीचि ने मानवता के कल्याण के लिए अपना शरीर दान कर दिया था। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वह अपनी जड़ों को प्राप्त ज्ञान और प्रतिभा से सिंचित करते रहें। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री जे.एन. चौकसे ने कहा कि अच्छा व्यक्ति बनने में जीवन की सार्थकता है। अच्छा व्यक्ति हर परिस्थिति में अच्छा और सफल होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वह पालकों, शिक्षकों का सदैव स्मरण करें। उनके प्रति सदैव आभारी रहें। अपनी अंतरात्मा की आवाज पर कार्य करें। सदैव सीखने और सुनने के लिए तत्पर रहें और स्वयं के प्रति सच्चे रहें।

राज्य सरकार ने योग आयोग के गठन के लिये जारी किये आदेश

भोपाल, राज्य सरकार ने प्रदेश में योग के प्रति जागरूकता, प्रचार-प्रसार और योग शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये योग आयोग का गठन किया है। आयोग का एक स्वतंत्र कार्यालय शासकीय योग प्रशिक्षण केंद्र भोपाल में स्थापित होगा, जिसमें एक सचिव, पदेन निदेशक महर्षि संस्कृत संस्थान, दो मल्टीटॉस्किंग स्टॉफ और आवश्यकता-नुसार सुरक्षा एवं साफ-सफाईकर्मी (आउट सोर्सिंग) होंगे। आयोग समय-समय पर आवश्यकतानुसार बाह्य स्रोतों से विषय-विशेषज्ञ, व्यावसायिक सेवा एवं सलाहकार सेवा प्राप्त कर सकेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है।

आयोग का उद्देश्य

योग आयोग का उद्देश्य यह है कि यह प्रशासकीय विभाग द्वारा गठित निकाय होगा, जो योग संबंधी जागरूकता, प्रचार-प्रसार एवं योग शिक्षा को बढ़ावा देगा, ताकि बाल्यावस्था से आजीवन योग जीवन का हिस्सा बन सके।

आयोग के कर्तव्य

योग आयोग, योग से संबंधित योजना, योग कार्यक्रमों का क्रियान्वयन एवं समीक्षा करेगा। योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं/व्यक्तियों को सम्मानित करने एवं पुरस्कार के लिये चयन करेगा। आवासीय एवं गैर-आवासीय योग प्रशिक्षणों का आयोजन करेगा। प्रदेश की शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में योग को बढ़ावा देने का कार्य करेगा। शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिये योग करने हेतु प्रेरित करेगा एवं आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षणों का आयोजन करेगा। आयोग अपनी गतिविधियों का संचालन महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के माध्यम से करेगा। आयोग का पंजीयन सोसायटी एक्ट के अंतर्गत किया जायेगा। स्कूल शिक्षा विभाग आयोग का प्रशासकीय विभाग होगा, जो आयोग के सुचारु संचालन के नियम बनायेगा।

आयोग की संरचना

स्कूल शिक्षा मंत्री आयोग के पदेन अध्यक्ष, महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष पदेन उपाध्यक्ष और महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के निदेशक पदेन सचिव होंगे।

साथ ही राज्य शासन द्वारा योग के क्षेत्र में कार्य अनुभव रखने वाले 5 अशासकीय सदस्य मनोनीत होंगे। आयोग में स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आयुष एवं चिकित्सा शिक्षा, सामाजिक न्याय, खेल एवं युवा कल्याण, जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास एवं पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव के प्रतिनिधि शासकीय सदस्य होंगे। आयोग में आवश्यकता अनुसार नेहरू युवा केंद्र, राष्ट्रीय सेवा योजना, नेशनल कैडेट कोर, स्काउट गाइड एवं अन्य समूहों के सदस्यों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में बुलाया जा सकेगा। अशासकीय सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष का होगा।

राज्य स्तरीय उच्चाधिकार समिति का गठन

भोपाल, राज्य शासन ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) -2.0 का संचालन करने के लिए राज्य स्तरीय उच्चाधिकार समिति का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया है। समिति में नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य और यांत्रिकी, वित्त और पर्यावरण विभागों के प्रमुख सचिव, अध्यक्ष राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि, राज्य स्तर पर एसबीएम-ग्रामीण के मिशन संचालक, सदस्य होंगे। संचालक, राज्य मिशन स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) सदस्य सचिव होंगे।

समिति द्वारा मिशन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राज्य की संपूर्ण वार्षिक कार्य-योजना का अनुमोदन दिया जाएगा। समिति, समय-समय पर लक्ष्यों और क्रियान्वयन गतिविधियों की योजना बनाएगी एवं उसकी समीक्षा करेगी। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कार्रवाई करेगी। उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अन्तर विभागीय समन्वय स्थापित करने का कार्य करेगी। लघु, मध्यम एवं दीर्घावधि में वित्तीय प्रवाह की योजना एवं अतिरिक्त संसाधन जुटाने की योजना बनाना, योजना में जारी राशि का समय-समय पर पर्यवेक्षण करना तथा ऑडिट रिपोर्ट की समीक्षा की जायेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश में
खरगोन, बालाघाट, नरसिंहपुर,
छिन्दवाड़ा, बीना, धार
एवं अशोकनगर जिलों में
एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006,
9424442725, 9424444174

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की खबरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों
पर उपलब्ध

कृष्ण श्रीनिवासन

एपीडी के निदेशक नियुक्त

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जिएवा ने भारत के कृष्णा श्रीनिवासन को एशिया एवं प्रशांत विभाग (एपीडी) का निदेशक नियुक्त किया है। क्रिस्टालिना ने श्रीनिवासन की तारीफ करते हुये कहा कि वे आईएमएफ परिवार के उच्च सम्मानित सदस्य हैं। उन्होंने अपने कॅरियर के दौरान आईएमएफ के मिशन में महत्वपूर्ण और अभिनव योगदान दिया है। भारतीय नागरिक श्रीनिवासन का आईएमएफ में 27 साल लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने 1994 में आर्थिक कार्यक्रम के जरिये अपना कॅरियर शुरू किया था।

आईआईटी मद्रास ने

सेप्टिक टैंक साफ करने वाला रोबोट बनाया

सेप्टिक टैंक में कचरा साफ करने की प्रक्रिया में आईआईटी मद्रास ने नवाचार करते हुये देश का पहला रोबोट-होमोसेप बनाया है। यह रोबोट सेप्टिक टैंक्स को बिना मानवीय मदद के साफ कर पायेगा। सेंटर फॉर नॉन डिस्ट्रीक्टिव इवैल्युएशन आईआईटी मद्रास में प्रोफेसर और डिपार्टमेंट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में फैकल्टी प्रभु राजागोपाल और उनकी टीम ने सोलिनास इंटीग्रिटी प्राइवेट लिमिटेड नामक स्टार्टअप के साथ मिलकर यह रोबोट तैयार किया है।

रचना ढाका

ब्रिटेन में छात्रसंघ उपाध्यक्ष बनीं

राजस्थान के सीकर जिले के बैरास बासणी गांव की रचना ढाका ने ब्रिटेन की कील यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन की उपाध्यक्ष का चुनाव जीता है। रचना ने अंग्रेजी माध्यम से लॉ की पढ़ाई की जबकि एक समय रचना अंग्रेजी विषय से ही डरती थी। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा हिंदी माध्यम से राजस्थान बोर्ड से की है। फिलहाल वे कील यूनिवर्सिटी से आपराधिक न्याय विषय में स्नातकोत्तर में अध्ययनरत हैं।

दुर्लभ फूड

एक किलो की कीमत ढाई करोड़ रुपये से ज्यादा

जंगलों में पेड़ों की जड़ों के पास पाया जाने वाला ट्रफल नाम का फंगस या कंद दुनिया के सबसे महंगे फूड्स में शुमार है। इटैलियन व्हाइट ट्रफल इनमें सबसे महंगा है और दुर्लभ भी है। कुछ दिनों पहले 2 पाउंड तकरीबन 900 ग्राम व्हाइट ट्रफल 2.33 करोड़ रुपये में बिका है।

वेल्स में

दुनिया का सबसे लंबा नाम वाला गांव

इंग्लैंड के वेल्स में अंग्लेसी द्वीप पर बसा एक गांव दुनिया में सबसे लंबे नाम के कारण मशहूर है। इस गांव के नाम में कुल 58 अक्षर हैं। इतने बड़े नाम का

उच्चारण नहीं कर पाने से लोग संक्षेप में 'लेनफेयर' कहते हैं। 3 हजार की आबादी वाले इस गांव का आधिकारिक नाम LlanfaigPwllgwyngyllgogerychwyrn-drobwllllantysiliogogogoch है। चूंकि इतने बड़े नाम के उच्चारण में कठिनाई होती है। इसलिये इसे 'लेनफेयर' कहा जाने लगा। वेल्स की भाषा के अनुसार इस गांव का नाम 'लाल गुफा के सेंट टायसिलियो द्वारा तेज भंवर के पास सफेद हेजेल पेड़ों के खोखले में सेंट मैरी का चर्च' है।

यूक्रेन में

युद्ध के बाद पहली बार खुला थियेटर

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद राजधानी कीव स्थित एक थिएटर पहली बार दर्शकों के लिये खुला। यहां जिस नाटक का मंचन किया गया उसके टिकट हाथों हाथ विक गये। थिएटर ऑन पोदिल कीव में फिर से खुलने वाला एक और सांस्कृतिक केंद्र है। कीव स्थित सिनेमाघर और नेशनल ओपेरा हाउस मई के अंत में दर्शकों के लिये खोल दिये गये थे। अभिनेता यूरी फेलिपेंको ने कहा कि दर्शकों ने भी हमारा साथ दिया और टिकट हाथों हाथ बिक गये।

कुआलालंपुर में

जलपरी बन गोताखोरों ने किया मनोरंजन

वर्ल्ड ओशन डे के अवसर पर मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में स्थित एक्वेरिया केएलसीसी में अंडर वाटर मर्मेड शो का आयोजन किया गया, जिसमें गोताखोरों ने जलपरी का रूप बनाकर अपने हुनर के जलवे बिखेरे। 60 हजार वर्गफीट में फैले इस एक्वेरिया में 250 से अधिक प्रजातियों के पांच हजार से ज्यादा जीव-जंतु रहते हैं। मछलियों और कछुओं के प्रति जागरूकता फैलाने के लिये कई किओस्क भी स्थापित किये गये हैं।

ब्रिटेन

हेप्टिक सूट से बधिर भी ले सकेंगे संगीत का आनंद

टच टेक्नोलॉजी पर आधारित हेप्टिक सूट संगीत की बीट को महसूस कराता है। इस सूट को इस तरह से बनाया गया है जो कलाइयों, टखनों और धड़ से बंधा होता है। इसमें 24 टच पाइंट हैं, जो बीट के समय वाइब्रेट (कंपन) होते हैं। साथ ही इसमें एलईडी लाइट चलते हैं। जिससे बधिर लोग लाइव संगीत समारोह को महसूस कर उसका आनंद ले सकते हैं। हेप्टिक सूट का लंदन के माइटी हूपला फेस्टिवल में कई बधिरों पर परीक्षण किया गया।

बेसिल राजपक्षे ने

संसद की सदस्यता से दिया इस्तीफा

श्रीलंका में जारी राजनीतिक उठापठक के बीच पूर्व वित्त मंत्री और राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के प्रभावशाली भाई बेसिल राजपक्षे ने संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बेसिल राजनीति में मजबूत पकड़ के कद्दावर नेता माने जाते हैं। उन्हें लंबे समय तक राजपक्षे परिवार का राजनीतिक प्रबंधक भी माना जाता रहा है। उनका इस्तीफा उनके भाई और देश के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के इस्तीफा देने के एक माह बाद आया है।

न्यूयॉर्क में

पालतू जानवरों की बिक्री पर रोक लगाने वाला विधेयक पारित

न्यूयॉर्क की असेंबली में 'द पपी मिल पाइपलाइन' नाम से एक विधेयक पारित हुआ है। इसके तहत दुकानों में कुत्ते, खरगोश और बिल्ली की बिक्री पर रोक लगा दी है। इस

विधेयक को लाने की मांग 2021 में उठी थी, जब एक एजेंसी ने मैनहट्टन शहर के सबसे बड़े पैट स्टोर से जुड़ा खुलासा करते हुये बताया कि स्टोर के बेसमेंट में कई कुत्ते मरने की हालात में कैद किये गये थे। पालतू जानवरों के बचाव के लिये लाया गया यह बिल गवर्नर कैथी होचुल के हस्ताक्षर के बाद कानून के रूप में लागू हो जायेगा।

सानवी सूद ने

सात साल दस माह की उम्र में एवरेस्ट फतह की

रोपड़ की 7 साल 10 महीने की सानवी सूद का छोटी उम्र में पहाड़ जैसा हौसला उसे दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप तक पहुंचा गया। एवरेस्ट फिल्म देखकर 9 दिन बाद ही सानवी माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप में पहुंच गयी थी। इस उम्र में बेस कैंप में पहुंचने वाली वह देश की पहली पर्वतारोही हैं। इसके लिये सानवी रोज 8 से 10 किलोमीटर का सफर प्रतिदिन तय करती थीं।

न्यूजीलैंड में

गाय और भेड़ ने डकार ली तो मालिक भरेगा जुर्माना

अपने एग्रीकल्चर और डेयरी प्रोडक्ट्स के निर्यात के लिये मशहूर न्यूजीलैंड ने पर्यावरण बचाने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। 50 लाख आबादी वाले न्यूजीलैंड में मीथेन सहित ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन रोकने के लिये जानवरों की डकार पर जुर्माना लगाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। देश में लगभग 1 करोड़ से ज्यादा मवेशी हैं, जिसमें सबसे ज्यादा भेड़ और गाय हैं। 2025 से यह जुर्माना मवेशियों के मालिकों को गैस उत्सर्जन अधिक होने पर भरना पड़ेगा।

एलिजाबेथ द्वितीय ने

70 साल 11 दिन शासन कर बनाया रिकॉर्ड

ब्रिटेन की क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय ने थाइलैंड के राजा भूमिबोल के अदुल्यादेज को पीछे छोड़ शासन करने का नया रिकॉर्ड बनाया है। वे इतिहास में सबसे लंबे समय तक शासन करने में फ्रांस के सम्राट लुई 14वें के बाद दूसरे नंबर पर आ गई हैं। भूमिबोल ने 70 साल 126 दिन तक राज किया था, क्वीन का राज इससे ज्यादा हो गया है। लुई 14वें ने 72 साल 110 दिन शासन किया था।

बेला जे डार्क

सबसे कम उम्र में किताब प्रकाशित करने का रिकॉर्ड

ब्रिटेन के वेमाउथ की बेला जे डार्क ने सबसे कम उम्र में किताब प्रकाशित करने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने यह उपलब्धि 5 साल 211 दिन की उम्र में हासिल की है। द लॉस्ट कैट किताब के लिये उनका नाम गिनीज बुक में दर्ज हुआ है। यह एक बिल्ली की कहानी है जो रात में अकेले निकलकर खो जाती है। किताब इसी वर्ष 31 जनवरी को प्रकाशित हुई और अब तक इसकी 1000 प्रतियां बिक चुकी हैं।

कुवैत ने

मिस्र को प्राचीन धरोहर सौंपी

कुवैती संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद के अधिकारियों ने अंतर्राष्ट्रीय संधि के तहत कुवैत स्थित मिस्र के दूतावास जाकर उनकी पांच प्राचीन धरोहरों को उन्हें सौंप दिया। इन धरोहरों में 1400 ईसा पूर्व मिस्र के प्राचीन सूर्य देवता भी शामिल

हैं। इन अनमोल कलाकृतियों को 2019 में मिस्र से तस्करी कर कुवैत लाने के दौरान कुवैत एयरपोर्ट पर तस्करों से जब्त किया गया था। 2018 में भी इसी तरह कुवैत ने लकड़ी से निर्मित प्राचीन मंजूषा को सौंपा था।

बोलीविया की

पूर्व अंतरिम राष्ट्रपति जीनिन अनीज को 10 साल की जेल

बोलीविया की पूर्व अंतरिम राष्ट्रपति जीनिन अनीज को 10 साल जेल की सजा सुनाई गई है। उन पर आरोप था कि बोलीविया में 2019 में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति इवो मोरेल्स ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़ कर भाग गये थे तब जीनिन मौके का फायदा उठाते हुये स्वयं अंतरिम राष्ट्रपति बन गयी थीं। अदालत ने जीनिन को कर्तव्य निर्वहन नहीं करने और संविधान के खिलाफ काम करने का दोषी ठहराया है।

चो सन हुई

उत्तर कोरिया की महिला विदेश मंत्री बनीं

उत्तर कोरिया में पहली बार एक महिला चो सन हुई को विदेश मंत्री बनाया गया है। केसीएनए के अनुसार उप-विदेश मंत्री रहीं चो सन हुई को पदोन्नत किया गया है। परमाणु मध्यस्थ के रूप में जानी जाने वाली चो सन को विदेश मंत्री तब नियुक्त किया गया है जब कोरियाई प्रायद्वीप में काफी तनाव का माहौल है। उनको विदेश मंत्री बनाने का फैसला पार्टी की आठवीं केंद्रीय समिति की बैठक में लिया गया है।

अमनदीप सिंह गिल को

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने प्रौद्योगिकी के लिये दूत नियुक्त किया

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अमनदीप सिंह गिल को प्रौद्योगिकी के लिये अपना दूत नियुक्त किया है। श्री गिल इंटरनेशनल डिजिटल हेल्थ एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च कोलैबोरेटिव प्रोजेक्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं। उन्होंने पहले जिनेवा (2016-18) में निरस्त्रीकरण सम्मेलन में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया है।

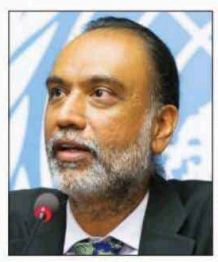

'भोगेश्वर'

एशिया के सबसे लंबे दांतों वाले हाथी का निधन

कर्नाटक और तमिलनाडु के बॉर्डर पर स्थित मशहूर कविनी बैकवाटर में रहने वाले एशिया के सबसे लंबे टस्क (दांत) के कारण मशहूर करीब 70 वर्षीय हाथी 'भोगेश्वर' का निधन हो गया है। भोगेश्वर का एक दांत 2.54 मीटर (8 फीट 4 इंच) लंबा और दूसरा दांत 2.34 मीटर (7 फीट 8 इंच) लंबा था। उसके दोनों दांत हमेशा जमीन को छूते थे।

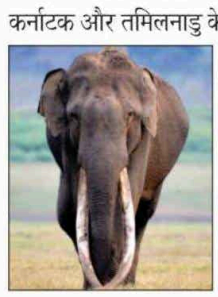

स्मृति शेष

ओलिंपियन धावक हरिचंद का निधन

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले पूर्व ओलिंपियन धावक हरिचंद का 69 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। हरिचंद ने 1978 में बैंकॉक में हुये एशियाई खेलों में 5 हजार और 10 हजार मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीते थे। 1976 में मॉन्ट्रियल ओलिंपिक में उन्होंने भाग लिया था। ऑल इंडिया पोलिस गेम्स में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

रंग और पेंट्स टेक्नोलॉजी की दुनिया में बढ़ गए हैं कॅरियर के अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

कोविड-19 के बाद जैसे-जैसे देश और दुनिया में उद्योग-कारोबार और आर्थिक गतिविधियां आगे बढ़ रही हैं, वैसे-वैसे लोग विभिन्न मनपसंद रंगों और रंगों के प्रयोगों के प्रति काफी सजग हो गए हैं। इस सजगता ने रंग उद्योग (कलर इंडस्ट्री) यानी पेंट इंडस्ट्री की चमक को भी बढ़ा दिया है। मोटर गाड़ियों और कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किए जाने से इस समय तरह-तरह के पेंट्स की भारी मांग है। इन दिनों तमाम नामी पेंट निर्माता कंपनियों के ऐसे विज्ञापन लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जिनके प्राइमर, डिस्टेंपर, इमल्शन, वुड कोटिंग जैसे बहुत सारे पेंट उत्पाद बाजारों में उपलब्ध हैं।

पेंट्स इंडस्ट्री के तेजी से बढ़ने से रोज़गार के मौके बढ़े

इस समय देश में डेकोरेटिव पेंट की बढ़ती जरूरतों के मद्देनजर पेंट इंडस्ट्री का

कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। इस समय देश की पेंट इंडस्ट्री का आकार करीब 50 हजार करोड़ रुपये का है। देश में डेकोरेटिव पेंट का मार्केट करीब 11 फीसदी वार्षिक की दर से बढ़ रहा है। भारतीय पेंट एसोसिएशन तथा पेंट उद्योग से जुड़े उद्यमियों का मानना है कि भारत में पेंट की मांग जिस तेजी से बढ़ रही है और विदेशी पेंट निर्माता कंपनियों के कदम जिस तेजी से भारत की ओर बढ़ रहे हैं, उससे पेंट इंडस्ट्री में रोज़गार के अवसरों में भी लगातार भारी इजाफा हो रहा है। ऐसे में इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की देश ही नहीं अपितु दुनिया में भी भारी मांग लगातार बढ़ रही है।

पेंट टेक्नोलॉजी के विभिन्न पाठ्यक्रम

देश में रंग प्रौद्योगिकी के कई पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। स्टूडेंट अपनी योग्यता के अनुसार कोई भी पाठ्यक्रम चुन सकता है। रंग प्रौद्योगिकी में स्नातक और स्नातकोत्तर, दोनों ही स्तर के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। दोनों पाठ्यक्रमों में विज्ञान विषय मूलतः रसायन विज्ञान के विद्यार्थियों को ही प्रवेश दिया जाता है। जहां तक ग्रेजुएट स्तर के पाठ्यक्रमों का सवाल है, इनमें बी.टेक. इन कलर टेक्नोलॉजी, बीएससी (टेक.) पेंट्स, बी.टेक. इन केमिकल टेक्नोलॉजी, बी.टेक. इन ऑयल एंड पेंट टेक्नोलॉजी जैसे प्रमुख पाठ्यक्रम हैं। कुछ संस्थानों ने अपने स्तर पर इसी से मिलते-जुलते अन्य नाम देकर भी पाठ्यक्रम चलाए हुए हैं, जो मूलतः रंग प्रौद्योगिकी के ही अंश हैं। ग्रेजुएट स्तर के ही अन्य पाठ्यक्रमों में बी.एससी. (टेक.) पेंट एंड वार्निश, पोस्ट बी.एससी. डिप्लोमा इन पेंट एंड वार्निश मेन्युफैक्चरिंग, बी.टेक. इन ऑयल टेक्नोलॉजी उल्लेखनीय हैं। दूसरी ओर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर के पाठ्यक्रम हैं, जिनके लिए पहले ग्रेजुएट स्तर के पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। पोस्ट ग्रेजुएट स्तर के पाठ्यक्रमों में एम.टेक. और एम.एससी. है। पेंट्स की विविध शाखाओं में शोध कार्य करने के भी मौके हैं।

पेंट टेक्नोलॉजी में कोविड-19 के बाद बढ़े नये अवसर

निश्चित रूप से कोविड-19 के बाद पेंट उद्योग तेजी से विस्तार पा रहा है और इसमें नए-नए मौके बढ़ रहे हैं। रंग के

विशेषज्ञों की मांग उनके उत्पादन से कहीं ज्यादा है। प्रशिक्षण के उपरांत आप प्रोडक्शन डिपार्टमेंट से लेकर रिसर्च, डिस्ट्रीब्यूशन, मेन्युफैक्चरिंग आदि विभागों में जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त उपभोक्ता डीलिंग, प्रिंटिंग तथा टीचिंग में भी विकल्प खुले हुए हैं। रंग उद्योग में बहुत आकर्षक वेतन प्रदान किया जाता है। यदि आप किसी पेंट कंपनी से नहीं जुड़ना चाहते हैं तो स्वरोज़गार के रूप में अपना स्वयं का रंग एवं वार्निश का व्यवसाय भी शुरू कर सकते हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि पेंट इंडस्ट्री के बढ़ते मार्केट को देखते हुए एमएसएमई मंत्रालय ने भी गाय के गोबर से बना वैदिक पेंट लॉन्च किया है। डिस्टेम्पर और इमल्शन में आने वाले यह पेंट इको-फ्रेंडली होने के साथ-साथ नॉन टॉक्सिक, एंटी बैक्टीरियल, एंटी फंगल और वॉशेबल भी हैं। देश के कई जिलों में नये उद्यामियों को स्टार्टअप शुरू करने के लिए इस पेंट को बनाने की बकायदा ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

पेंट टेक्नोलॉजी का कोर्स कराने वाले संस्थान

देश में पेंट टेक्नोलॉजी के विशेष इंस्टीट्यूट, केमिकल टेक्नोलॉजी से संबंधित विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा विभिन्न इंडस्ट्रियल एंड केमिकल रिसर्च लेबोरेटरीज के तहत पेंट टेक्नोलॉजी के विभिन्न कोर्स संचालित होते हैं। आप अपनी उपयुक्तता के अनुरूप उपयुक्त गुणवत्तापूर्ण संस्थान का चयन कर अपनी रुचि, क्षमता और योग्यता के अनुरूप किसी उपयुक्त पाठ्यक्रम का चयन करके पेंट टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अच्छे कॅरियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

पेंट टेक्नोलॉजी में कॅरियर की शैक्षणिक जरूरतें एवं स्किल्स

पेंट प्रौद्योगिकी में कॅरियर बनाने के लिए स्टूडेंट को कम से कम बारहवीं उत्तीर्ण

होना आवश्यक है। साथ ही स्टूडेंट की पेंट निर्माण टेक्नोलॉजी एवं केमेस्ट्री विषय में रुचि तथा कम्प्यूटर में दक्षता जरूरी है। रंग प्रौद्योगिकी के विभिन्न पाठ्यक्रमों को सामान्यतः तीन वर्गों में बांटा गया है। पहला वर्ग आधार पाठ्यक्रम का है, जिसमें बेसिक साइंस पर आधारित शैक्षिक पाठ्यक्रम आते हैं। इन पाठ्यक्रमों का आधार रसायन विज्ञान की वो शाखाएं होती हैं, जो सीधे-सीधे रसायनों के मूल से जुड़ती हैं। दूसरे वर्ग के पाठ्यक्रम सीधे-सीधे विभिन्न आधारभूत सामग्री और प्रक्रियाओं के परीक्षण से जुड़े हुए होते हैं। इन पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण की यह व्यवस्था पूरी तरह से कम्प्यूटर आधारित होती है। इस तरह से इंजीनियरिंग और कम्प्यूटर विषयों के अंतर्गत रंग निर्माण और प्रयोग आदि की विधाओं के परीक्षण संपन्न होते हैं। तीसरे वर्ग के पाठ्यक्रम इन तकनीकों से जुड़े हुए हैं, जो रंग के प्रयोग को उजागर करते हैं। इसके अंतर्गत सतही रंग प्रौद्योगिकी यानी सरफेस कोटिंग टेक्नोलॉजी के विभिन्न विषय आते हैं। रंग प्रौद्योगिकी के पाठ्यक्रम में रंग प्रौद्योगिकी के विभिन्न पक्षों, जैसे कच्चा माल, फॉर्मूला तैयार करना, रंग एवं भंडारण पर रिसर्च कार्य, रंगों का अध्ययन, रंग लगाने तथा सूखने और ठोस होने के सिद्धांत, गुणवत्ता नियंत्रण, प्रोडक्शन संबंधी कार्य तथा प्रोजेक्ट के रूप में डिजाइन, कारखानों में प्रशिक्षण एवं सेमिनार आदि को पेश किया जाता है। इन विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए जरूरी स्किल्स को समझकर पाठ्यक्रम का चयन किया जाना चाहिए।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. बाराबती क्रिकेट स्टेडियम किस शहर में स्थित है?
(अ) विशाखापट्टनम (ब) कटक
(स) पुणे (द) बेंगलुरू

2. वर्ष 2017 में किस देश ने पुरुष हॉकी एशिया कप जीता था?
(अ) भारत (ब) जापान
(स) मलेशिया (द) पाकिस्तान

3. इस वर्ष एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में किस खिलाड़ी ने स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) बजरंग पूनिया
(ब) रवि दाहिया
(स) गौरव बालियान
(द) नवीन मलिक

4. किस बल्लेबाज के नाम एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक बनाने का रिकॉर्ड है?
(अ) रिकी पोंटिंग
(ब) ब्रायन लारा
(स) मोहम्मद यूसुफ
(द) मैथ्यू हेडन

5. इस वर्ष इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब किस क्लब ने जीता है?
(अ) लिवरपूल
(ब) आर्सेनल
(स) चेल्सी
(द) मैनचेस्टर सिटी

6. डेविड विला किस देश के दिग्गज फुटबॉलर रह चुके हैं?
(अ) क्रोएशिया (ब) बेल्जियम
(स) स्पेन (द) अर्जेंटीना

7. वन-डे क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले विकेटकीपर हैं?
(अ) महेंद्र सिंह धोनी
(ब) एडम गिलक्रिस्ट
(स) मार्क वाउचर
(द) कुमार संगाकारा

8. आईबीए वूमेंस वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप-2022 का आयोजन किस देश ने किया है?
(अ) तुर्की (ब) मंगोलिया
(स) किर्गिस्तान (द) वियतनाम

9. लुईस हैमिल्टन ने किस वर्ष फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप नहीं जीती है?
(अ) वर्ष 2018 (ब) वर्ष 2019
(स) वर्ष 2020 (द) वर्ष 2021

10. स्पेन ने किस वर्ष फीफा फुटबॉल वर्ल्डकप जीता है?
(अ) वर्ष 2002 (ब) वर्ष 2006
(स) वर्ष 2010 (द) वर्ष 2014

11. इस वर्ष मैड्रिड ओपन में महिला एकल वर्ग में चैम्पियन बनी हैं?
(अ) ओनस जाबेउर
(ब) सिमोना हालेप
(स) जेसिका पेगुला
(द) पेत्रा क्वितोवा

12. पूर्व तेज गेंदबाज ग्लैन मैक्ग्राथ किस देश के क्रिकेटर रह चुके हैं?
(अ) न्यूजीलैंड (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) इंग्लैंड (द) द. अफ्रीका

13. इनमें से कौन-सी महिला खिलाड़ी जिम्नास्टिक से संबंधित हैं?
(अ) दीपा कर्माकर
(ब) अवनि लखेरा
(स) साक्षी मलिक
(द) अंकिता रैना

14. वर्ष 2014 में शीतकालीन ओलिंपिक खेल किस शहर में आयोजित किए गए थे?
(अ) बीजिंग (ब) प्योंगचांग
(स) वेंकुवर (द) सोची

15. सिमोना हालेप ने किस वर्ष विम्बलडन ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था?
(अ) वर्ष 2017 (ब) वर्ष 2018
(स) वर्ष 2019 (द) वर्ष 2020

16. टोक्यो ओलिंपिक-2020 में गोल्फ में महिला वर्ग की स्वर्ण पदक विजेता है?
(अ) हन्नाह ग्रीन
(ब) नैली कोर्डा
(स) अदिति अशोक
(द) लिन जियु

17. टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं?
(अ) युवराज सिंह
(ब) ग्लैन मैक्सवेल
(स) क्रिस गेल
(द) क्विंटन डिकॉक

18. कॉमनवेल्थ गेम्स-2018 में बैडमिंटन में पुरुष एकल वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता हैं?
(अ) किदांबी श्रीकांत
(ब) केंटो मोमोटा
(स) ली चोंग वेई
(द) इनमें से कोई नहीं

19. आइस हॉकी खेल में एक टीम में कितने खिलाड़ी खेलते हैं?
(अ) पांच (ब) छह
(स) सात (द) आठ

20. बुंदेसलीगा किस देश का घरेलू फुटबॉल टूर्नामेंट है?
(अ) जर्मनी (ब) स्पेन
(स) ब्राजील (द) इटली

21. वर्ष 2019 में एफआईएच पुरुष प्रो लीग का खिताब किस देश ने जीता था?
(अ) बेल्जियम (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) ब्रिटेन (द) नीदरलैंड

22. ईरान ने कितनी बार एएफसी एशियन कप का खिताब जीता है?
(अ) एक बार
(ब) दो बार
(स) तीन बार
(द) इनमें से कोई नहीं

23. टोक्यो ओलिंपिक-2020 में पोल वॉल्ट में पुरुष वर्ग के चैम्पियन हैं?
(अ) क्रिस निल्सन
(ब) थिएगो ब्राज
(स) पियोटर लिसेक
(द) अर्माड डुप्लेंटिस

24. वर्ष 2021 में यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग में चैम्पियन बनी थीं?
(अ) एमा राडुकानु
(ब) स्लोएन स्टीफंस
(स) एंजेलिक कर्बर
(द) मेडिसन कीज

25. महिला टेनिस खिलाड़ी बेलिंडा बेनकिक किस देश का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) पोलैंड (ब) स्विट्जरलैंड
(स) सर्विया (द) क्रोएशिया

उत्तर

1. (ब), 2. (अ), 3. (ब), 4. (स), 5. (द), 6. (स), 7. (ब), 8. (अ), 9. (द), 10. (स), 11. (अ), 12. (ब), 13. (अ), 14. (द), 15. (स), 16. (ब), 17. (अ), 18. (स), 19. (ब), 20. (अ), 21. (ब), 22. (स), 23.(द), 24.(अ), 25. (ब)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए

तर्कशक्ति

प्र. (1-5) निम्नलिखित जानकारी को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
आठ व्यक्ति A, B, C, D, E, F, G और H चार विभिन्न महीनों में अर्थात् जनवरी, मार्च, अप्रैल और मई की दो विभिन्न तारीखों अर्थात् 11 और 22 को छुट्टी के लिए जाते हैं। D उस महीने में जाता है, जिसमें दिनों की संख्या सम संख्या में है। D और F के मध्य दो व्यक्ति जाते हैं। E, H के ठीक बाद जाता है, लेकिन समान महीने में नहीं जाता है। C, B के बाद जाता है। A, G से पहले जाता है। C और A के मध्य एक से अधिक व्यक्ति नहीं जाते हैं। C उस महीने में नहीं जाता है जिसमें दिनों की संख्या सम में है। G मार्च में नहीं जाता है। A और G के मध्य एक भी व्यक्ति नहीं जाते हैं।
प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्र. (1) 11 जनवरी को कौन जाता है?
(a) A (b) C
(c) D (d) B

प्र. (2) किस तारीख को A छुट्टी पर जाता है?
(a) 11 अप्रैल (b) 22 मार्च
(c) 11 मई (d) 22 अप्रैल

प्र. (3) F और H के बीच कितने व्यक्ति जाते हैं?
(a) 1
(b) 3
(c) 4
(d) 4 से अधिक

प्र. (4) D के ठीक बाद कौन जाता है?
(a) A (b) C
(c) H (d) G

प्र. (5) 11 मई को कौन छुट्टी पर जाता है?
(a) H (b) G
(c) B (d) A

उत्तर- **(1-5)**
(1) → (d) B
(2) → (d) 22 अप्रैल
(3) → (d) 4 से अधिक
(4) → (a) A
(5) → (b) G

व्याख्या- **(1-5) प्रश्नानुसार,**
11 जनवरी → B
22 जनवरी → H
11 मार्च → E
22 मार्च → C
11 अप्रैल → D
22 अप्रैल → A
11 मई → G
22 मई → F

प्र. (6-10) सात डब्बे एक-दूसरे के ऊपर रखे गए हैं। हर डब्बे में विभिन्न संख्या में फूल रखे गए हैं। अर्थात् 14, 17, 40, 25, 32, 9 और 16। डब्बे A और सबसे अधिक फूल वाले डब्बे के मध्य तीन डब्बे रखे गए हैं। C के ऊपर चार से अधिक डब्बे रखे हैं। E में सबसे अधिक संख्या में फूल नहीं हैं। G में फूलों की संख्या एक सम संख्या का पूर्ण वर्ग है। G और D के बीच डब्बों की संख्या G और C के मध्य डब्बों की संख्या के आधी है। C में एक विषम संख्या के पूर्ण वर्ग की संख्या में फूल रखे गए हैं। D और F में फूलों की संख्या के मध्य अंतर 5 है। F को D के ठीक नीचे रखा गया है। E, B के नीचे रखा गया है। A में E से 15 अधिक फूल हैं। B, A के नीचे रखा गया है।
प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्र. (6) D में फूलों की संख्या कितनी है?
(a) 32 (b) 25
(c) 14/9 (d) 17

प्र. (7) सबसे ऊपर और सबसे नीचे वाले डब्बे में फूलों की संख्या में अंतर कितना है?
(a) 15 (b) 7
(c) 20 (d) 12

प्र. (8) F और 17 फूल वाले डब्बे के मध्य कितने डब्बे रखे हैं?
(a) 1 (b) 3
(c) 2 (d) 4

प्र. (9) G में कितने फूल रखे हैं?
(a) 16 (b) 32
(c) 25 (d) 40

प्र. (10) दूसरे सबसे अधिक फूल किस डब्बे में हैं?
(a) E (b) A
(c) B (d) G

उत्तर- **(6-10)**
(6) → (c) 14/9
(7) → (b) 7
(8) → (c) 2
(9) → (a) 16
(10) → (b) A

व्याख्या- **(6-10) प्रश्नानुसार,**
A → 32
D → 14/9
F → 9/14
G → 16
B → 40
E → 17
C → 25

प्र. (11-15) आठ डब्बे A, B, C, D, E, F, G और H एक के ऊपर एक रखे हैं। F और C के बीच तीन डब्बे रखे हैं। F, C के ऊपर रखा है। B शीर्ष से दूसरे स्थान पर रखा है। E, F के ठीक ऊपर रखा है। H और A के बीच केवल एक डब्बा रखा है। D, A के ठीक ऊपर रखा है।
प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्र. (11) सबसे नीचे कौन-सा डब्बा रखा है?
(a) G (b) B
(c) A (d) C

प्र. (12) D और G के बीच कितने डब्बे रखे हैं?
(a) 4 (b) 5
(c) 2 (d) 0

प्र. (13) सबसे ऊपर कौन-सा डब्बा रखा है?
(a) B (b) G
(c) H (d) F

प्र. (14) D के ठीक ऊपर कौन-सा डब्बा रखा है?
(a) H (b) B
(c) G (d) C

प्र. (15) F के नीचे कौन-सा डब्बा है?
(a) G (b) C
(c) H (d) A

उत्तर- **(11-15)**
(11) → (d) C
(12) → (a) 4
(13) → (b) G
(14) → (a) H
(15) → (c) H

व्याख्या- **(11-15) प्रश्नानुसार,**
8 → G
7 → B
6 → E
5 → F
4 → H
3 → D
2 → A
1 → C

प्र. (16) शब्द "PLATFORMS" में अक्षरों के ऐसे कितने युग्म हैं जिनमें से प्रत्येक के मध्य उतने ही अक्षर हैं जितने अंग्रेजी वर्णमाला श्रृंखला में उनके मध्य होते हैं?
(a) 2 (b) 1
(c) 3 (d) 0

उत्तर- (a) 2

व्याख्या- P L A T F O R M S

प्र. (17) संख्या 936576483 में ऐसे कितने अंक हैं जो समान स्थान पर रहेंगे जब उन्हें दाएं से बाएं ओर बढ़ते क्रम में व्यवस्थित किया जाएगा?
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

उत्तर- (c) 3

व्याख्या- (9) 3 6 5 7 6 (4) 8 (3)
(9) 8 7 6 6 5 (4) 3 (3)

प्र. (18) P, U, V, R और T की लंबाई अलग-अलग है। T, R से लंबा है, लेकिन V से छोटा है। P, U से लंबा है। P, सबसे लंबा नहीं है तो कौन दूसरा सबसे लंबा व्यक्ति है?
(a) P (b) V
(c) U (d) T

उत्तर- (d) T

व्याख्या- V > T > R > P > U

प्र. (19) कथन -
N > E ≥ S ≥ U = V ≤ G
निष्कर्ष - (a)
(b) G > V

उत्तर- केवल (a) अनुसरण करता है।

व्याख्या- (a) ✓
(b) x

प्र. (20) कथन -

निष्कर्ष - (a)
(b) M > D

उत्तर- केवल (b) अनुसरण करता है।

व्याख्या- (a) x
(b) ✓

प्र. (21) कथन -
कुछ मिश्रण, कोल्ड हैं।
कुछ कोल्ड, पिंक हैं।
सभी हॉट, मिश्रण हैं।
निष्कर्ष -
(a) सभी मिश्रण के पिंक होने की संभावना है।
(b) कुछ हॉट, मिश्रण हैं।

उत्तर- दोनों (a) और (b) अनुसरण करते हैं।

व्याख्या- कथनानुसार,

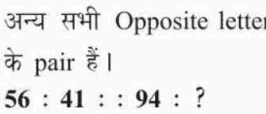

(a) ✓
(b) ✓

प्र. (22) यदि DELHI को 73541 और CALCUTTA को 82589662 कहा जाता है तो CALICUT को क्या कहा जाएगा -
(a) 5279431
(b) 5978213
(c) 8251896
(d) 8543691

उत्तर- (c) 8251896

व्याख्या-
Letter → D E L H I C A U T
Code → 7 3 5 4 1 8 2 9 6

प्र. (23) 19, 38, ?, 228, 684, 1368
(a) 108 (b) 113
(c) 114 (d) 138

उत्तर- (c) 114

व्याख्या- 19 x 2 = 38
38 x 3 = 114
114 x 2 = 228
228 x 3 = 684
684 x 2 = 1368

प्र. (24) विषम पद का चयन करें -
(a) MN (b) NM
(c) OL (d) ET

उत्तर- (d) ET

व्याख्या- अन्य सभी Opposite letters के pair हैं।

प्र. (25) 56 : 41 : : 94 : ?
(a) 49 (b) 53
(c) 60 (d) 89

उत्तर- (a) 49

व्याख्या- 5 x 6 + (5+6) = 41
9 x 4 + (9+4)
36 + 13 = 49

- ऋचा दुबे
(लेखिका, बैंकिंग परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लिखती हैं)

मध्यप्रदेश के जिलों को जानिए

उदयगिरी की गुफाओं के लिए प्रसिद्ध है विदिशा

विदिशा जिला मध्यप्रदेश के मध्य में स्थित भोपाल संभाग का एक जिला है। इसका गठन 1 नवंबर, 1956 को किया गया था। यह भोपाल से करीब 56 किलोमीटर दूर उत्तर पूर्व की तरफ स्थित है। विदिशा के उत्तर में अशोकनगर, पूर्व में सागर, दक्षिण में रायसेन, दक्षिण-पश्चिम में भोपाल और उत्तर-पश्चिम में गुना जिला है।

1904 में विदिशा और बासौदा की तहसीलों को मिलाकर भीलसा जिले के रूप में बनाया गया था। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ तो ग्वालियर राज्य की ये रियासत मध्य भारत राज्य का हिस्सा बन गई। 1956 में इसका नाम बदलकर विदिशा कर दिया गया। 'विदिशा' नाम क्षेत्र में स्थित बैस नदी से लिया गया है, जिसका उल्लेख पुराणों में मिलता है।

जिले में गुप्तकाल में बनी अति प्राचीन उदयगिरी की गुफाओं सहित ऐतिहासिक महत्व के कई दर्शनीय स्थल हैं। विदिशा का इतिहास सम्राट अशोक से भी जुड़ा हुआ है।

इतिहास

ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक दृष्टिकोण से विदिशा मध्यभारत का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जा सकता है। नगर से दो मील उत्तर में जहां, इस समय बेसनगर नामक एक छोटा-सा गांव है, प्राचीन विदिशा शहर बसा हुआ था। बाद में बेतवा नदी के किनारे सातवीं शताब्दी में एक नये शहर का उदय हुआ। जिसका नाम भेलस्वामिन था; जो कि भिलसा या भेलसा का अपभ्रन्श है। यह नगर पहले दो नदियों के संगम पर बसा हुआ था, जो कालांतर में दक्षिण की ओर बढ़ता जा रहा है।

विदिशा के बारे में वाल्मीकी रामायण में उदाहरण मिलता है। जो कि यह दर्शाता है कि शत्रुघ्न का बेटा शत्रुघाति विदिशा का प्रतिनिधि हुआ करता था। ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार सम्राट अशोक को 18 साल की उम्र में उनके पिता बिन्दुसार ने उज्जैन राज्य संभालने को दिया था और जब वे पाटलीपुत्र लौट रहे थे, उस समय वह विदिशा या बैसनगर के साहूकार की बेटी देवी से मिले जो शाक्य कुल की थी और उन्होंने उनके साथ विवाह किया। देवी कभी पाटलीपुत्र नहीं गई और मठ के समान भवन बनाकर पूरे समय बैसनगर में ही रहकर भगवान बुद्ध की पूजा-अर्चना में ही लगी रही।

ई.पू. 5वीं-6वीं सदी में महात्मा बुद्ध के समय विदिशा का विकास चरमोत्कर्ष पर था। भारत के मध्य में स्थित होने के कारण यह चारों तरफ से अनेक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्रों को जोड़ता था। यहां के समृद्ध व्यापारियों ने भी यहाँ के स्तूप व अन्य छोटे-बड़े भवनों के निर्माण में अपना योगदान दिया। प्राचीन व्यापारिक मार्ग पर स्थित यह क्षेत्र पूर्व में हाथी दांत के व्यापार के लिए भी जाना जाता था।

विदिशा पर सूंगा, कान्वा, नागा, वाकाटका, गुप्त, कलचुरी, महिष्मति, परमार, चालुक्य आदि राजवंशों ने राज किया। इन सभी के विदिशा पर राज करने के प्रमाण हैं। इनके समय की मूर्तियां, सिक्के, शिलालेख आदि मौजूद हैं। वर्तमान में यह जिला बैसनगर, उदयपुर, ग्यारसपुर, उदयगिरी, बादौहा पठारी आदि के साथ अस्तित्व में हैं।

अर्थव्यवस्था

कृषि बाहुल्य विदिशा जिले में अधिकांश उद्योग कृषि पर ही आधारित हैं, जिनमें कृषि उपकरण, ग्रेडिंग यूनिट्स सहित ब्रेड और टोस्ट फैक्ट्रियां शामिल हैं। वहीं विदिशा जिले में पैदा होने वाले शरबती गेहूं की मांग देश भर में रहती है। जिसकी क्षेत्र में बहुतायत में पैदावार ली जाती है।

जिले में सोयाबीन दूसरी बड़ी फसल है जो यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती देती है। साथ ही उड़द और चना का उत्पादन भी यहां बड़ी मात्रा में होता है।

विदिशा जिला प्रमुख तथ्य

1. जिले का गठन- 1 नवंबर, 1956
2. संभाग- भोपाल
3. जिला मुख्यालय- विदिशा
4. क्षेत्रफल- 7371 वर्ग किलोमीटर
5. जनसंख्या- 1458875 (पुरुष- 769568, महिलाएं- 689607)
6. लिंग अनुपात- 896
7. जनघनत्व- 198 प्रति वर्ग किलोमीटर
8. साक्षरता- 70.53 प्रतिशत
9. तहसीलें- 12 (विदिशा शहरी, विदिशा ग्रामीण, गंजबासौदा, ग्यारसपुर, कुरवाई, लटेरी, नटेरन, सिरोंज, गुलाबगंज, पठारी, शमशाबाद, त्योंदा)
10. ब्लॉक (विकासखंड) - 7 (विदिशा, बसौदा, कुरवाई, ग्यारसपुर, सिरोंज, लटेरी, नटेरन)
11. ग्राम पंचायत- 577
12. ग्राम- 1524
13. नगर पंचायत- 3
14. नगर पालिका- 3
15. राजस्व संभाग- 8
16. विधानसभा क्षेत्र- 5 (विदिशा, बासौदा, कुरवाई, सिरोंज, शमशाबाद)
17. लोकसभा क्षेत्र- 1 (विदिशा)
18. भाषा एवं बोली- हिन्दी

(सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)

(शेष अगले पृष्ठ पर)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

हिन्दी साहित्य

1. रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक का नाम क्या है?
(A) भरत मुनि (B) मम्मट
(C) अभिनय गुप्त (D) भट्टनायक
उत्तर - (A) भरत मुनि

2. 'भरत मुनि' के ग्रंथ का नाम बताइए?
(A) काव्य प्रकाश (B) हवन्यालोक
(C) नाट्य शास्त्र (D) रूपक रहस्य
उत्तर - (C) नाट्य शास्त्र

3. इनमें से कौनसा आचार्य रस सूत्र का व्याख्याता नहीं है?
(A) आनन्द वर्धन
(B) अभिनव गुप्त
(C) भट्टनायक
(D) भट्टलोलठ
उत्तर - (A) आनन्द वर्धन

4. 'साधारणीकरण' सिद्धांत के प्रवर्तक आचार्य कौन हैं?
(A) भट्टनायक
(B) अभिनव गुप्त
(C) भट्टलोल्लट
(D) शंकुक
उत्तर - (A) भट्टनायक

5. भट्टनायक के भुक्तिवाद का मूल आधार इनमें से क्या है?
(A) न्याय दर्शन
(B) सांख्य दर्शन
(C) शैव दर्शन
(D) वेदान्त दर्शन
उत्तर - (B) सांख्य दर्शन

6. रससूत्र में 'संयोग' का अर्थ 'व्यंग्य-व्यंजक 'संबंध माना है?
(A) भट्टनायक
(B) मट्टलोल्लट
(C) अभिनव गुप्त
(D) रामचन्द्र शुक्ल
उत्तर - (C) अभिनव गुप्त

7. स्थाई भावों की संख्या कितनी मानी गई है?
(A) आठ (B) नौ
(C) दस (D) ग्यारह
उत्तर - (B) नौ

8. इनमें से कौनसा स्थाई भाव नहीं है?
(A) शोक (B) हर्ष
(C) भय (D) विस्मय
उत्तर - (B) हर्ष

9. किस रस को 'रसराज' की संज्ञा दी गई है?
(A) करुण (B) वात्सल्य
(C) श्रृंगार (D) रौद्र
उत्तर - (C) श्रृंगार

10. आलम्बन की चेष्टाओं को क्या कहा जाता है?
(A) भाव (B) अनुभाव
(C) उद्दीपन (D) संचारी
उत्तर - (C) उद्दीपन

11. आश्रय की चेष्टाएं इनमें से किस वर्ग के अन्तर्गत आती हैं?
(A) अनुभाव (B) विभाव
(C) उद्धीपन (D) स्थाई भाव
उत्तर - (A) अनुभाव

12. संचारी भावों की संख्या कितनी होती है?
(A) दस (B) नौ
(C) तैंतीस (D) पच्चीस
उत्तर - (C) तैंतीस

13. इनमें से संचारी भाव कौनसा है?
(A) अपस्मार (B) अवहित्था
(C) व्रीड़ा (D) उपर्युक्त सभी
उत्तर - (D) उपर्युक्त सभी

14. 'असूया' इनमें से किस वर्ग में आयेगा?
(A) विभाव (B) अनुभाव
(C) संचारी भाव (D) स्थाई भाव
उत्तर - (C) संचारी भाव

15. निम्न कथनों में से असत्य कथन छांटिए?
(A) उग्रता संचारी भाव है।
(B) साधारणीकरण रसास्वाद के बाद की प्रक्रिया है।
(C) विभावादि के विशेषत्व का परिहार साधारणीकरण है।
(D) शोक करूण रस का स्थायी भाव है।
उत्तर - (B) साधारणीकरण रसास्वाद के बाद की प्रक्रिया है।

16. व्यंजना शब्द शक्ति का संबंध किससे होता है?
(A) मुख्यार्थ (B) वाच्यार्थ
(C) लक्ष्यार्थ (D) व्यंग्यार्थ
उत्तर - (D) व्यंग्यार्थ

17. रूढ़ि अथवा प्रयोजन के आधार पर किस शब्द शक्ति का अर्थ ग्रहण किया जाता है?
(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यंजना (D) कोई नहीं
उत्तर - (B) लक्षणा

18. "जब सिंह तलवार लेकर उतरा तो गीदड़ भाग गए।" इस वाक्य में कौनसी शब्द शक्ति है?
(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यंजना (D) कोई नहीं
उत्तर - (B) लक्षणा

19. अलंकार सम्प्रदाय के प्रवर्तक का नाम बताइए?
(A) केशव दास
(B) जयदेव
(C) आचार्य भामह
(D) आचार्य कुन्तक
उत्तर - (C) आचार्य भामह

20. उपमेय में उपमान की संभावना होने पर कौनसा अलंकार होता है?
(A) उपमा (B) रूपक
(C) उत्प्रेक्षा (D) संदेह
उत्तर - (C) उत्प्रेक्षा

21. उपमेय का निषेध करते हुए जहां उपमान की स्थापना की जाती है, वहां कौनसा अलंकार होता है?
(A) प्रतीप (B) व्यतिरेक
(C) सन्देह (D) अपहुति
उत्तर - (D) अपहुति

22. कह रघुपति के चरित उदारा। कह मति मोर निरत संसारा। में कौनसा अलंकार है?
(A) प्रति वस्तुपमा
(B) उदाहरण
(C) निदर्शना
(D) भ्रांतिमान
उत्तर - (C) निदर्शना अलंकार

23. रीति के लिए मार्ग 'शब्द' का प्रयोग इनमें से किसने किय है?
(A) आचार्य कुन्तक
(B) आचार्य राजशेखर
(C) आचार्य वामन
(D) आचार्य मम्मट
उत्तर - (A) आचार्य कुन्तक

24. रीति के लिए 'वृत्ति' शब्द का प्रयोग किस आचार्य ने किया है?
(A) आचार्य मम्मट
(B) आचार्य अभिनव गुप्त
(C) आचार्य विश्वनाथ
(D) आचार्य आनन्द वर्धन
उत्तर - (A) आचार्य मम्मट

25. "काव्य अथवा नाटक में वर्णित विषय सदैव विशेष होता है सामान्य नहीं। वह व्यक्ति सामने लाता है, जाति नहीं।" यह कथन किसका है?
(A) बाबू श्यामसुन्दर दास
(B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(C) आचार्य विश्वनाथ
(D) डॉ. नागेन्द्र
उत्तर - (B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

26. वीर रस प्रधान रचना में कौनसा गुण प्रमुख होता है?
(A) ओज (B) प्रसाद
(C) माधुर्य (D) उपर्युक्त सभी
उत्तर - (A) ओज

27. 'रोमांटिसिज्म' का जन्मदाता इनमें से किसको माना जाता है?
(A) कार्ल मार्क्स (B) अरस्तु
(C) रूसो (D) विक्टर-ह्यूगो
उत्तर - (C) रूसो

28. इनमें से असत्य कथन का चयन कीजिए?
(A) मम्मट ने दोषहीनता को काव्य का लक्षण माना है।
(B) नियत वर्ण व्यापार को वृत्ति कहा जाता है।
(C) वैदर्भी रीति का मूल आधार ओज गुण होता है।
(D) पांचाली रीति में माधुर्य एवं सौकुमार्य गुण होते हैं।
उत्तर - (C) वैदर्भी रीति का मूल आधार ओज गुण होता है।

29. लोक व्यवहार में प्रयुक्त न होने वाले शब्दों का काव्य में प्रयोग करने पर कौनसा दोष माना जाता है?
(A) अप्रतीतत्व दोष
(B) अश्लिलत्व दोष
(C) अधिकपदत्व दोष
(D) क्लिष्टत्व दोष
उत्तर - (B) अश्लिलत्व दोष

30. काव्य में अनावश्यक शब्दों का प्रयोग होने पर कौनसा दोष होता है?
(A) न्यूनपदत्व दोष
(B) अधिकपदत्व दोष
(C) अक्रमत्व दोष
(D) दुष्क्रमत्व दोष
उत्तर - (B) अधिकपदत्व दोष

31. कार्य और कारण में संगति न होने पर कौनसा अलंकार होता है?
(A) विभावना (B) निदर्शना
(C) असंगति (D) विशेषोक्ति
उत्तर - (C) असंगति

32. "नाक का मोती अधर की क्रांति से बीज दाड़िम का समझकर भ्रांति से देखकर सहसा हुआ शुक मौन है सोचता है अन्य शुक यह कौन" इन पंक्तियों में कौनसा अलंकार है?
(A) उत्प्रेक्षा (B) भ्रांतिमान
(C) संदेह (D) असंगति
उत्तर - (B) भ्रांतिमान अलंकार

33. "कहै कवि बेनी, बेनी की चुराई लीनी" इस पंक्ति में कौनसा अलंकार है?
(A) रूपक (B) उत्प्रेक्षा
(C) श्लेष (D) यमक
उत्तर - (D) यमक अलंकार

34. 'ध्वनि प्रस्थापन परमाचार्य' की पदवी इनमें से किसको दी जाती है?
(A) आनन्द वर्धन
(B) अभिनव गुप्त
(C) मम्मट
(D) विश्वनाथ
उत्तर - (C) मम्मट

35. "बिम्ब अभिधा की अपेक्षा लक्षणा और व्यंजना पर आधारित होता है।" यह कथन किस समीक्षक का है?
(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(B) केदारनाथ सिंह
(C) देवीशरण रस्तोगी
(D) डॉ. नागेन्द्र
उत्तर - (B) केदारनाथ सिंह

36. 'चाक्षुष बिम्ब' का संबंध किससे होता है?
(A) नेत्र से (B) नासिका से
(C) कर्ण से (D) किसी से नहीं
उत्तर - (A) नेत्र से

37. दिवास्वप्नात्मक अथवा दुःस्वप्नात्मक बिम्ब का दूसरा नाम क्या है?
(A) मिथक (B) प्रतीक
(C) फैंटेसी (D) कल्पना
उत्तर - (C) फैंटेसी

38. मिथक के बारे में क्या सही नहीं है?
(A) मिथक का संबंध अतिमानवीय क्रियाकलापों से होता है।
(B) वह अनेक आद्य बिम्बों का गुच्छा होता है।
(C) इसकी घटनाएं बिना तर्क के स्वीकार कर ली जाती हैं।
(D) यह कल्पना पर आधृत होता है।
उत्तर - (A) मिथक का संबंध अतिमानवीय क्रियाकलापों से होता है।

39. "काव्य शोभा करान् धर्मान् अलंकारान् प्रचक्षते" यह परिभाषा इनमें किस आचार्य ने दी है?
(A) भामह (B) दण्डी
(C) रुद्रट (D) मम्मट
उत्तर - (B) दण्डी

40. "भूषन बिनु न बिराजई कविता बनित मित्त" यह कथन किसका है?
(A) बिहारी (B) मतिराम
(C) केशव दास (D) रहीम
उत्तर - (C) केशवदास

41. इनमें से किस आचार्य ने 'वाक्य रसात्मक काव्य" कहा है?
(A) मम्मट (B) विश्वनाथ
(C) जगन्नाथ (D) अभिनव गुप्त
उत्तर - (B) विश्वनाथ

42. आधुनिकता के बारे में 'तीन अध्याय' किसकी कृति है?
(A) डॉ. नामवर सिंह
(B) डॉ. निर्मला जैन
(C) डॉ. धनंजय वर्मा
(D) डॉ. नागेन्द्र
उत्तर - (C) डॉ. धनंजय वर्मा

43. हिन्दी के रीति ग्रन्थ आलोचना के किस वर्ग से सम्बंधित हैं?
(A) व्यावहारिक समालोचना
(B) सैद्धांतिक समालोचना
(C) निर्णयात्मक समालोचना
(D) शास्त्रीय समालोचना
उत्तर - (B) सैद्धांतिक समालोचना

44. जहां एक 'शब्द' या अप्रस्तुत सम्पूर्ण अर्थ सन्दर्भ को व्यक्त करता है वहां वह इनमें से किस वर्ग के अन्तर्गत आता है?
(A) बिम्ब (B) मिथक
(C) प्रतीप (D) अलंकार
उत्तर - (C) प्रतीप

45. जो बिम्ब एक से अधिक इन्द्रियों को तृप्त करते हैं, वे किस वर्ग में आयेंगे?
(A) एकीकृत बिंब
(B) जटिल बिम्ब
(C) संकुल बिम्ब
(D) चाक्षुष बिम्ब
उत्तर - (C) संकुल बिम्ब

46. इनमें से डॉ. नागेन्द्र का ग्रन्थ कौनसा है?
(A) रस मीमांसा
(B) रस सिद्धांत
(C) साहित्य दर्पण
(D) रसज्ञ रंजन
उत्तर - (B) रस सिद्धांत

47. "संयोग का अर्थ 'अनुमान' एवं निष्पत्ति का अर्थ अनुमिति किस आचार्य ने माना है"?
(A) भट्टलोल्लट
(B) आचार्य शंकुक
(C) भट्टनायक
(D) अभिनव गुप्त
उत्तर - (B) आचार्य शंकुक

48. कौनसा अलंकार अर्थालंकार है?
(A) अनुप्रास (B) श्लेष
(C) यमक (D) प्रतिवस्तुपमा
उत्तर - (D) प्रतिवस्तुपमा

49. मूर्तिदेवी पुरस्कार प्राप्तकर्ता इनमें से कौन नहीं हैं?
(A) कुबेरनाथ राय
(B) विष्णु प्रभाकर
(C) निर्मल वर्मा
(D) जयशंकर प्रसाद
उत्तर - (D) जयशंकर प्रसाद

50. 'मुझे चांद चाहिए' उपन्यास को कौनसा पुरस्कार प्राप्त हुआ है?
(A) ज्ञानपीठ
(B) सरस्वती सम्मान
(C) साहित्य अकादमी
(D) व्यास सम्मान
उत्तर - (C) साहित्य अकादमी

डॉ. राममनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल, के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

1. प्राचीन काल में हिंदू तथा जैन धर्म के समृद्ध केन्द्र के रूप में विदिशा जिले की पहचान थी। जीर्ण अवस्था में बिखरी पड़ी कई खंडहरनुमा इमारतें यह बताती हैं कि यह क्षेत्र ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक दृष्टिकोण से मध्यप्रदेश का सबसे धनी क्षेत्र है।
2. जिले में स्थित गुप्त काल की उदयगिरि की गुफाओं में बेहद जटिल नक्काशी की गई है। ये गुफाएं विदिशा से लगभग 6 किलोमीटर दूर बेतवा और वैस नदी के बीच में स्थित है। एकांत स्थान पर पहाड़ी पर स्थित इन गुफाओं में कई बौद्ध अवशेष भी पाए जाते हैं। भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण द्वारा इन्हें सुरक्षित कर लिया गया है। गुफा में अधिकांश मूर्तियां भगवान शिव और उनके अवतारों को समर्पित हैं। कुछ गुफाओं का संबंध जैन धर्म से भी है। उदयगिरि की गुफा में वराह अवतार की लेटी हुई प्रतिमा अत्यन्त प्रसिद्ध है।
3. पुराणों में विदिशा की चर्चा भद्रावती या भद्रावतीपुरम के रूप में की गई है जबकि जैन ग्रंथों में इसका नाम भद्दुलपुर या भद्दिलपुर मिलता है।
4. विदिशा जिले के बेसनगर में यूनानी राजदूत हेलियोडोरस द्वारा निर्मित गरूड़ स्तंभ स्थित है। इसकी खोज 1877 में अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा की गई थी, इस स्तंभ को खाम्बाबा के नाम से भी जाना जाता है। 20 फीट 7 इंच ऊंचाई वाले इस स्तंभ के ऊपरी भाग में गरूण की खूबसूरत मूर्ति उकेरी गई है। हेलियोडोरस ने इस स्तंभ का निर्माण वैदिक धर्म से प्रभावित होकर किया था।
5. जिले के उदयपुर में परमारकालीन स्थापत्य की भूमिजा शैली में निर्मित प्रसिद्ध नीलकंठेश्वर मंदिर अखंड रूप में हजारों साल बाद भी अपने वैभव की कहानी बयां कर रहा है। इसका निर्माण राजा भोज के पुत्र उदयादित्य ने 1059 से 1080 के बीच कराया था।
6. ग्यारसपुर, विदिशा जिले का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल है, जहां ढेकीनाथ स्तूप, मालादेवी जैन मंदिर होने के अलावा कई अन्य शैव व वैष्णव मंदिरों के अवशेष मिलते हैं। यहां स्थित हिंडोला तोरण भगवान विष्णु को समर्पित विशाल मंदिर का अलंकृत तोरण है।
7. भोपाल के बाणगंगा से निकली छोटी- सी नदी इस्लामनगर से आगे जाकर विदिशा जिले की सीमा में बेतवा की सहायक वैस नदी बन जाती है। विदिशा में बेतवा के चरणतीर्थ घाट से करीब 500 मीटर आगे बेतवा और वैस नदी का संगम होता है। इस स्थान को त्रिवेणी घाट के नाम से जाना जाता है। इसका धार्मिक महत्व है।

- रीता मोदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

OBJECTIVE QUESTIONS FOR COMPETITIVE EXAMINATION

Subject : GENERAL ENGLISH

● **Fill in the blanks with suitable articles. (Question Nos. 1 to 5)**

1. **Raja is ..... Sachin Tendulkar of our college.**
(a) a (b) an
(c) the (d) No article
2. **You can take ..... Wainganga Express to Bangalore.**
(a) a (b) an
(c) the (d) No article
3. **My mother is ..... good cook.**
(a) a (b) an
(c) the (d) No article
4. **I bought ..... book on political issues of India last week.**
(a) a (b) an
(c) the (d) No article
5. **She was born and brought up in ..... west.**
(a) a (b) an
(c) the (d) No article

● **Fill the blank spaces with suitable prepositions. (Question Nos. 6 to 12)**

6. **My brother went to the market ..... vegetables and medicines.**
(a) to (b) by
(c) on (d) for
7. **Raj cut the watermelon ..... a knife.**
(a) through (b) by
(c) from (d) with
8. **Neel was frustrated ..... this situation.**
(a) of (b) on
(c) with (d) at
9. **Her in-laws were good ..... her.**
(a) before (b) at
(c) to (d) in
10. **People often make fun ..... what they do not understand.**
(a) at (b) in
(c) to (d) of
11. **They were tired ..... wandering.**
(a) with (b) into
(c) through (d) of
12. **Raja bought this notebook ..... thirty rupees.**
(a) with (b) to
(c) on (d) for

● **Fill in the blanks with suitable form of the verb. (Question Nos. 13 to 18)**

13. **They ..... chess at present.**
(a) were playing
(b) play
(c) are playing
(d) have played
14. **We will pay him when he ..... the work.**
(a) completed
(b) has completed
(c) is completing
(d) completes
15. **Sinu ..... in this flat since 2006.**
(a) is living
(b) has been living
(c) has lived
(d) lives
16. **Gopi ..... his mother when he was very young.**
(a) is loosing
(b) had been lost
(c) has lost
(d) lost
17. **Geeta ..... the Red Fort in New Delhi.**
(a) had seen (b) saw
(c) has seen (d) sees
18. **He ..... to attend the meeting yesterday.**
(a) does fail
(b) failed
(c) had failed
(d) has failed.

● **Change the Voice. (Question Nos. 19 to 25)**

19. **Copy this matter.**
(a) You should copy this matter.
(b) You must copy this matter.
(c) Let this matter be copied.
(d) You are requested to copy this matter.
20. **Big amount is deposited in the bank by the beggar.**
(a) In the bank big amount is deposited by the beggar.
(b) The beggar in the bank deposited big amount.
(c) The beggar deposits big amount in the bank.
(d) The beggar deposited big amount in the bank.
21. **She was greeted by all the villagers.**
(a) The villagers all greeted her.
(b) All the villagers greeted her.
(c) All the villagers had been greeted by her.
(d) All the villagers greet her.
22. **You can manage that.**
(a) Manage can be done by you.
(b) That can be managed by you.
(c) That can manage by you?
(d) That you can be managed.
23. **Can he play chess?**
(a) Chess can be played by him.
(b) Can chess be played by him?
(c) Can be chess played by him?
(d) Can he be played chess?
24. **Why didn't you tell me?**
(a) Why aren't I told?
(b) Why were not I told you?
(c) Why wasn't I told?
(d) Why wasn't I told you?
25. **I will teach you a lesson.**
(a) You will teach a lesson to me.
(b) A lesson will teach you by me.
(c) A lesson will be taught to me.
(d) You will be taught a lesson by me.

● **Idioms and phrases. (Question Nos. 26 to 30)**

26. **A stumbling block.**
(a) A block in the state.
(b) No impediments to progress.
(c) An obstacle to progress.
(d) An extra effort in work.
27. **Turn a deaf ear.**
(a) Eager to listen to someone.
(b) To ignore what someone is saying.
(c) Pay attention to someone's talk.
(d) To listen with great effort.
28. **Eat like a horse.**
(a) Eating something in small quantity.
(b) Eating dirt due to poverty.
(c) Eating too excessively.
(d) No foods for eating.
29. **Go the extra mile.**
(a) To increase the destination.
(b) To make an extra effort.
(c) Rejecting to make an extra effort.
(d) Wander uselessly for good result.
30. **Take a rain check.**
(a) Postpone a plan.
(b) Check the rain in summer.
(c) Make a new plan.
(d) Take a look at something.

● **Choose the word opposite to the meaning of the given word. (Question Nos. 31 to 35)**

31. **Cowardice**
(a) Fearfulness
(b) Weakness
(c) Courage
(d) Anxiety
32. **Docile**
(a) Obedient
(b) Disobedient
(c) Meek
(d) Tame
33. **Flow**
(a) Flood (b) Ebb
(c) Stream (d) Current
34. **Exclude**
(a) Include (b) Reject
(c) Prohibit (d) Keep out
35. **Urban**
(a) Metropolitan
(b) Town
(c) City
(d) Rural

● **Synonym (Question Nos. 36 to 40)**

36. **Effortless**
(a) Strenuous
(b) Hard
(c) Extol (d) Easy
37. **Abate**
(a) Increase (b) Decline
(c) Amplify (d) Augment
38. **Lethal**
(a) Elastic
(b) Soft
(c) Fatal
(d) Life-giving
39. **Rash**
(a) Calmness (b) Shame
(c) Irritation (d) Smooth
40. **Abominable**
(a) Pleasant
(b) Petite
(c) Attractive
(d) Repulsive

● **One word substitution (Question Nos. 41 to 45)**

41. **A place where animals are killed.**
(a) Caves
(b) Den
(c) Cowshed
(d) Slaughterhouse
42. **A child who stays away from school without permission.**
(a) Docile (b) Truant
(c) Introvert (d) Naughty
43. **People who can vote in an election.**
(a) Candidate (b) Adult
(c) Electorate (d) Mayor
44. **A shelter for a dog.**
(a) Caves (b) Lair
(c) Kennel (d) Den
45. **Humour that describes the weaknesses.**
(a) Lyric (b) Ode
(c) Satire (d) Parody

● **In each of the following questions, find out the correctly spelt word. (Questions 46 to 50)**

46. (a) Language
(b) Langavague
(c) Lengauge
(d) Languvage
47. (a) Refrigeretor
(b) Refrigarator
(c) Refrigerator
(d) Refrigerotor
48. (a) Perliament
(b) Parlieament
(c) Parluament
(d) Parliament
49. (a) Risearch
(b) Resairch
(c) Researche
(d) Research
50. (a) Auditorium
(b) Ouditorium
(c) Auditarium
(d) Auditerium

Answers

1. c, 2. c, 3. a, 4. a, 5. c, 6. d, 7. d, 8. d, 9. c, 10. d, 11. d, 12. d, 13. c, 14. d, 15. b, 16. d, 17. b, 18. b, 19. c, 20. c, 21. b, 22. b, 23. b, 24. c, 25. d, 26. c, 27. b, 28. c, 29. b, 30. a, 31. c, 32. b, 33. b, 34. a, 35. d, 36. d, 37. b, 38. c, 39. c, 40. d, 41. d, 42. b, 43. c, 44. c, 45. c, 46. a, 47. c, 48. d, 49. d, 50. a.

Explanation

2. Article 'the' is used before the names of trains. As Wainganga Express is a train name, article 'the' is placed before it.

- Prafulkumar Prakash Vaidhya
(Assistant Professor in English
Sardar Patel Mahavidyalaya,
Chandrapur)

बारह करोड़ डोज लगाने पर मुख्यमंत्री ने दी बधाई

मध्यप्रदेश ने स्वास्थ्य सूचना प्लेटफॉर्म को बनाया पेपरलेस

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने कोविड-19 में संक्रमण और महामारी से बचाव के लिए वैक्सीन के डोज लगाने के अभियान में ऐतिहासिक लक्ष्य को प्राप्त किया है। प्रदेशवासियों को कुल 12 करोड़ डोज लगाए जा चुके हैं। इस उपलब्धि के लिए प्रदेश के नागरिक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, प्रशासनिक अमला और जन-प्रतिनिधि बधाई के पात्र हैं।

मध्यप्रदेश में जिस तरह कोरोना नियंत्रण में जनभागीदारी से सफलता प्राप्त की, उसी प्रकार वैक्सीन लगवाने के लिए जनता को जागरूक करने का कार्य भी सफल रहा। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने निर्धारित केंद्रों के साथ ही विभिन्न सार्वजनिक स्थानों और सुदूर अंचलों तक जाकर अपनी ड्यूटी पूरी की। मध्यप्रदेश स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

मध्यप्रदेश ने स्वास्थ्य सूचना प्लेटफार्म को पेपरलेस बनाकर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के डिजीटल इंडिया के स्वप्न को साकार करने में मध्यप्रदेश ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मध्यप्रदेश को इस उपलब्धि के लिए नई दिल्ली में आईडीएसपी (एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम) की राष्ट्रीय स्तर की बैठक में सम्मानित किया गया है। आईएचआईपी (इंटीग्रेटेड हेल्थ इन्फार्मेशन प्लेटफार्म) का उपयोग संक्रामक रोगों की तत्काल सूचना प्राप्त कर नियंत्रण और रोकथाम के प्रयासों को बढ़ाने में किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री की केंद्रीय उपभोक्ता मंत्री से भेंट

प्राइज स्टेबिलिटी फण्ड से ग्रीष्मकालीन मूंग के उपार्जन का अनुरोध

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री पीयूष गोयल से कृषि भवन स्थित उनके कार्यालय में भेंट कर मध्यप्रदेश में उपार्जन और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री श्री गोयल को अवगत कराया कि प्रदेश में फसल विविधीकरण में दलहन फसलों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस वर्ष ग्रीष्मकालीन मूंग का उत्पादन 16 लाख मीट्रिक टन होने की संभावना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि अधिक उत्पादन के कारण ग्रीष्मकालीन मूंग का प्रचलित बाजार भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चला गया है। उन्होंने श्री गोयल से अनुरोध किया कि उत्पादन में वृद्धि और किसानों के हित देखते हुए विपणन वर्ष 2022-23 में प्राइस स्टेबिलिटी फण्ड से मूंग के कुल उत्पादन 16 लाख मीट्रिक टन की 25 प्रतिशत मात्रा 4 लाख मीट्रिक टन के उपार्जन की अनुमति प्रदान की जाये।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री श्री गोयल से विगत कई वर्षों से लम्बित लगभग छह हजार करोड़ रुपये की राशि भी मध्यप्रदेश के लिये शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया। श्री गोयल ने मुख्यमंत्री को मंत्रालय द्वारा हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

जनजातीय संग्रहालय में एक जुलाई से प्रवेश और फोटोग्राफी शुल्क में वृद्धि

भारतीय के लिए 20 और विदेशी पर्यटक के लिए 400 रुपये प्रवेश शुल्क

भोपाल, मध्यप्रदेश की जनजातियों के जीवन, देशज ज्ञान, कला परंपरा और सौन्दर्यबोध पर एकाग्र स्थापित मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में प्रवेश एवं फोटोग्राफी शुल्क में वृद्धि की गई है। शुल्क वृद्धि 1 जुलाई, 2022 से लागू होगी। भारतीय दर्शक (10 वर्ष से अधिक आयु) के लिए 20 रुपये, विदेशी दर्शक (10 वर्ष से अधिक आयु) के लिये 400 रुपये प्रवेश शुल्क होगा। इसी तरह फोटोग्राफी प्रति कैमरा/मोबाइल (अव्यवसायिक बिना स्टैण्ड, ट्रायपॉड, सेल्फीस्टिक) के लिए 100 रुपये शुल्क निश्चित किया गया है।

संग्रहालय दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक दर्शकों के लिए खुला रहता है। संग्रहालय की विभिन्न दीर्घाओं में मध्यप्रदेश के जनजातीय समुदायों के आवास के वास्तुगत, शिल्पगत और व्यवहारगत रूप प्रदर्शित हैं।

संग्रहालय की 6 अलग-अलग दीर्घाओं में जनजातीय जीवन की झलक, उनके परिवेश, खेल, संस्कृति, देवलोक आदि देखने को मिलते हैं। प्रत्येक दीर्घा में जिज्ञासु और शोधार्थियों के लिए कियोस्क स्थापित किए गए हैं, जिससे हिंदी और अंग्रेजी में विस्तार से जाना-समझा जा सकता है।

खेल चर्चा

भारत-दक्षिण अफ्रीका ट्वेंटी-20 सीरीज बराबरी पर खत्म

बेंगलुरू, भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली गई पांच मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज 2-2 से बराबर रही। सीरीज का पांचवां और निर्णायक ट्वेंटी-20 मैच बेंगलुरू में खेला जाना था, लेकिन बारिश के कारण मैच रद्द हो गया। बारिश के कारण पांचवां मैच देरी से शुरू हुआ। मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी की। मैच में महज 3.3 ओवरों का खेल ही हो पाया था कि भारी बारिश होने लगी। इसके बाद मैच को रद्द कर दिया गया, जिससे दोनों देशों ने सीरीज साझा की। सीरीज का पहला मैच दक्षिण अफ्रीका ने 7 विकेट तथा दूसरा मैच 4 विकेट से जीता था। इसके बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुये तीसरा मैच 48 रन तथा चौथा मैच 82 रन से जीतकर सीरीज में बराबरी की थी। सीरीज में 6 विकेट लेने वाले भुवनेश्वर कुमार को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया।

मैक्स वर्स्टापेन ने जीती कनाडियन ग्रांप्री रेस

मॉन्ट्रियल, नीदरलैंड्स के फॉर्मूला-वन रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने कार्लोस सेंज को पीछे छोड़कर कनाडियन ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस में जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ वर्स्टापेन ने ड्राइवर्स चैंपियनशिप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। चैंपियनशिप में वर्स्टापेन 175 अंकों के साथ शीर्ष पर चल रहे हैं। वर्स्टापेन ने कनाडियन ग्रांप्री में पोल पोजिशन के साथ रेस शुरू की थी। वर्स्टापेन ने रेस में पूरे समय अपना दबदबा बनाये रखा। वर्स्टापेन ने 70 लैप की इस रेस को एक घंटा 36 मिनट 21.757 सेकेंड में पूरा किया। रेस में कार्लोस सेंज दूसरे, लुईस हैमिल्टन तीसरे, जॉर्ज रसेल चौथे तथा चार्ल्स लेकलर्क पांचवें स्थान पर रहे।

यूएस ओपन में खेलेंगे रूस और बेलारूस के खिलाड़ी

न्यूयॉर्क, रूस और बेलारूस के टेनिस खिलाड़ी वर्ष के अंतिम ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट यूएस ओपन में खेलते हुये नजर आयेंगे। यूएस ओपन के आयोजक यूएस टेनिस एसोसिएशन (यूएसटीए) ने कहा कि वे विम्बलडन का अनुसरण नहीं करेंगे और रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध नहीं लगायेंगे। यूएसटीए के प्रमुख लेव शेर ने कहा कि रूस के यूक्रेन पर आक्रमण ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। हमें लगता है कि देशों की सरकार द्वारा लिये गये फैसलों के लिये खिलाड़ी जिम्मेदार नहीं हैं। रूस और बेलारूस के खिलाड़ी यूएस ओपन में तटस्थ झंडे के तले खेल सकेंगे।

विलियम पोर्टरफील्ड ने क्रिकेट से लिया संन्यास

डबलिन, आयरलैंड के पूर्व कप्तान विलियम पोर्टरफील्ड ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। 37 वर्षीय पोर्टरफील्ड ने आयरलैंड क्रिकेट बोर्ड को अपने फैसले से अवगत कराया है। पोर्टरफील्ड आयरलैंड के लिये तीसरे सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी तथा दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। पोर्टरफील्ड ने आयरलैंड के लिये 3 टेस्ट, 148 वन-डे और 61 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। पोर्टरफील्ड ने वन-डे में 4343 रन बनाये हैं। इनमें 11 शतक भी शामिल हैं। इसके अलावा पोर्टरफील्ड ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 1079 रन भी बनाये हैं। पोर्टरफील्ड ने पांच अगस्त, 2006 में स्कॉटलैंड के खिलाफ पदार्पण किया था।

मध्यप्रदेश रणजी टीम होगी पुरस्कृत और सम्मानित - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रणजी ट्रॉफी फाइनल में विजय प्राप्त करने के लिए मध्यप्रदेश की क्रिकेट टीम को शुभकामनाएं दी हैं। रणजी ट्रॉफी के फाइनल मैच में मध्यप्रदेश का मुकाबला मुंबई से है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा मध्यप्रदेश की क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को सेमीफाइनल में मिली विजय के लिए बधाई देते हुए उनसे बातचीत की और उनका मनोबल बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई कार्य असंभव नहीं है। जहां चाह होती है, वहां राह को निकलना ही पड़ता है। श्री चौहान ने कहा कि रणजी ट्रॉफी के क्रिकेट खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री निवास में आमंत्रित करने के साथ ही सम्मानित भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने टीम के कप्तान श्री आदित्य श्रीवास्तव सहित अन्य खिलाड़ियों से बातचीत की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की टीम अपराजेय रहकर फाइनल में पहुंची है। मध्यप्रदेश की टीम शानदार प्रदर्शन जारी रखे। सेमीफाइनल में मिली विजय एक पड़ाव है, मंजिल नहीं। वे प्रदेश की जनता की ओर से टीम को शुभकामनाएं दे रहे हैं। श्री चौहान ने खिलाड़ियों से कहा कि पीछे मुड़कर मत देखना, आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मैं आप सभी को हृदय से बधाई देते हुए आपका अभिनंदन करता हूं। स्वामी विवेकानंद के शब्द मुझे हमेशा याद आते हैं, वे युवाओं को प्रोत्साहित करते हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की टीम ने शानदार जीत की जो परम्परा कायम की है वह जारी रखें। आप लोग टेंशन फ्री रहें। जोश से खेलें। कोई भी टीम जब जीतती है तो वह जीत ओवर ऑल टीम की जीत होती है। आप सभी खेलिए और जीतिए। खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री निवास में पुरस्कार दिया जाएगा और अभिनंदन किया जाएगा। श्री चौहान ने टीम के कोच और पूर्व रणजी खिलाड़ी श्री चंद्रकांत पंडित से भी चर्चा की और उनके द्वारा टीम के मार्गदर्शन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ी हिमांशु मंत्री, कुमार कार्तिकेय और रजत पाटीदार के विशेष प्रदर्शन की प्रशंसा की।

मध्यप्रदेश की जीत का सिलसिला

इस सीजन में मध्यप्रदेश ने अभी तक पांच मैच खेले, जिनमें से 4 मैचों में विजय प्राप्त की। एक मैच ड्रा रहा। 17 फरवरी को प्रथम मैच में मध्यप्रदेश ने गुजरात को 106 रन से पराजित कर विजय प्राप्त की। इसके पश्चात 24 फरवरी को मेघालय को एक इनिंग और 301 रन से पराजित कर जीत हासिल की। तीसरा मैच 3 मार्च को केरल से हुआ, जिसका परिणाम ड्रा हुआ। चौथा मैच 6 जून को पंजाब के साथ खेला गया, जिसमें मध्यप्रदेश को 10 विकेट से जीत प्राप्त हुई। पांचवां मैच 14 जून को पश्चिम बंगाल से खेला गया, जिसमें मध्यप्रदेश ने 174 रन से विजय प्राप्त की।

हॉकी विश्वकप में सविता होंगी भारत की कप्तान

नई दिल्ली, हॉकी इंडिया ने स्पेन और नीदरलैंड्स में एक जुलाई से आयोजित होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्वकप के लिये भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। हॉकी इंडिया ने 18 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान गोलकीपर सविता को सौंपी है। टीम की नियमित कप्तान रानी रामपाल चोट के चलते टीम में जगह नहीं बना पाईं। रानी टोक्यो ओलिंपिक के बाद से ही चोट के चलते टीम से बाहर चल रही हैं। दीप ग्रेस एक्का को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। टीम में सविता और दीप ग्रेस एक्का के अलावा बिचु देवी खरीबाम, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, निशा, सुशीला चानू, मोनिका, नेहा, ज्योति, नवजोत कौर, सेनिका, सलीमा टेटे, वंदना कटारिया, लालरेमसियामी, नवनीत कौर और शर्मिला देवी शामिल हैं।

विक्टर एक्सेलसन ने जीता इंडोनेशिया ओपन

जकार्ता, टोक्यो ओलिंपिक में बैडमिंटन का स्वर्ण पदक जीतने वाले विक्टर एक्सेलसन ने इंडोनेशिया ओपन का खिताब अपने नाम किया है। एक्सेलसन ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में चीन के झाओ जुनपेंग को आसान मुकाबले में 21-9, 21-10 से हराया। एक्सेलन ने लगातार दूसरी बार यह खिताब जीता है। एक्सेलसन ने पिछले वर्ष इंडोनेशिया ओपन में लोह कीन येव को 21-13,9-21, 21-13 से हराकर खिताब जीता था। इंडोनेशिया ओपन में महिला एकल वर्ग का खिताब ताई जू यिंग ने जीता। यिंग ने फाइनल में वांग झीयी को 23-21, 21-6, 21-15 से हराया। ताई जू यिंग ने तीसरी बार यह खिताब जीता है।

विश्व युवा चैंपियनशिप में सनापति ने जीता स्वर्ण पदक

लियोन, गुरुनायडू सनापति मैक्सिको के लियोन में चल रही आईडब्ल्यूएफ (अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ) विश्व युवा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय भारोत्तोलक बन गए हैं। इस 16 वर्षीय भारोत्तोलक ने 55 किलोग्राम भार वर्ग में 230 किलोग्राम (104 किलोग्राम और 126 किलोग्राम) के कुल प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता।

सनापति ने एशियाई युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2020 में कांस्य पदक जीता था। विश्व युवा चैंपियनशिप में सऊदी अरब के अली मजीद 229 किलोग्राम (105 किलोग्राम और 124 किलोग्राम) दूसरे तथा कजाकिस्तान के येरासिल उमरोव 224 किलोग्राम (100 किलोग्राम और 124 किलोग्राम) तीसरे स्थान पर रहे।

सनापति के अलावा भारत की सौम्या एस. दलवी ने प्रतियोगिता के दूसरे दिन अपनी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। दलवी ने लड़कियों के 45 किलोग्राम में 148 किलोग्राम (65 किलोग्राम और 83 किलोग्राम) भार उठाकर फिलीपींस की रोज ए रामोस- 155 किलोग्राम (70 किलोग्राम और 85 किलोग्राम) तथा वेनेजुएला की केर्लिस एम. मोंटिला- 153 किलोग्राम (71 किलोग्राम और 82 किलोग्राम) के बाद तीसरा स्थान हासिल किया।

इस स्पर्धा में भाग लेने वाली एक अन्य भारतीय खिलाड़ी आर. भवानी 132 किलोग्राम (57 किलोग्राम और 75 किलोग्राम) के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ आठवें स्थान पर रहीं। भारत ने इस प्रतियोगिता में चार पदक जीते हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन आकांक्षा किशोर व्यावरे और विजय प्रजापति ने अपनी स्पर्धाओं में रजत पदक जीते थे।

मेदवेदेव को हराकर हुर्काज बने हाले ओपन चैंपियन

हाले, पोलैंड के युवा टेनिस खिलाड़ी हुबर्ट हुर्काज ने हाले ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। हुर्काज ने हाले ओपन के फाइनल में विश्व के नंबर वन पुरुष टेनिस खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव को 6-1, 6-4 से हराया। ग्रास कोर्ट पर हुर्काज का यह पहला खिताब है, जबकि उनके टेनिस कॅरियर का यह पांचवां खिताब है।

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस को हराने के बाद हुर्काज का सामना रूसी स्टार डेनिल मेदवेदेव से हुआ। मेदवेदेव को फाइनल में जीत का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन मेदवेदेव महज 64 मिनट ही हुर्काज के सामने टिक पाये। अपनी तेज सर्विस के लिये मशहूर हुर्काज ने पहले सेट में मेदवेदेव को टिकने नहीं दिया और आसानी से 6-1 से सेट जीता। दूसरे सेट में हुर्काज ने 6-4 से जीत दर्ज की।

बर्लिन ओपन में जाबेउर बनीं चैंपियन

बर्लिन, ट्यूनीशिया की महिला खिलाड़ी ओन्स जाबेउर ने बर्लिन ओपन डब्ल्यूटीए खिताब अपने नाम किया है। जाबेउर ने महिला एकल वर्ग के फाइनल में स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनकिक को हराया। मैच के पहले सेट में जाबेउर ने बेनकिक को 6-3 से हराया। जाबेउर दूसरे सेट में बेनकिक चोटिल हो गईं और मैच से हट गईं।

फीफा ने विश्वकप-2026 के मैच स्थल किये तय

लुसाने, विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने वर्ष 2026 में आयोजित होने वाले फीफा फुटबॉल विश्वकप के लिये मैच स्थल घोषित कर दिये हैं। फीफा ने बताया कि अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको संयुक्त रूप से विश्वकप-2026 की मेजबानी करेंगे। विश्वकप के मुकाबले अमेरिका के 11, कनाडा के 2 तथा मैक्सिको के 3 शहरों में खेले जायेंगे। फीफा विश्वकप-2026 में कुल 80 मैच खेले जायेंगे, जिनमें से 60 मैच की मेजबानी अमेरिका तथा 10-10 मैचों की मेजबानी कनाडा तथा मैक्सिको करेंगे। अमेरिका के सभी मैच स्थल एनएफएल टीमों के होम ग्राउंड हैं। इन सभी स्टेडियम की दर्शक क्षमता 70 हजार से ज्यादा है। उल्लेखनीय है कि इस विश्वकप में पहली बार 48 टीमें हिस्सा लेंगी।

कुआर्ताने गेम्स

नीरज चोपड़ा ने जीता स्वर्ण पदक

हेलसिंकी, टोक्यो ओलिंपिक के चैंपियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपना जलवा दिखाया है। उन्होंने कुआर्ताने गेम्स से स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगा लहरा दिया है। नीरज यह प्रतियोगिता जीतने वाले पहले भारतीय हैं। इस प्रतियोगिता में नीरज ने अपने पहले ही प्रयास में 86.69 मीटर दूर भाला फेंका, जो कि निर्णायक साबित हुआ। इस प्रतियोगिता में शामिल कोई भी दूसरा खिलाड़ी इतनी दूर भाला नहीं फेंक पाया। ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद नीरज दूसरी प्रतियोगिता में शामिल हुए थे और उन्होंने एक बार फिर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। इससे पहले वे पावो नुरमी गेम्स में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने 89.30 मीटर दूर भाला फेंककर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा था और सबसे दूर भाला फेंकने का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

भारत के लिए सबसे दूर भाला फेंकने

का रिकॉर्ड इससे पहले भी नीरज के ही नाम था, जिन्होंने टोक्यो ओलिंपिक में 87.58 मीटर का थ्रो किया था। हालांकि, पावो नुरमी गेम्स में नीरज स्वर्ण पदक नहीं जीत पाए थे। उन्हें रजत पदक के साथ संतोष करना पड़ा था। फिनलैंड के हेलांडेर ने 89.93 मीटर के साथ इस प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

इस साल 93.07 मीटर भाला फेंक कर सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले ग्रेनाडा के एंडर्सन पीटर्स को नीरज ने चार दिनों के अंदर दूसरी बार पराजित किया। पीटर्स ने 84.75 मीटर के साथ कांस्य जीता। भारत के पैरा थ्रोअर संदीप चौधरी ने भी यहां भाग लिया, लेकिन 60.35 मीटर के साथ वह आठवें स्थान पर रहे। पावो नूरमी गेम्स में नीरज को परास्त करने वाले फिनलैंड के ओलिवर हेलांडेर ने ट्रैक की स्थितियों को देख अपना नाम वापस ले लिया। नीरज की दूसरी और तीसरी थ्रो फाउल रही।

दूसरा थ्रो नहीं कर पाए नीरज

कुआर्ताने गेम्स में अपने पहले ही प्रयास में 86.69 मीटर की दूरी तय करने के बाद नीरज कोई सफल प्रयास नहीं कर पाए। बारिश वाले हालातों में नीरज ने अपने पहले प्रयास में शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन उनका दूसरा प्रयास अमान्य रहा और तीसरे प्रयास में वो फिसल गए। इसके बाद उन्होंने कोई प्रयास नहीं किया।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

सामयिकी

• ब्रिटेन में •

पिछले तीस सालों की सबसे बड़ी रेल हड़ताल

ब्रिटेन में रेल हड़ताल हो गयी है। पिछले 30 सालों में अब तक की यह सबसे बड़ी रेल हड़ताल है। वेतन विवाद को लेकर दसियों

हजार कर्मचारी बाहर चले गए हैं। रेल यूनियनों ने चेतावनी दी है कि अन्य उद्योगों में भी समन्वित कार्रवाई हो सकती है। ब्रिटिश सरकार पहले से ही दशकों में सबसे बड़ी आर्थिक तंगी का सामना कर रही है। खाद्य और ईंधन की कीमतों में वृद्धि के साथ मुद्रास्फीति 10 प्रतिशत की ओर बढ़ रही है, जबकि औसत मजदूरी 2006 में मुद्रास्फीति के लिए समायोजित होने की तुलना में अधिक नहीं है। वेतन और नौकरी में कटौती को लेकर 50,000 से अधिक रेल कर्मचारी हड़ताल कर रहे हैं। इसके साथ ही शिक्षकों, चिकित्सकों और यहां तक कि औद्योगिक कार्रवाई के लिए वकील भी इस हड़ताल में शामिल हो रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग किसी व्यक्ति मात्र के लिये नहीं संपूर्ण मानवता के लिये है - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हजारों लोगों के साथ मैसूर पैलेस ग्राउंड में

- **वर्ष 2015 से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे विश्व में हर वर्ष 21 जून को मनाया जा रहा है। इस वर्ष के योग दिवस की विषयवस्तु 'मानवता के लिये योग' है। यह विषयवस्तु बताती है कि कोविड महामारी के दौरान बीमारी की पीड़ा हरने में कैसे योग ने मानव मात्र की सेवा की।**

विराट योग प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि मैसूर जैसे आध्यात्मिक केंद्रों ने जिस योग-ऊर्जा को सदियों से पोषित किया, आज वह योग-ऊर्जा विश्व स्वास्थ्य को दिशा दे रही है। आज योग वैश्विक सहयोग का पारस्परिक आधार बन रहा है और योग मानव मात्र को निरोग जीवन का विश्वास दे रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हम देख रहे हैं कि योग घरों से बाहर निकलकर पूरे विश्व में फैल गया है और यह आध्यात्मिक बोध, प्राकृतिक और साझा मानव चेतना का प्रतीक बन गया है, खासतौर से अभूतपूर्व महामारी के पिछले दो वर्षों के दौरान। उन्होंने कहा, "योग अब वैश्विक पर्व बन गया है। योग किसी व्यक्ति मात्र के लिये नहीं, संपूर्ण मानवता के लिये है।" मनीषियों का उद्धरण देते हुये प्रधानमंत्री ने कहा, "योग हमें शांति देता है। योग से प्राप्त शांति किसी व्यक्ति मात्र के लिये नहीं है। योग हमारे समाज में शांति लाता है। योग हमारे राष्ट्रों और विश्व में शांति लाता है और योग हमारे ब्रह्माण्ड में शांति लाता है।" उन्होंने आगे कहा, "यह पूरा ब्रह्माण्ड हमारे अपने शरीर और आत्मा से आरंभ होता है। ब्रह्माण्ड हमसे आरंभ होता है और योग हमें भीतर से चेतन करता है और जागरूकता की भावना पैदा करता है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में इस बार योग दिवस हम एक ऐसे समय पर मना रहे हैं, जब देश अपनी आजादी के 75वें वर्ष का पर्व मना रहा है, अमृत महोत्सव मना रहा है। योग दिवस की यह व्यापकता, यह स्वीकार्यता भारत की उस अमृत भावना की स्वीकार्यता है, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को ऊर्जा दी थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि यही कारण है कि देशभर के उन 75 प्रमुख स्थलों पर विराट योग प्रदर्शनों का आयोजन किया जा रहा है, जो भारत के गौरवशाली इतिहास के साक्षी रहे हैं तथा जो सांस्कृतिक ऊर्जा के केंद्र रहे हैं। उन्होंने कहा, "भारत के ऐतिहासिक स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास का अनुभव भारत के अतीत, भारत की विविधता और भारत के विस्तार को एक सूत्र में पिरोने जैसा है।" उन्होंने अभिनव कार्यक्रम 'गार्डियन योग रिंग' के बारे में भी बताया, जो विदेश में भारतीय मिशनों के साथ-साथ 79 देशों और संयुक्त राष्ट्र संगठनों द्वारा किये जाने वाले सामूहिक योगाभ्यास के जरिये योग की एकीकरण ऊर्जा का प्रदर्शन से सम्बंधित है तथा जिसने राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर लिया है। सूर्य जैसे-जैसे पूर्व से पश्चिम की तरफ बढ़ रहा है, योग में हिस्सा लेने वाले देशों में विराट योगाभ्यास हो रहा है। अगर पृथ्वी के किसी एक बिंदु से देखा जाये, तो ऐसा लगेगा कि यह सब-कुछ एक के बाद एक, लगभग बारी-बारी से घटित हो रहा है। यही है 'वन सन, वन अर्थ' की अवधारणा। उन्होंने कहा, "योग के ये प्रयोग स्वास्थ्य, संतुलन और सहयोग की अद्भुत प्रेरणा दे रहे हैं।"

श्री मोदी ने कहा कि योग हमारे लिये केवल जीवन का अंग नहीं है, आज यह जीने का तरीका बन गया है। उन्होंने कहा कि योग किसी समय और स्थान विशेष तक सीमित नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज समय आ गया है कि हम योग से जुड़ी अनन्त संभावनाओं को पहचानें।

श्रीलंका को मिला ऑस्ट्रेलिया का साथ
पचास मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता करेगा

आर्थिक तंगी से जूझ रहे श्रीलंका को इन दिनों भोजन, ईंधन समेत कई चीजों के लिए भयंकर किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हो गए हैं कि श्रीलंका में कुछ ही दिन का ईंधन बचा है। इस बीच श्रीलंका की मदद के लिए ऑस्ट्रेलिया ने मदद का हाथ बढ़ाया है। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्रालय ने बड़ी घोषणा की है। श्रीलंका को आर्थिक संकट से निकालने के लिए ऑस्ट्रेलिया 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर की मदद भेजेगा। इससे तत्काल भोजन और स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों को पूरा किया जाएगा।

श्रीलंका वर्तमान सत्तर वर्षों में अपने सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। जिससे भोजन, दवा और ईंधन की कमी हो गई है। सात दशकों के दौरान श्रीलंका में सबसे खराब आर्थिक संकट के कारण विदेशी मुद्रा की कमी हो गई है जिससे ईंधन और दवा और उर्वरक जैसी आवश्यक वस्तुओं का आयात ठप हो गया है।

ऑस्ट्रेलिया मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम श्रीलंका में 30 लाख लोगों को उनकी दैनिक पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद करने के लिए आपातकालीन खाद्य सहायता के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत तत्काल 22 मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान देंगे। ऑस्ट्रेलिया 2022-23 में श्रीलंका को विकास सहायता में 23 मिलियन अमेरिकी डॉलर भी प्रदान करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता में

अमेरिका सबसे बड़ी बाधा है - तालिबान

अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने आरोप लगाया है कि उसकी सरकार की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता में अमेरिका सबसे बड़ी बाधा है। कार्यवाहक सरकार की मान्यता संबंधी एक सवाल पर तालिबान के वरिष्ठ प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने कहा, 'मेरा मानना है कि विदेशी मान्यता के संदर्भ में अमेरिका एक बड़ी बाधा है। तालिबान ने अंतर्राष्ट्रीय मान्यता के लिए आवश्यक सभी शर्तें पूरी कर ली हैं। अफगानिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता देने के मुद्दे पर पत्रकारों के सवाल के जवाब में मुजाहिद ने कहा, 'अमेरिका अन्य देशों को इस तरह से जाने की इजाजत नहीं देता और इस संबंध में कोई कदम नहीं उठाया है। मुजाहिद ने दावा किया कि तालिबान ने विश्व अदालत में अफगानिस्तान की राजनयिक मान्यता के लिए 'सभी शर्तों और आवश्यकताओं' को पूरा किया है।'

मुजाहिद ने जोर देकर कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका सहित सभी देशों को यह समझना चाहिए कि तालिबान के साथ राजनीतिक संपर्क में सभी की रुचि है। एक बार राजनयिक संबंध स्थापित हो जाने के बाद, देशों को तालिबान के खिलाफ आरोपों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा।

तालिबान के एक प्रवक्ता ने कहा कि तालिबान नेता फरवरी 2020 में दोहा, कतर में हस्ताक्षरित समझौते के अनुरूप संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ द्विपक्षीय संबंधों में रुचि रखते थे। मुजाहिद ने वाशिंगटन से काबुल के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने का आह्वान किया है। 'मुजाहिद ने दावा किया कि तालिबान के साथ राजनीतिक बातचीत अमेरिका सहित सभी देशों के हित में है। गौरतलब है कि पिछले साल अगस्त में अमेरिकी सेना की वापसी के बाद से अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान का कब्जा है। हालांकि, तालिबान सरकार को अभी तक किसी भी देश से मान्यता नहीं प्राप्त हुई है।'

रूसी पत्रकार ने यूक्रेन के

बच्चों की मदद के लिए नोबेल पुरस्कार बेचा

रूस के पत्रकार दिमित्रि मुरातोव ने शांति के लिए मिले अपने नोबेल पुरस्कार की नीलामी कर दी। मुरातोव नीलामी से मिलने वाली धनराशि यूक्रेन में युद्ध से विस्थापित हुए बच्चों की मदद के लिए सीधे यूनीसेफ को देंगे। अक्टूबर 2021 में स्वर्ण पदक से सम्मानित मुरातोव ने स्वतंत्र रूसी अखबार 'नोवाया गजट' की स्थापना की। वह मार्च में अखबार के बंद होने के समय इसके मुख्य संपादक थे। यूक्रेन पर रूस के हमले के मद्देनजर सार्वजनिक असंतोष को दबाने और पत्रकारों पर रूसी कार्रवाई के चलते यह अखबार बंद कर दिया गया था।

मुरातोव ने पुरस्कार की नीलामी से मिली रिकॉर्ड 5,00,000 डॉलर की नकद राशि धर्मार्थ के लिए दान करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस दान का उद्देश्य शरणार्थी बच्चों को भविष्य के लिए एक मौका देना है। उन्होंने कहा कि वह खासतौर पर उन बच्चों के लिए चिंतित हैं, जो यूक्रेन में संघर्ष के कारण अनाथ हो गए हैं। हम उनका भविष्य लौटाना चाहते हैं।

मुरातोव ने हेरीटेज ऑक्शंस की ओर से जारी वीडियो में कहा कि यह अहम है कि

रूस के खिलाफ लगाए गए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों से दुर्लभ बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल दवाएं और अस्थि मज्जा प्रतिरोपण जैसी मानवीय सहायता जरूरतमंदों तक पहुंचने से न रुकें। नीलामी प्रक्रिया का संचालन करने वाले हेरीटेज ऑक्शंस इससे मिलने वाली धनराशि में कोई हिस्सा नहीं ले रही है। ज्ञात रहे कि मुरातोव को पिछले साल फिलीपींस की पत्रकार मारिया रेसा के साथ संयुक्त रूप से शांति के नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया था। उन्हें अपने-अपने देशों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति बनाए रखने के लिए किए गए संघर्षों के वास्ते सम्मानित किया गया था। मुरातोव 2014 में रूस की ओर से क्रीमिया पर कब्जा जमाने और यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बड़े आलोचक रहे हैं।

अफगानिस्तान में आया विनाशकारी भूकंप

अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप से भारी तबाही मची है। रिक्टर पैमाने पर 6.1 की तीव्रता वाले इस भूकंप से अफगानिस्तान में सैकड़ों लोग मारे जाने की खबर है। वहीं कई लोग घायल हो गए हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक इस भूकंप का केंद्र दक्षिणी पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त शहर से 44 किमी दूर था।

अफगानिस्तान की न्यूज एजेंसी बख्तार ने इस भारी तबाही की सूचना दी है। एजेंसी ने बताया कि बचावकर्मी हेलिकॉप्टर से इलाके में पहुंच गए हैं। तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता बिलाल करीमी ने कहा, 'पाकटीका प्रांत में 4 जिलों में भीषण भूकंप आया है। इसमें सैकड़ों की तादाद में लोग मारे गए हैं और दर्जनों घर तबाह हो गए हैं। हम सभी सहायता देने वाली एजेंसियों से अनुरोध करते हैं कि वे अपने दल को इलाके में भेजें ताकि और ज्यादा विनाश से बचा जा सके।' अफगान मीडिया के मुताबिक खोस्त में भारी तबाही की तस्वीरें सामने आ रही हैं।

इजरायल में फिर गिरी सरकार
साढ़े तीन साल में पांचवीं बार होंगे चुनाव

इजरायल में चार साल से कम समय में पांचवीं बार आम चुनाव होने जा रहे हैं। नफ्ताली बेनेट के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार गिर चुकी है और देश में एक बड़ा राजनीतिक संकट पैदा हो गया है। संभवतः इजरायल में अक्टूबर के आखिर में चुनाव हो सकते हैं। इजरायली प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के साथ एक डील के तहत विदेश मंत्री यायिर लैपिड आने वाले कुछ दिनों के लिए देश की सत्ता संभालेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री और मौजूदा विपक्षी नेता बेंजामिन नेतन्याहू ने सत्ता में लौटने की कसम खाई है।

पिछले दिनों बेनेट और यायिर लैपिड संसद भंग करने के लिए सहमत हो गए थे। कई हफ्तों से ये अटकलें लगाई जा रही थीं कि इजरायल का सत्तारूढ़ गठबंधन टूट सकता है। एक संयुक्त बयान में बेनेट और लैपिड ने अपने दलों के बीच गठबंधन को तोड़ने की जानकारी दी। इसमें कहा गया कि दोनों संसद भंग करने के लिए एक विधेयक लेकर आएंगे और अक्टूबर में चुनाव होने की उम्मीद है।

ज्ञात रहे कि नेतन्याहू को सत्ता से हटाकर सरकार बनाते समय बेनेट और लैपिड के बीच एक डील हुई थी जिसके तहत मौजूदा विदेश मंत्री कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। इसका मतलब है कि अगले महीने इजरायल दौरे पर आ रहे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का स्वागत बेनेट के बजाय लैपिड करेंगे। इजरायल का सियासी गणित बहुत रोचक है। बेनेट सरकार के पास विपक्ष से सिर्फ एक सीट ज्यादा थी।

बेनेट सरकार से नाराज थी सहयोगी पार्टी

नेतन्याहू सत्ता में आने के लिए लगातार जोड़तोड़ में लगे हुए थे। वह गठबंधन में शामिल सांसदों को तोड़ने के लिए लगातार कोशिश कर रहे थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।